जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

A Radiant Beacon of Divine Light

"Jab lag duniya rahiye Nanak, kuchh suniye kuchh kahiye"

The Bigger, the Better

All Due To Accident | Unintended Discoveries: When Lab Experiments Resulted in Groundbreaking Innovations

कांग्रेस का मन नहीं है, भाजपा व चुनाव आयोग की साजिश का मसला सुप्रीम कोर्ट में ले जाए

ऐसा लगता है कि पार्टी को विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट इस मसले पर सही निर्णय समय पर नहीं ले पायेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत कर लोकतंत्र को कमजोर करने और जनादेश चुराने के गंभीर आरोप लगाने के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व अपनी शिकायतों के निवारण के लिए सुप्रीम कोर्ट जाने के प्रति इच्छुक नहीं दिख रहा है।

एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, राहुल गांधी ने सभी ज़रूरी तथ्यों और सबूतों को मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक कर दिया है, और अब यह सुप्रीम कोर्ट पर निर्भर करता है कि वह इस मामले पर स्वतः संज्ञान ले और जनहित में कार्रवाई करे।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व को इस बात का भरोसा नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतंत्र के हित में सही कदम उठाएगा। गौरतलब है कि

- एसआईआर पर भी पार्टी सुप्रीम कोर्ट की शरण में गई थी, पर शीर्ष न्यायालय ने कुछ नहीं किया, कोई निर्णय नहीं लिया तथा मसले को लटका दिया।
- इसका अर्थ यह निकला कि चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट के आधार पर चुनाव करवा दिया और कोई भी इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर पाया, क्योंकि मसला सुप्रीम कोर्ट में लंबित था।
- और अब एसआईआर की प्रक्रिया अन्य राज्यों में भी की जा रही है।
- राहुल गांधी ने साजिश के आरोप के साथ यह भी कहा कि आज के बिहार के मतदान में कई ऐसे मामले सामने आये हैं, जहाँ एक व्यक्ति ने पिछले चुनावों में दिल्ली में और अब बिहार में मतदान किया है।

बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर भी कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। लेकिन अदालत ने न तो कोई ठोस कार्रवाई की, न ही कोई फैसला सुनाया, बल्कि मामले को लटकाए रखा। नतीजा यह हुआ कि चुनाव आयोग ने अपनी संशोधित मतदाता सूची के अनुसार चुनाव करवाए और कोई भी इस मामले में हस्तक्षेप या कार्यवाही नहीं कर सका।

अब वही सिलसिला आगे बढ़ते हुए 12 और राज्यों तक पहुंच गया है, जिनमें ममता बनर्जी का पश्चिम बंगाल भी शामिल है, जहाँ भाजपा लंबे समय से उन्हें हटाकर अपनी सरकार बनाने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी का "हरियाणा हाइड्रोजन बम" फोड़ने का मकसद भी बिहार और वहाँ के युवाओं को यह संदेश देना है कि बिहार की स्थिति भी हरियाणा जैसी ही है।

आज बिहार में हुए मतदान में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहाँ कुछ मतदाताओं ने फरवरी में दिल्ली में, और आज बिहार में भी मतदान किया। आने वाले दिनों में इस तरह के और भी कई मामले सामने आने की संभावना है।

डमी प्रत्याशी बैठाकर चयनित हुआ अध्यापक गिरफ्तार

जयपुर, 6 नवंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 में डमी अभ्यर्थी को बैठाकर चयनित हुए तृतीय श्रेणी अध्यापक सचिन कुमार बघेल को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) राजस्थान जयपुर विशाल बंसल ने बताया कि तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 का आयोजन 25 फरवरी 2023 को किया गया था।

- राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट के बाद एसओजी ने सचिन कुमार बघेल को हिरासत में लिया।

सचिन कुमार बघेल उक्त सार्वजनिक प्रतियोगी परीक्षा में अपने स्थान पर अन्य डमी अभ्यर्थी को बैठाकर कर तृतीय श्रेणी अध्यापक के पद पर चयनित हो गया था। बघेल के दस्तावेज प्राप्त किये गये व नमूना हस्ताक्षर लिये जाकर राज्य विधि विज्ञान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रोटी को तवे पर पलटते रहना चाहिए नहीं तो जल जाती है'

लालू ने प्रथम चरण के मतदान के बाद कहा, बीस साल बहुत लंबा समय होता है, अब नई युवा सरकार आना जरूरी हो गया है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। बिहार की हाई-प्रोफाइल चुनावी जंग शुरू हो गई है। राज्य की 243 में से आधी सीटों पर गुरुवार को पहले चरण का मतदान हुआ। दूसरा चरण रविवार को होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, एनडीए सरकार एक बार फिर सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लगभग 3.75 करोड़ मतदाताओं में से करीब 65 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके साथ ही, बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, 15 मंत्री, तथा महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी तेजस्वी प्रसाद यादव समेत, कुल 1,314 उम्मीदवारों के भाग्य ईवीएम में बंद हो गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने यहां मीडियाकर्मियों को बताया कि अब तक

- बिहार के प्रथम चरण की 121 विधानसभा सीटों पर लगभग पैंसठ प्रतिशत मतदान रहा।
- कांग्रेस का चुनाव अभियान जोर-शोर से शुरु हुआ था, पर राहुल गांधी का दो महीने तक बिहार से अनुपस्थित रहना भारी पड़ सकता है।
- चुनाव रणनीति विशेषज्ञ प्रशांत किशोर की भूमिका को आंकना प्रथम चरण के बाद भी कठिन है।

जिला मुख्यालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 सीटों पर 64.46 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

लालू यादव ने अपने परिवार की स्याही लगी उंगलियों वाली तस्वीर साझा करते हुए लिखा, रोटी को तवे पर पलटते रहना चाहिए, नहीं तो वह जल जाएगी। 20 साल बहुत लंबा समय है! अब युवाओं की सरकार और नए बिहार के लिए तेजस्वी सरकार बेहद जरूरी है।

सम्राट चौधरी ने दावा किया कि एनडीए भारी बहुमत से सत्ता में लौटेगा, जबकि उनके प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि वे पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान देखना चाहते हैं और उन्होंने सभी से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मतदाताओं से "लोकतंत्र के इस त्योहार" में पूरे उत्साह से भाग लेने की अपील की। एनडीए की जीत के प्रति आशवस्त मोदी ने जोर देते हुए कहा कि एनडीए को इस बार अभूतपूर्व बहुमत मिलेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इकॉनमी व रोज़मर्रा के बढ़ते खर्चे सबसे बड़ी चिंता है, अमेरिका वासियों की

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार यह दावा करते आ रहे हैं कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी चल रही है, जबकि जनता की भावना और आंकड़े कुछ और ही कहानी बताते हैं। सीएनएन के हालिया सर्वे के अनुसार, ट्रंप की गिरती लोकप्रियता सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था से संबंधित चिंताओं से जुड़ी है। लगभग 47 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने अर्थव्यवस्था और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को अपनी सबसे बड़ी चिंता बताया है। इसके बावजूद, ट्रंप आत्मविश्वास से भरे दिखते हैं और जीडीपी वृद्धि, तेजी से बढ़ते शेयर बाज़ार और रोजगार सृजन में छिटपुट बढ़ोतरी जैसे कुछ चुनिंदा आंकड़ों का हवाला देकर दावा करते हैं कि उनकी आर्थिक नीतियाँ सफल रही हैं। वे अक्सर टैरिफ, मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा आत्मनिर्भरता जैसे अपने कदमों को लेकर दावा करते हैं कि इनसे अमेरिकी उद्योग में नई जान आई है और आर्थिक मजबूती बहाल हुई है।

लेकिन यह कहानी वास्तविक आंकड़ों से मेल नहीं खाती। रोज़गार वृद्धि, जो किसी भी अर्थव्यवस्था की सेहत का प्रमुख संकेतक होती है, अब काफी धीमी हो गई है। हाल के एक महीने में अमेरिका ने सिर्फ़ लगभग 73,000 नई नौकरियाँ जोड़ीं, जो बाज़ार की उम्मीदों से काफी कम हैं। वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में औसत मासिक रोजगार सृजन लगभग 51,000 रहा, जो ऐतिहासिक मानकों की तुलना में बहुत मामूली हैं। कामकाजी आबादी की भागीदारी दर (लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट) भी घट रही है, खासकर युवाओं और मध्यम आयु वर्ग में। यह संकेत देता है कि ट्रंप द्वारा बताई जा रही आर्थिक मज़बूती व्यापक रोज़गार वृद्धि में तब्दील नहीं हो रही।

- जानी-मानी न्यूज़ एजेंसी सीएनएन के नवीनतम सर्वे के निष्कर्ष ने इकॉनमी के बारे में ट्रंप के दावों को एकदम खारिज किया।

महंगाई, जो आम नागरिकों के लिए सबसे सीधा असर डालने वाला कारक है, अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि महामारी के बाद महंगाई की दर अपने उच्चतम स्तर से कम हुई है, पर यह अभी भी करीब 3 प्रतिशत वार्षिक दर पर चल रही है, जो अमेरिकी केन्द्रीय बैंक (फेडरल रिज़र्व) के लक्ष्य, 2 प्रतिशत से अधिक है। खाने-पीने की चीज़ें, मकान और ऊर्जा के दाम अब भी आम अमेरिकियों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। किराने के सामान की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में 2.7 प्रतिशत बढ़ीं, जबकि बिजली की लागत में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जो ट्रंप के उस दावे का खंडन करती है कि जीवन-यापन सस्ता हो रहा है। भले ही कुछ वस्तुओं के दाम स्थिर हो गए हों, पर वे महामारी से पहले के स्तर से अब भी काफ़ी अधिक हैं, यानी परिवारों को अब वही चीजें खरीदने के लिए पांच साल पहले की तुलना में कहीं ज़्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

ट्रंप अक्सर आर्थिक सफलता के प्रमाण के रूप में जिन जीडीपी आंकड़ों का बखान करते हैं, उनकी भी गहन जांच की आवश्यकता है। हालांकि, अर्थव्यवस्था की वृद्धि कभी-कभी उम्मीद से अधिक रही है, पर इसका बड़ा हिस्सा तकनीकी कारणों से आया है, जैसे कि आयात में कमी, जिससे निर्यात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छः माह से फरार विधायक पटेल का पीए गिरफ्तार

जयपुर, 6 नवम्बर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बांसवाड़ा टीम ने छह माह से फरार चले रहे भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के विधायक जयकृष्ण पटेल के पीए को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि एसीबी की कार्रवाई की भनक लगते ही

- रोहित मीणा रिश्वत के पैसे से भरा बैग लेकर फरार हो गया था।

विधायक का पर्सनल असिटेंट रिश्वत के बीस लाख रुपए से भरा बैंग पार्किंग से लेकर फरार हो गया था, जिसकी तलाश में कई जगहों पर दबिश दी गई। लेकिन आरोपी का कोई सुराग एसीबी के हाथ नहीं लगा। एसीबी टीम ने कार्रवाई के दौरान आरोपी का सहयोग करने वाले उसके परिचित राजेश मीणा (33) करौली निवासी को भी हिरासत में लिया है।

एसीबी टीम के पहुंचने से पहले आरोपी रोहिताश उर्फ रोहित स्कूटी से रिश्वत के बीस लाख रुपए लेकर फरार हो गया। एसीबी के एएसपी संदीप सारस्वत ने बताया कि एसीबी टीम ने 6 महीने से पर्सनल असिस्टेंट रोहित मीणा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के विकास व कांग्रेस के भ्रष्टाचार के बीच है, अंता का चुनाव- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने वसुंधरा राजे के साथ ढाई किलोमीटर लंबा रोड शो किया

बारां/जयपुर 6 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास के विजन के साथ काम करती है। जनता की सेवा ही हमारा मुख्य ध्येय है, जबकि कांग्रेस भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की नीति पर कार्य करते हुए झूठ और लूट की राजनीति करती है। उन्होंने आमजन से आ ान किया कि आगामी उपचुनाव में अंता विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को ज्यादा से ज्यादा मतों से विजयी बनाएं।

मुख्यमंत्री ने गुरूवार को मांगरोल में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में रोड शो कर आमजन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दो साल में जनता के लिए जितना काम किया है, उतना पिछली कांग्रेस सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में नहीं किया।

- रोड शो में मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए 51 द्वार बनाये गये तथा आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा व माल्यार्पण किया। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन रथ में मुख्यमंत्री के साथ थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने गुरूवार को मांगरोल में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में रोड शो किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गिरफ्तार मौलाना टीटीपी टॉप कमांडर के संपर्क में था

जयपुर, नवंबर। आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने मौलाना मोहम्मद उसामा और उसके भाई को संदिग्ध लगने पर पांच दिन पहले सांचौर से पकड़ा था।

एटीएस की पूछताछ में सांचौर से पकड़े गये मौलाना मोहम्मद उसामा

- मौलाना के भाई से भी मोबाइल और दस्तावेज एटीएस ने कब्जे में लिए हैं।

उमर का संबंध अफगानिस्तान के आतंकी संगठन तहरीक-एक-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से था। उसामा चार साल से संगठन के टॉप कमांडर के संपर्क में था। इसके प्रमाण मिलने के बाद गिरफ्तार किए गये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप की ज्यादतियों का जवाब देने के लिए ममदानी मेयर के ऑफिस में दो सौ और प्रोफेशनल वकील नियुक्त करेंगे

जैसा कि विदित ही है, ममदानी के पास और कोई रास्ता नहीं है, ट्रंप की प्रतिशोधात्मक कार्यवाही से बचने का

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अब नवनिर्वाचित न्यूयॉर्क मेयर ज़ोहरान ममदानी से निपटने के तरीकों की तलाश में जुटे हैं और इस दौरान उनके दो अलग-अलग चेहरे साफ़ तौर पर सामने आ रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, एक तरफ ट्रंप ममदानी को "कट्टरपंथी", "कम्युनिस्ट" और "न्यूयॉर्क सिटी के लिए खतरा" बता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने इस नव-निर्वाचित मेयर को चतुर, अच्छा वक्ता और प्रतिभाशाली राजनेता बताया है। निजी बातचीत में, ट्रंप ने मज़ाक में यह भी कहा कि वे ममदानी से "कहीं ज़्यादा खूबसूरत हैं।"

राजनीतिक रूप से दोनों एक-दूसरे के घोर विरोधी माने जाते हैं और ऐसा लग रहा है कि अब वे सीधे टकराव की ओर बढ़ रहे हैं। ट्रंप के लिए ममदानी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का नया चेहरा हैं। ममदानी की अप्रत्याशित जीत के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने कहा था, "डेमोक्रेट्स पागल हैं और वही हाल इस ममदानी, या जो भी उसका नाम है, का भी है।"

ट्रंप के करीबी मानते हैं कि ममदानी और न्यूयॉर्क सिटी अब ट्रंप का अगला निशाना बन सकते हैं। हालांकि कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं कि राष्ट्रपति को यह समझ आ जाये कि न्यूयॉर्क के आर्थिक रूप से सफल रहने में उनका स्वयं का भी हित है, क्योंकि उनके कई रियल एस्टेट कारोबार वहीं हैं।

- फिलहाल, ट्रंप और ममदानी एक-दूसरे पर कटाक्ष और व्यंग्य करने में जुटे हैं।
- ट्रंप ने ममदानी का मज़ाक बनाते हुए कहा कि वे न्यूयॉर्क के नये निर्वाचित मेयर से कहीं ज्यादा खूबसूरत हैं।
- ममदानी ने अपनी विक्ट्री स्पीच में ट्रंप पर टिप्पणी करते हुए कहा, मैं जानता हूँ कि आप मेरी स्पीच सुन रहे हैं और देख रहे हो, मेरी नेक सलाह है कि वॉल्यूम बढ़ा लो जिससे साफ सुनाई दे।
- वाइट हाउस की प्रेस सैक्रेटरी कैरोलीन लिविट ने इसकी बाद में पुष्टि की कि उस समय ट्रंप वाकई में विक्ट्री स्पीच देख रहे थे।
- चाहे दोनों नेताओं के बीच यह आदान-प्रदान कितना भी बचकाना लगे, पर ट्रंप और ममदानी के बीच शांतिपूर्ण संबंध नहीं रहने वाले हैं।

बुधवार को ट्रंप ने कहा कि वे उनकी (ममदानी) "थोड़ी मदद शायद कर सकते हैं", क्योंकि वे न्यूयॉर्क सिटी की सफलता चाहते हैं।

लेकिन साथ ही उन्होंने धमकी दी कि वे शहर को "आवश्यक न्यूनतम राशि के अलावा" संघीय फंड नहीं देंगे। हालांकि वे कानूनी रूप से कांग्रेस द्वारा स्वीकृत धनराशि, को न्यूनतम अपवादों के अलावा, रोक नहीं सकते।

जब भी प्रशासन ने आव्रजन नीतियों (इमिग्रेशन पालिसीज) को लेकर डेमोक्रेटिक शहरों के संघीय फंड रोकने की कोशिश की है, अदालतों ने हर बार उनके खिलाफ फैसला दिया है।

न्यूयॉर्क सिटी को संघीय सरकार से स्वास्थ्य, परिवहन और कानून व्यवस्था जैसे कई क्षेत्रों में धन मिलता है। यदि प्रशासन इनमें से किसी भी क्षेत्र के फंड रोकेगा तो निश्चित रूप से मुकदमेबाजी होगी।

जहाँ तक ममदानी का प्रश्न है, वे इस टकराव के लिए तैयार दिख रहे हैं। अपने विजय-भाषण में उन्होंने ट्रंप को सीधे चुनौती दी और कहा कि वे संघीय हस्तक्षेप के हर प्रयास का मुकाबला करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाम संगठनों ने जेएनयू छात्र संघ के चारों पद जीते

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित, सभी चारों पदों पर संयुक्त वाम संगठन ने जीत हासिल की है।

आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), स्टूडेंट फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) और डेमोक्रेटिक स्टूडेंट फेडरेशन (डीएसएफ) ने संयुक्त मोर्चा बनाया था। अध्यक्ष पद पर अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष पद पर के गोपिका, महासचिव पद पर सुनील यादव और संयुक्त सचिव पद पर दानिश अली जो सभी वाम मोर्चे के प्रत्याशी थे, ने जीत दर्ज की। चारों पदों पर मोर्चे का मुख्य मुकाबला अखिल

- अदिति मिश्रा अध्यक्ष व सुनील यादव महासचिव निर्वाचित हुए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

गुरु का भी दोष कह देना चाहिए। –स्वामी रामतीर्थ

सावधान! सुप्रीम कोर्ट क्षतिपूर्ति की मांग करने वाले उन अंकिचनों की रिट् पिटीशन्स की सुनवाई करेगी, जिन्हें न्यायालय ने न केवल दोष मुक्त किया अपितु माना कि राज्य के अभियोजन पक्ष ने उन्हें अमान्य रूप से बंदी बनाया और फर्जी शहादत बनाकर आजीवन कारावास/मृत्यु की सजा दिलवाई

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष तीन रिट् याचिकायें उन अकिंचन, निस्सहाय, अभागे व्यक्ति रामकिरत मुन्नीलाल गौड़, कत्तावैलाई व संजय ने पेश की हैं, और राज्य से क्षतिपूर्ति की प्रार्थना की है। क्षतिपूर्ति का आधार है उन्हें गैरकानूनी, अमान्य व अविधिक रूप से अभियोजन पक्ष ने अनैतिक प्रक्रिया से, कपटपूर्ण फर्जी रूप से गवाह तैयार किये और उन्हें दोषी ठहराया, फलस्वरूप उन्हें आजीवन कारावास/मृत्युदण्ड की सजा भुगतनी पड़ी। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से सभी तीनों पिटीशनर बरी किये गये।

महाराष्ट्र सरकार ने पिटीशनर (याची) को 12 वर्षों तक अमान्य रूप से बंदी बनाया। 6 वर्षों तक याची तिलतिल कर मरता रहा और मृत्यु की प्रतीक्षा करता रहा। उसका केस Wrongful Conviction का है, जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है। पिटीशनर कत्तावैलाई तामिलनाडू से हैं। उनके विरूद्ध मर्डर और रैप के आरोप थे। उसे बरी करते समय सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया था कि देश में कानून होना चाहिये कि यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से कारावास में रखा जाता है और फर्जी शहादत के आधार पर सजा होती है तो वह मुआवजा पाने का अधिकारी है। वह उत्तरप्रदेश का निवासी हैं, उसके विरूद्ध आरोप था कि उसे 3 वर्ष की अबोध बालिका के साथ बलात्कार किया था साथ ही उनके विरूद्ध मर्डर का आरोप भी था। सुप्रीम कोर्ट ने बरी करते हुये कहा था कि प्रोसीक्यूशन संदेह से पर आरोप साबित करने में असमर्थ रहा है। और Moral Conviction जैसे शब्द कानून में स्वीकार नहीं हैं।

पिटीशन्स को बहस के लिये स्वीकार करते समय माननीय न्यायाधीश जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता पिटिशन की सुनवाई कर रहे थे; उन्होंने अटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमणी व सोलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने आग्रह किया कि इस मामले में कोर्ट को अपना सहयोग देंवे और उक्त तीनों राज्य सरकारों को सुनवाई को नोटिस की तामील करावें। नोटिस में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि 24 नवम्बर, 2025 तक इसकी तामील हो। रजिस्ट्रारों को यह भी निर्देष दिया है कि दोनों ही उच्च कानूनी अधिकारियों को एक सप्ताह में सूचना पिटीशन की कॉपी के साथ भेजी जावे।

माननीय सुप्रीम कोर्ट ने उपरोक्त मामले में जो प्रश्न उठाया है वह लोकतंत्र के लिये बहुत आवश्यक है। बिहार को हम जंगल राज्य कहते हैं, किन्तु उपरोक्त प्रसंग से ज्ञात होता है कि जंगल राज्य केवल एक राज्य में ही नहीं है अपितु देश भर में पुलिस की गंदी व नारकीय हरकत के एक नहीं कई उदाहरण मिलेंगे। कहने का यह अभिप्राय नहीं है सभी पुलिस वाले ऐसे ही होते हैं। देश ने कई घटनायें मिलेंगी जहां पर पुलिस के कार्यों पर हमें गर्व भी होता है; किन्तु लोकतंत्र में जहां व्यक्ति की स्वतंत्रता (mHeFcelepeue) को बहुत महत्व दिया है और संविधान के मूल अधिकारों में अनुच्छेद 21 में गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अवैध गिरफ्तारी को संवैधानिक मूल अधिकार का घोर उल्लंघन माना है। यहां तक की जमानत के मामलों में भी यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है 'Bail not Jail' की प्रक्रिया होनी चाहिये।

राम किरत गौड़ की रिट् पिटीशन में यह महत्वपूर्ण विवाद बिन्दु उठाया गया है कि यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से दोषी ठहराया गया है और वह जेल में अनाधिकृत प्रक्रिया से बंदी रहा है, क्योंकि केस की समस्त जांच कार्यवाही दोषपूर्ण और बनावटी (Fabricated) है तो क्या वह अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत राज्य से मुआवजा प्राप्त करने का अधिकारी है, क्योंकि यह मामला व्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा मय जीवन के मूल अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में पिटीशनर ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्ववर्ती निर्णय का उल्लेख किया है, जिसमें Public Law Remedy के सिद्धान्त को माना है कि राज्य अवैध गिरफ्तारी व Miscariage of Justice होने पर, हर्जाने की आदायगी के हेतु उत्तरदायी है।

आईये, यहां हम पिटीशनर गौड़ के केस के तथ्यों और सुप्रीम कोर्ट की LHeokeâHeons पर और कोर्ट की तीखी टिप्पणी व समीक्षा पर भी विचार करें तो पायेंगे कि माननीय न्यायालय का निष्कर्ष, इतना दर्द भरा था जिसने न्यायाधीशों की अंतरात्मा को झकझोर दिया था।

अनाधिकृत, अवैध व अमान्य मुकदमें में फंसाने के कारण, जहां एक ओर न्याय का गला घोंट दिया जाता है वहीं दूसरी ओर आरोपी के परिवार को भूखा मरने की नौबत तक आ जाती है। परिवार के सदस्यों को नारकीय जीवन जीने के लिये मजबूर होना पड़ता है। ऐसे अनेक केस देश भर में हो रहे हैं। ऐसे अंकिचन, निस्सहाय, निराश्रय, भाग्यहीन व्यक्तियों को कैसे राहत दी जावे?

गौड़ को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302, 363, 376(2)(प) तथा 201 के तहत् दिनांक 8 मार्च, 2019 से निर्णय से दोषी पाया गया था। साथ ही उसके विरूद्ध धारा 4 व 8 Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012 के आरोप भी थे उसे मौत की सजा दी गई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने आदेश दिनांक 25.11.2021 से कन्वीक्शन व सजा को कन्फर्म किया था।

दिनांक 7 मई, 2025 के निर्णय से सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने अभिव्यक्त किया कि जांच अधिकारियों ने फर्जी गवाह बनाये, ताकि एक संवेदनात्मक (Sensational) प्रकृति के केस बनायें और केस की गुत्थी को जिसे वे सुलझा नहीं पाये थे, पर्दा डाल सकें। कोर्ट ने अपनी शहादत की समीक्षा में पाया कि पिटीशनर की गिरफ्तारी अवैध थी, क्योंकि उसे दोषी होने के कोई सबूत ही नहीं थे। कोर्ट ने यहां तक कहा कि कुछ महत्वूपर्ण Forensic शहादत को जान-बूझकर पेश नहीं किया गया, जिससे यह आसानी से कयास लगाया जा सकता था कि केस में शहादत का सर्वथा अभाव है। याची ने अपनी पिटीशन में जोरदार शब्दों में आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र की पुलिस ने झूठी शहादत तैयार की थी। यहां तक कि रिकवरी मेमोज भी झूठे थे। माननीय कोर्ट का मानना था कि याची हर्जा प्राप्त करने का अधिकारी है क्योंकि उसके मौलिक (मूल) अधिकार का जो संविधान के अनुच्छेद 21 में दिया है, उल्लंघन हुआ था।

याची 3 अक्टूबर, 2013 को गिरफ्तारी किया गया था। वह 12 वर्ष तक जेल में बंद रहा और 19 मई को जेल से छूटा। उसे इस अवधि में अपने बच्चों से मिलने नहीं दिया, उसे पैरोल (Parole) अथवा Furlough (अस्थायी रिहाई) का भी लाभ नहीं मिला। उसकी धर्मपत्नी सावित्री को जमीन और जेवरात गिरवी रखकर प्रार्थी का मुकदमा लड़ा। उसके दोनों लडकों को पढ़ाई छोड़नी पड़ी और एक छोटी सी झौपडी में रहना पड़ा। उसने कर्जा लेकर एक रूम का मकान बनाया और 22,500/-रूपये का अन्य कर्जा लेकर बच्चों का स्कूल में दाखिला कराया। वह 500/-रूपये प्रतिदिन की नौकरी कर रहा है।

अनाधिकृत, अवैध व अमान्य मुकदमें में फंसाने के कारण, जहां एक ओर न्याय का गला घोंट दिया जाता है वहीं दूसरी ओर आरोपी के परिवार को भूखा मरने की नौबत तक आ जाती है। परिवार के सदस्यों को नारकीय जीवन जीने के लिये मजबूर होना पड़ता है। ऐसे अनेक केस देश भर में हो रहे हैं। ऐसे अंकिचन, निस्सहाय, निराश्रय, भाग्यहीन व्यक्तियों को कैसे राहत दी जावे? इस पर देश के लॉ कमीशन ने भी अपना विचार किया और अपनी 277वी रिपोर्ट में सुझाव दिया कि Wrongful Prosecution के केस में पीड़ितों को उचित हर्जाना दिलाया जाना चाहिये तथा इस हेतु कानून (Statutory Scheme) बनाई जाना चाहिये, ताकि पीडित व्यक्तियों को कुछ तो न्याय मिल सके।

प्रस्तुत सम्पादकीय में केवल पिटीशनर गौड़ के केस के तथ्यों का उल्लेख है वस्तुतः सभी तीनों याचिका कर्त्ताओं के केस में विचार बिन्दु एक ही है।

प्रत्येक नागरिक ही नहीं अपितु देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है और यह अधिकार उसका मूल संवैधानिक अधिकार है। जीवन की रक्षा करना राज्य का कर्त्तव्य है।

Wrongful Prosecution के अतिरिक्त द्वेष, दुर्भावना (Malice) के कारण दायर की गई कार्यवाही अन्याय है और अन्याय के विरूद्ध आवाज उठाना वकील (एडवोकेट) का कर्त्तव्य है। Malicious Prosecution के केस को कोर्ट फीस से मुक्ति मिलनी चाहिये।

पाठकों से निवेदन है कि Statutory Scheme में संशोधन के हेतु सुझाव लॉ कमीशन अथवा विधि एवं न्याय मंत्रालय को भेजें।

सत्यमेव जयते !

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

एक युद्ध कैंसर के विरुद्ध, जागरूकता ही सुरक्षा है

7 नवंबर : राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

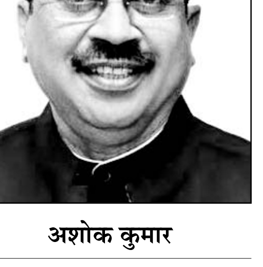

अशोक कुमार

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस (7 नवंबर) एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है, जो लाखों लोगों के जीवन की रक्षा, उन्हें बेहतर उपचार दिलाने और इस रोग से जुड़ी भ्रांतियों व डर को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार ने वर्ष 2014 में इस दिन को आधिकारिक तौर पर मनाने की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य कैंसर की शीघ्र पहचान, रोकथाम, और उपचार के बारे में जन-जन तक जानकारी पहुँचाना है।

दिवस का इतिहास और वैज्ञानिक आधार : 7 नवंबर की तारीख को चुनने के पीछे एक वैज्ञानिक प्रेरणा है। यह दिन महान वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम मैरी क्यूरी का जन्मदिन है, जिनका जन्म 7 नवंबर, 1867 को हुआ था। मैरी क्यूरी ने रेडियोधर्मिता की खोज की, जिसके आधार पर कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली महत्वपूर्ण पद्धति रेडियोथेरेपी (विकिरण चिकित्सा) का विकास हुआ। उनके इस अथक योगदान को सम्मानित करने और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में विज्ञान के महत्व को रेखांकित करने के लिए ही यह दिन चुना गया।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस का मुख्य उद्देश्य:–

जागरूकता फैलाना: कैंसर के शुरुआती लक्षणों, कारणों और जोखिम कारकों के बारे में लोगों को शिक्षित करना।

डर कम करना: कैंसर को लाइलाज मानने के डर को दूर करना और यह बताना कि समय पर पता चलने पर इसका इलाज संभव है।

शीघ्र जांच के लिए प्रेरित करना: लोगों को नियमित जांच (स्क्रीनिंग) कराने के लिए प्रोत्साहित करना।

कैंसर: एक वैश्विक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य चुनौती : कैंसर बीमारियों का एक बड़ा समूह है, जिसमें शरीर की कोशिकाएँ अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। यह दुनिया भर में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। भारत में भी, कैंसर के मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जिससे यह एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन गया है। पुरुषों में फेफड़े, प्रोस्टेट, और महिलाओं में स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, और फेफड़े का कैंसर सबसे आम हैं। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस इस बात पर ज़ोर देता है कि लगभग एक-तिहाई कैंसर के मामलों को जीवनशैली में बदलाव करके रोका जा सकता है।

रोकथाम के प्रमुख उपाय:– तंबाकू का सेवन छोड़ना: तम्बाकू (धूम्रपान और चबाना) कैंसर का सबसे बड़ा रोके जाने योग्य जोखिम कारक है।

स्वस्थ आहार: फल, सब्जियाँ, साबुत अनाज और फलियाँ युक्त संतुलित आहार अपनाना। नियमित शारीरिक गतिविधि: व्यायाम द्वारा शरीर के वजन को नियंत्रित रखना। टीकाकरण: गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (HPV टीका) और लिवर कैंसर (Hepatitis B šerkeâe) जैसे कुछ कैंसर टीकाकरण से रोके जा सकते हैं।सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाव: त्वचा के कैंसर से बचने के लिए तेज धूप से बचना।

शीघ्र पहचान: समय पर निदान, सफल उपचार

कैंसर के इलाज की सफलता में सबसे महत्वपूर्ण कारक उसकी शीघ्र पहचान है। जब कैंसर शुरुआती चरणों में होता है, तो उपचार अधिक प्रभावी होता है। जागरूकता दिवस का मुख्य संदेश यह है कि लोग अपने शरीर में होने वाले छोटे से छोटे बदलावों को भी नज़रअंदाज़ न करें।

कैंसर के कुछ सामान्य चेतावनी संकेत:– शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन जो ठीक न हो।

लंबे समय तक ठीक न होने वाला घाव या छाला।

तिल या मस्से के आकार, रंग या बनावट में बदलाव।

लगातार खांसी या आवाज़ में बदलाव। असामान्य रक्तस्राव या डिस्चार्ज। बिना किसी कारण के वजन कम होना या अत्यधिक थकान।

इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना ज़रूरी है। कुछ कैंसर के लिए नियमित स्क्रीनिंग की सिफारिश की जाती है, जैसे महिलाओं के लिए मैमोग्राफी (स्तन कैंसर), पैप स्मीयर (गर्भाशय ठीवा कैंसर), और पुरुषों के लिए पीएसए टेस्ट (प्रोस्टेट कैंसर)।

एक युद्ध कैंसर के विरुद्ध : राष्ट्रीय जागरूकता दिवस को एक सतत अभियान बनाने के लिए, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज (ISLS) ने वर्ष 2016 में "एक युद्ध कैंसर के विरुद्ध" अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और उपचार की जानकारी पहुँचाकर जन-जागरूकता फैलाना है।

पिछले नौ वर्षों में इस अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रमुख गतिविधियाँ: राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन: चिकित्सा वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने मिलकर कैंसर पर विचार-विमर्श किया। जागरूकता प्रदर्शनियाँ : कैंसर के कारण, लक्षण और रोकथाम पर जनसामान्य को सरल जानकारी दी गई। हस्ताक्षर अभियान: जनसहभागिता बढ़ाने और कैंसर-मुक्त समाज के संकल्प को सशक्त करने के लिए। चिकित्सीय जांच शिविर: कैंसर की प्रारंभिक पहचान के लिए निःशुल्क जाँच और परामर्श सुविधा प्रदान की गई।

लोकप्रिय व्याख्यान एवं टॉक शो: विशेषज्ञों ने आम जनता को जागरूक किया कि कैंसर से डरने की नहीं, बल्कि समझदारी से लड़ने की आवश्यकता है।

साहित्य और शोध प्रकाशन: आम जन की समझ के अनुरूप सरल भाषा में कैंसर पर आधारित लेख और पुस्तिकाएँ प्रकाशित की गईं। इस जनजागरण अभियान में देशभर के अस्पतालों, चिकित्सकों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और सैकड़ों स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहयोग दिया है, जिससे यह एक साझा सामाजिक दायित्व बन गया है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस सिर्फ स्वास्थ्य सलाह देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्त करने का भी दिन है जो इस बीमारी से जूझ रहे हैं। कैंसर का उपचार एक लंबी और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण यात्रा होती है। सामाजिक बहिष्कार या भेदभाव की जगह, हमें उन्हें आशा और प्रेरणा देनी चाहिए। परिवारों, दोस्तों और समुदाय का सहयोग मरीज की उपचार प्रक्रिया और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निष्कर्ष और संदेश : -7 नवंबर का दिन हमें याद दिलाता है कि कैंसर एक अदृश्य दुश्मन हो सकता है, लेकिन हम जागरूकता, विज्ञान और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से इससे लड़ सकते हैं। कैंसर के विरुद्ध सबसे बड़ा हथियार हमारी जागरूकता ही है। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज (ISLS) का यह अभियान आने वाले वर्षों में और अधिक व्यापक स्तर पर चलेगा, जिसका लक्ष्य है– हर नागरिक को जागरूक करना, हर घर को सुरक्षित बनाना, और समाज को कैंसर-मुक्त दिशा में आगे बढ़ाना। कैंसर के विरुद्ध यह संघर्ष केवल डॉक्टरों या वैज्ञानिकों का नहीं, बल्कि हम सबका साझा दायित्व है। जागरूक बनें, सुरक्षित रहें – यही जीवन का सबसे सुंदर संदेश है। जागरूकता ही सुरक्षा है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर ,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
प्रेसिडेंट इंटरनेशनल सोसाइटी
ऑफ लाइफ साइंसेज जयपुर

क्या बुजुर्गों के सहारे चलेगा भारत या युवाओं के दम पर ?

सुनील दत्त गोयल

आज मैं पूरे देश का ध्यान एक ऐसे सामाजिक सरोकार की ओर दिलाना चाहता हूँ, जहाँ अक्सर यह कहा जाता है कि भारत नवयुवकों का देश है। परंतु क्या वाकई ऐसा है? सच यह है कि भारत अब तेज़ी से बुजुर्गों की संख्या बढ़ाने वाले देशों की क़तार में शामिल हो गया है। आने वाले 10-15 वर्षों में हमारे सामने बुजुर्ग आबादी विस्फोटक रूप से बढ़ेगी। यह केवल जनसंख्या का मामला नहीं होगा, बल्कि एक गहरी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्या के रूप में सामने आएगा। सवाल यह है कि क्या भारत भविष्य में युवाओं के दम पर आगे बढ़ेगा या बुजुर्गों के सहारे लड़खड़ाएगा?

युवाओं से छिनी जगहें: बुजुर्गों के लिए नई कुर्सियाँ

दावा यह है कि भारत की सबसे बड़ी ताक़त उसकी युवा आबादी है। लेकिन व्यवहार में हो रहा यह है कि बड़ी संख्या में रिटायर अफ़सर, नौकरशाह और कॉर्पोरेट अधिकारी सेवानिवृत्ति के बाद भी विभिन्न संगठनों, बोर्डों सामाजिक संस्थाओं,वॉलंटरी ऑर्गेनाइजेशंस, क्लब्स और समितियों में उच्च पदों पर बने रहते हैं। युवाओं को मौका देने की बजाय, वही बुजुर्ग फिर से कुर्सियों पर बैठ जाते हैं। अनुभव के नाम पर उनकी वापसी को सही ठहराया जाता है, मगर असल में यह प्रवृत्ति नवाचार और नई सोच को रोकने का काम करती है। जब लाखों योग्य और शिक्षित युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है, तब वही पद दोबारा बुजुर्गों के खाते में जाना क्या न्यायसंगत माना जा सकता है? यह युवाओं के लिए बेहद निराशाजनक संदेश है कि यहाँ कुर्सी छोड़ने की कोई परंपरा ही नहीं।

हम किस ज्वालामुखी पर बैठे हैं : स्वास्थ्य सेवाओं और जीवन स्तर में सुधार से बुजुर्गों की औसत आयु बढ़ रही है। यह स्वाभाविक प्रगति है, लेकिन हमारे पास इस बढ़ती आबादी के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। न पर्याप्त अस्पताल हैं, न वृद्ध-आश्रमों की व्यवस्था है, और न ही उचित मूल्य पर ओल्ड एज होम। हम मानो किसी ज्वालामुखी पर बैठे हैं, जो अगले 10-15 वर्षों में कभी भी फट सकता है। अचानक हमें यह अहसास होगा कि युवा आबादी घट रही है और बुजुर्गों की संख्या बढ़ गई है। देश का आधारभूत ढाँचा- चाहे अस्पताल हो, नर्सिंग स्टाफ हो या स्वास्थ्य सेवाएँ-सीनियर सिटिज़न्स की इस लहर को सँभालने की स्थिति में बिल्कुल सक्षम नहीं है।

जनसंख्या से जनशक्ति तक- अब उल्टा सफ़र : कभी हमने गर्व से कहा था कि हमारी जनसंख्या ही हमारी जनशक्ति है। लेकिन आज वही जनसंख्या हमारे लिए दबाव का कारण बन गई है। यदि उद्योग-घराने, बिल्डर और सरकार अभी से सतर्क नहीं हुए तो आने वाले वर्षों में हालत यह होगी कि न तो पर्याप्त मेडिकल सुविधाएँ होंगी और न ही नर्सिंग स्टाफ। सामाजिक असंतुलन मानो किसी फूटे हुए बर्तन की तरह बिखरने लगेगा।

मोहन भागवत जी की चेतावनी और भारत का भविष्य : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत जी का हालिया बयान इस संदर्भ में बेहद प्रासंगिक है। उन्होंने युवा दंपतियों से तीन बच्चे पैदा करने का आठाह किया है। पहली दृष्टि में यह विचार हास्य या राजनीति से जुड़ा हुआ लग सकता है, लेकिन गहराई से देखने पर स्पष्ट होता है कि यह राष्ट्रहित और भारत के दीर्घकालिक भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। भारत की जनसांख्यिकी के आंकड़े बताते हैं कि देश का टोटल फर्टिलिटी रेट अब 1.9 तक गिर चुका है। जबकि रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 है- अर्थात जितने लोग प्राकृतिक कारणों से समाज से विदा होते हैं, उतने नए जन्म होने चाहिए। यदि लगातार गिरता रहा तो आने वाले दशकों में भारत में युवा कार्यबल की संख्या घट जाएगी और बुजुर्ग आबादी का दबाव बढ़ेगा।

भागवत जी की यह अपील केवल बयानबाजी नहीं है। यह एक गंभीर रणनीतिक सोच का हिस्सा है। यदि भारत को भविष्य में मजबूत राष्ट्र बने रहना है तो सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। केवल हम दो हमारे दो जैसी नीतियों से देश को नुकसान हुआ है। अब जरूरत है कि परिवारों को इंसेंटिव दिए जाएं- अच्छी और सस्ती शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग, बच्चों के पालन-पोषण में आर्थिक सहायता , तीन बच्चों वाले परिवारों के लिए विशेष योजनाएँ इन प्रोत्साहनों से ही लोगों में यह भावना विकसित होगी कि अधिक बच्चे पैदा करना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा है।

जनसंख्या और सामाजिक चुनौतियाँ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दिए गए जनसंख्या संतुलन संबंधी बयानों ने एक बहस को जन्म दिया है। प्रश्न उठता है कि आज लोग अधिक बच्चे क्यों नहीं पैदा कर रहे? इसके पीछे मुख्य कारण हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि आरक्षण के लाभ समाज के एक ही वर्ग तक सीमित रह गए हैं, जिससे समान अवसर का अधिकार प्रभावित हो रहा है। सामान्य वर्ग और अन्य वंचित तबकों में निराशा का भाव बढ़ा है, जिसके कारण भी लोग परिवार नियोजन की ओर झुक रहे हैं।

आरक्षण पर गहरी बहस की ज़रूरत : यह भी कहा जा रहा है कि आने वाले वर्षों में किसी भी सरकार की हिम्मत और ज़ुर्रत इतनी नहीं होगी कि वह आरक्षण नीति में बड़े बदलाव कर सके। अनुसूचित जाति और जनजाति में भी केवल कुछ वर्ग ही लगातार लाभान्वित हो रहे हैं। परिणामस्वरूप, एक बार एक व्यक्ति आरक्षण का लाभ लेकर नौकरी लगने के बाद भी बार-बार पदोन्नति और अवसर मिलने से और उनकी आने वाली पीढ़ियों तक यह लाभ उनको मिलता रहता है जबकि वास्तव में उन्हीं की जाति के पिछड़े वर्ग में बहुत से ऐसे परिवार हैं जिनको कभी भी सरकारी नौकरी नहीं मिली। इसलिए अन्य वर्ग के लोग अपने मूल अधिकारों से वंचित महसूस कर रहे हैं। यह विसंगति भी देश के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों,संविधान का उल्लंघन है और युवाओं में कभी भी इस बात को लेकर भी आक्रोश भड़क सकता है या बाकी लोग या विदेशी ताकतें उनको भडकाने की कोशिश भी कर सकते हैं तो सरकार को भी समय रहते इसमें बदलाव करना चाहिए और चौकस रहना चाहिए ।

इसके साथ ही सबसे बड़ा खतरा एट्रोसिटी एक्ट के दुरुपयोग से है। इसके दुष्परिणाम स्वरूप आज कोई भी व्यक्ति सच बोलने से डरता है। हिंदू समाज में भी दूरियाँ बढ़ गई हैं। हिंदुओं को भी अलग-अलग जातियों में बाँट दिया गया है और उनके ऊपर एट्रोसिटी एक्ट का डर लगाया गया है।

समाज और धर्म का जुड़ाव : जाति और धर्म को अलग-अलग देखने की प्रवृत्ति ने भी समाज में दूरी बढ़ाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि संतुलन और समानता बनाए रखने के लिए धर्म और सामाजिक नीतियों में सामंजस्य स्थापित करना आवश्यक है।

भारत की वर्तमान स्थिति : आज देश के 18 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहाँ ऊईं रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे है। दिल्ली में यह दर 1.2 तक सिमट चुकी है, जबकि बिहार जैसे राज्यों में यह 2.8 है। शहरी क्षेत्रों की स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों से कहीं अधिक चिंताजनक है। शहरों में ऊईं 1.6 तक गिर गया है, जबकि गांवों में यह अभी भी 2.1 के करीब है। यही ग्रामीण समाज आज भारत के जनसंख्या संतुलन को संभाले हुए है।

सामाजिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य

यह भी ध्यान देने योग्य है कि 1950 से 2015 के बीच हिंदू समाज की जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है, जबकि मुस्लिम समाज की दर अपेक्षाकृत अधिक रही है। इसके अलावा, कुछ राज्यों में अवैध घुसपैठ भी जनसांख्यिकीय असंतुलन का कारण बनी है। यह पहलू राजनीति से जुड़ा हुआ लग सकता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि किसी भी देश की स्थिरता उसके सामाजिक संतुलन पर टिकी होती है।

धर्मांतरण और अवैध घुसपैठ किसी भी देश का जातीय संतुलन बिगाड़ने के लिए पर्याप्त हैं। उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया कभी हिंदू राष्ट्र था, और लेबनान, जिसे मिडल ईस्ट का पेरिस कहा जाता था, आज वहाँ इस्लाम धर्म और आतंकवाद की जड़ें कितनी गहरी हैं, यह वर्तमान हालात देखकर समझा जा सकता है।

यदि भारत में इन दोनों मुद्दों- धर्मान्तरण और अवैध घुसपैठ-पर कठोर नियंत्रण और कार्रवाई नहीं होगी, तो देश का जातीय संतुलन बिगड़ना तय है। जब यह संतुलन जाति या धर्म के आधार पर प्रभावित होगा, तो राजनीतिक भूचाल अत्यंत गंभीर होगा और विदेशी ताकतें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत की सत्ता में दखल देने लगेंगी, जैसा कि हमने पहले अनुभव किया है और जिसके परिणाम आज हम भुगत रहे हैं।

आर्थिक और सामाजिक चुनौतियाँ

यदि जन्मदर घटती रही तो काम करने वाले हाथों की कमी के कारण भारत का डेमोग्राफिक डिविडेंड धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा। परिणामस्वरूप सामाजिक सुरक्षा, बुजुर्गों के पालन-पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर दबाव बढ़ेगा। छोटे परिवार रिश्तों की पारंपरिक संरचना को भी कमजोर करेंगे। चीन में चार-दो-एक मॉडल (चार दादा-दादी, दो माता-पिता और एक बच्चा) इसका स्पष्ट उदाहरण है।

समस्या केवल अस्पताल और रोजगार तक सीमित नहीं है। जब औसत आयु बढ़ रही है और परिवार छोटे होते जा रहे हैं, तो सामाजिक रिश्तों का स्वरूप भी बदल रहा है। एक पीढ़ी पहले तक दादा-दादी, चाचा-मामा, बुआ-फूफा परिवार का अभिन्न हिस्सा थे। लेकिन आने वाली पीढ़ी के लिए यह रिश्ते शायद केवल किताबों तक सीमित रह जाएँगे। नौकरी की कमी और छोटे परिवार मिलकर समाज की जड़ों को खोखला बना रहे हैं। आने वाला भारत केवल इंडिविजुअल्स का देश बन सकता है, जहाँ रिश्ते और सामाजिक ताना-बाना अतीत की कहानियाँ बन जाएँगे।

क्या रास्ता है आगे का?

1. पोस्ट-रिटायरमेंट पर नीतिः ज़रूरी है कि सेवानिवृत्त लोगों की नियुक्तियों पर सीमा तय हो। उन्हें सीधे कार्यकारी पदों पर दोबारा न रखा जाए।

2. मेंटॉर की भूमिका: वरिष्ठ नागरिकों को सलाहकार के रूप में काम करना चाहिए ताकि अनुभव भी बहे और युवाओं को भी पूरा अवसर मिले।

3. सुविधाएँ और ढाँचा: सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर वृद्ध स्वास्थ्य सेवाएँ, नर्सिंग स्टाफ और रहने की व्यवस्था अभी से तैयार करनी होगी।

4. रोज़गार संतुलन: संस्थानों में पहला अवसर युवा को सिद्धांत लागू होना चाहिए। इससे युवाओं में विश्वास जगेगा और नवाचार की राह खुलेगी।

5. जनसंख्या नीति का पुनर्मूल्यांकन: हम दो हमारे दो जैसे नारों से आगे बढ़कर अब ऐसे इंसेंटिव दिए जाएँ कि परिवार अधिक बच्चों के लिए प्रेरित हों।

निष्कर्ष: सम्मान की असली परिभाषा : वरिष्ठ नागरिक निस्संदेह देश की पूँजी हैं, लेकिन उनका असली सम्मान बार-बार एक ही कुर्सी पर बैठाकर नहीं बल्कि समाज को मार्गदर्शन देकर होता है। अगर रिटायर लोग अपनी जगह युवाओं को दें और खुद मेंटॉर बनकर दिशा दिखाएँ, तो यही उनकी अगली पीढ़ी के प्रति सबसे बड़ी सेवा होगी। भारत का भविष्य युवाओं के कंधों पर है। यदि हम उन्हें स्थान और अवसर नहीं देंगे तो यह नवयुवकों का देश केवल एक नारा रह जाएगा, हकीकत नहीं।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रेवार 7 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 12:33 तक, परिघ योग रात्रि 10:27 तक, गर करण दिन 11:06 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 12:33 तक है। भद्रा रात्रि 9:19 से आरम्भ होगी। आज रोहिणी व्रत (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:06 तक, लाभ-अमृत 8:06 से 10:49 तक, शुभ 12:10 से 1:32 तक, चर 4:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:44, सूर्यास्त 5:36 तक

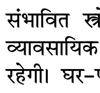

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

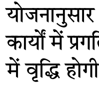

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

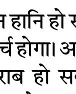

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

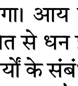

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

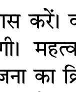

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

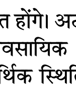

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

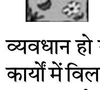

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

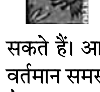

वृश्चिक
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

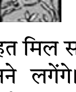

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

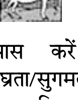

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

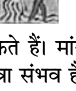

कुंभ
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मांगलिक कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

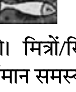

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सड़क सुरक्षा नियमों की धज्जियां उडाने वाले 2743 चालकों के खिलाफ कार्रवाई

परिवहन विभाग ने प्रदेशभर में 2758 वाहनों के चालान भी काटे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेशभर में सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर सरकार सख्ती बरत रही है। 4 से 18 नवंबर तक चलने वाले सड़क सुरक्षा अभियान में ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। अब तक सड़क सुरक्षा नियमों की धज्जियां उडाने वाले 2743 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही 2758 वाहनों का चालान भी काटा गया है। परिवहन विभाग ने 15 हजार से अधिक लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात के नियमों की पालना के लिए जागरूक भी किया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, यातायात डॉ. बी. एल. मीना ने बताया कि अभियान के पहले दिन शराब पीकर वाहन चलाने पर 307, तेज गति से वाहन चलाने पर 2743, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 753, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 178, बिना रिफ्लेक्टर वाहन चलाने पर 149, बिना नम्बर प्लेट वाहन चलाने पर 529 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर को 15 हजार 618 सड़क उपयोगकर्ताओं को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस विभाग के लगभग 4500 कार्मिक मौके पर तैनात रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेशभर में पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा यातायात नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई।

- 15 हजार लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों को लेकर जागरूक किया
- प्रदेशभर में 4500 से ज्यादा पुलिस के जवान सड़कों पर तैनात

डॉ. मीना ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों पर एनएच-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम को लागू करने की दिशा में 135 पुलिस जाप्तों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। वहीं, 143 पुलिस जाप्ते लेन ड्राइविंग के नियमों को सुनिश्चित करने के लिए तैनात किए गए। इस दौरान नियमों की अवहेलना करने पर 49 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्रवाई भी की गई।

इसी तरह परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने अभियान के पहले व दूसरे दिन (4 व 5 नवंबर) कार्रवाई करते हुए प्रदेश में नियमों का उल्लंघन करने पर 2758 वाहनों के चालान किए। इस दौरान मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग के 193, इन वाहनों में यात्री पाए जाने पर 85 तथा अन्य नियमों के उल्लंघन करने पर 1819 मालवाहक वाहनों के चालान कर कार्रवाई की गई। यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री पाए जाने पर 42, छत पर सामान रख संचालन करने पर 6 बसों तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 181 यात्री वाहनों का चालान किया। अभियान के दौरान परिवहन विभाग द्वारा 83 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए, 7 वाहनों का परमिट भी कैंसिल किया गया तथा 116 वाहनों को सीज किया गया है। इस दौरान अन्य प्रकरणों में भी विभाग द्वारा चालान किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान का उद्देश्य राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं मृत्यु दर घटाना, यातायात नियमों के पालन को सख्ती से लागू करना, सड़क अधोसंरचना एवं आपातकालीन सहायता प्रणाली को सुदृढ़ करना, सड़क उपयोगकर्ताओं में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना है।

2047 के विजन की बात लेकिन स्कूलों के लिए कल की प्लानिंग भी नहीं : हाईकोर्ट

अदालत ने कहा कि "चुनावी वादों की तरह नहीं धरातल पर काम करें"

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में सरकारी स्कूलों की बिल्डिंग मरम्मत को लेकर राज्य सरकार की ओर से पेश रोडमैप को शिक्षा सचिव के शपथ पत्र के साथ पेश करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने रोडमैप को अधूरा बताते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई।

अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार साल 2047 के विजन की बात करती है, लेकिन स्कूलों को लेकर कल की प्लानिंग ही नहीं है। इसके साथ अदालत ने मामले में राज्य सरकार को 24 नवंबर को अलग-अलग मद में बजट की जानकारी देने को कहा है। अदालत ने कहा कि स्कूल भवनों का इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कूल सेफ्टी नियमों के प्रावधानों के अनुसार होना चाहिए।

जस्टिस महेंद्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से बच्चों की मौत के बाद लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश की स्कूलों में करीब 86 हजार कमरे क्षितग्रस्त बताए जा रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार की ओर से यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है कि इन सभी कमरों को ठीक कैसे किया जाएगा। इसके अलावा निर्माणाधीन बिल्डिंग और मरम्मत का बजट भी अलग-अलग नहीं बताया गया है। अदालत ने कहा कि चुनावी वादों की तरह नहीं, धरातल पर काम किया जाना चाहिए। बजट में स्कूल और कॉलेज खोलने की घोषणाएं होती हैं, लेकिन इन्हें वहां खोला जाए, जहां इनकी वास्तव में जरूरत हो। अदालत ने कहा कि एनसीपीसीआर की 2021 की गाइड लाइन और सुप्रीम कोर्ट की ओर से अविनाश भारद्वाज के मामले में दिए आदेश के अनुसार मरम्मत का काम किया जाए।

राष्ट्रगीत "वंदेमातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने की पूर्व संध्या पर गुरूवार को जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति पर मशाल जुलूस निकाला गया। इस मौके पर सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेन्द्र सैनी और जयपुर ग्रेटर नगर निगम के उपमहापौर पुनीत कर्णावट समेत कई लोग मौजूद थे।

नेशनल व स्टेट हाइवे सहित सर्विस लाइन से अतिक्रमण हटाएं, सीधी खुलने वाली दुकानें और अवैध कट बंद करें : हाईकोर्ट

उच्च न्यायालय ने प्रदेश में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर सख्ती बरतने के आदेश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में लगातार हो रही सडक दुर्घटनाओं पर सख्ती बरतते हुए नेशनल व स्टेट हाइवे सहित इनकी सर्विस लाइन से सभी अतिक्रमणों को हटाने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने कहा कि हाईवे पर जहां सर्विस या स्लिप लेन नहीं है, वहां इनका निर्माण किया जाए। अदालत ने कहा कि हाईवे पर जो भी वाहन आए वह सीधे ही उसमें नहीं मिले, बल्कि स्लिप या सर्विस लेन के जरिए आए।

वहीं हाइवे पर सीधे तौर पर खुलने वाली दुकानों को बंद करने और इनका गेट हाइवे की बजाय दूसरी ओर करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा केन्द्र व राज्य सरकार से हाईवे पर वाहनों के लेन सिस्टम व डीजीपी से पेट्रोलिंग करवाए जाने के संबंध में आगामी सुनवाई पर रोडमैप और रोड सेफ्टी एक्शन प्लान पेश करने के लिए कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस जीएस संधू की खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश गुरुवार को अधिवक्ता राजेन्द्र शर्मा की पत्र याचिका पर जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि नेशनल व स्टेट हाइवे पर जल्द ही पेट्रोलिंग सिस्टम लागू किया जाए। खंडपीठ ने कहा कि हाइवे पर सीधे ही दुकानें खुलने से उनके सामने वाहन खडे हो जाते हैं। ऐसा ही हाल हाइवे की सर्विस लाइनों का भी है और वहां भी दो पहिया सहित अन्य वाहन खडे रहते हैं।

ऐसे में इन दुकानों का गेट हाइवे की बजाय दूसरी ओर खोला जाए ताकि वाहनों की पार्किंग से यातायात बाधित नहीं हो। वहीं हाइवे के अवैध कट भी बंद किए जाए। अदालत ने सिटी रोड पर भारी वाहन आने पर भी सवाल उठाया। अतिक्रमण हटाने में जरूरत हो तो फोर्स की मदद ली जाए। सुनवाई के दौरान एएसजी भरत व्यास ने कहा कि मामले मे साल 2010 के रूल्स की क्रियांविति कराई जाएगी। वहीं महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार भी सड़क हादसों को रोकने का प्रयास कर रही है और सीएम के स्तर पर भी तत्काल कार्रवाई की है। अदालत ने केन्द्र व राज्य सरकार का पक्ष जानने के बाद सीएम के प्रयासों की सराहना की।

"डोटासरा अंता उपचुनाव में भी थारा मोरिया बोलसी"

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा सदैव अनर्गल बयानबाजी करते है। उन्होंने कहा कि डोटासरा को याद रखना चाहिए कि कांग्रेस की सरकार में 5 साल तक अशोक गहलोत की कुर्सी बचाने के लिए गुटबाजी चली और यह आज तक चल रही है। कांग्रेस अलग-अलग गुटों डोटासरा कांग्रेस, गहलोत कांग्रेस, पायलट कांग्रेस, टीकाराम जूली कांग्रेस में बटी हुई है।

गोदारा ने कहा कि अंता में भारतीय जनता पार्टी का आज रोड शो हुआ। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पार्टी का यह ऐतिहासिक रोड शो था। जो भारतीय जनता पार्टी की अंता उपचुनाव में भारी मतों से जीत का संकेत है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के उपचुनाव की तरह ही भारतीय जनता पार्टी अंता उपचुनाव भी जीतेंगी। डोटासरा, लोगा का मोरिया बुलावता, पिछला उप चुनाव में थारा मोरिया बोल्या। अब की अंता में भी थारा मोरिया बोलसी।

'ओ.बी.सी. आरक्षण कम करने की साजिश'

जयपुर। ऑल इंडिया कांग्रेस ओ.बी.सी. विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक एवं स्टेट ओबीसी एडवाईजरी काउंसिल के सदस्य राजेन्द्र सैन ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार, पंचायत तथा नगर निकाय चुनावों से पूर्व ओबीसी आरक्षण सर्वे के नाम पर ओबीसी आरक्षण को कम करने की साजिश रच रही है। सैन ने आरोप लगाया कि ओबीसी आरक्षण सर्वे में परिवार का राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी बताने की क्या आवश्यकता है। प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव में अब आयोग ओबीसी परिवारों का सर्वे में परिवार के मुखिया और सदस्यों का नाम, उम्र जेंडर, शैक्षिणक योग्यताएं, परिवार की आजीविका के साधन, जन आधार, बीपीएल श्रेणी, खाद्य सुरक्षा लाभार्थी के अलावा परिवार में राजनीतिक प्रतिनिधित्व का कॉलम भी भरना होगा। आबादी के आंकड़ों के आधार पर ओबीसी आरक्षण दिया जाना चाहिए, परंतु ओबीसी आरक्षण आंकड़े आने से पूर्व ही सरकार राजनीतिक तौर पर ओबीसी आरक्षण देने की अधिकतम सीमा 21 प्रतिशत देने की घोषणा कर दी। सैन ने कहा कि प्रदेश में ओबीसी जनसंख्या लगभग 55 से 60 प्रतिशत है तो आरक्षण कम क्यों? सैन ने कहा कि ओबीसी आरक्षण आबादी के आधार पर मिलना चाहिए। पूर्व में ही जब 21 प्रतिशत आरक्षण मिला था तो ओबीसी जनसंख्या सर्वे के नाम पर करोड़ों रु. खर्च करने से क्या फायदा है।

50 स्थानों से हटाए अस्थाई अतिक्रमण

जयपुर। नगर निगम जयपुर हैरिटेज ने परकोटे क्षेत्र में गुरुवार को अस्थाई अतिक्रमणों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। सतर्कता शाखा ने उपायुक्त पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में अभियान चलाते हुए 50 स्थानों से अतिक्रमण हटाए और 8 ट्रक सामान जब्त किया। कार्रवाई के दौरान निगम टीम ने 22 हजार 400 रुपए कैरिंग चार्ज भी वसूल किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उदयपुर व गुजरात जाएंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को एक दिवसीय यात्रा के तहत उदयपुर और गुजरात दौरे पर रहेंगे।

मुख्यमंत्री इस दौरान भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत चल रहे आयोजनों की उदयपुर में समीक्षा करेंगे। साथ ही, 150वीं जयंती से संबंधित प्रस्तावित विशेष समारोह की तैयारियों को लेकर भी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

इसके पश्चात शर्मा गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थल पर राष्ट्रीय एकता दिवस एवं भारत पर्व 2025 को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे।

आरपीएससी के तत्कालीन चेयरमैन श्रोत्रिय की अपील पर सरकार व आरपीएससी को नोटिस

859 पदों की "सब इंस्पेक्टर भर्ती: 2021 पेपर लीक" मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 859 पदों की एसआई भर्ती: 2021 पेपर लीक मामले में आरपीएससी के तत्कालीन चेयरमैन संजय श्रोत्रिय की अपील पर राज्य सरकार, आरपीएससी व मूल याचिकाकर्ता कैलाश चन्द्र शर्मा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

वहीं मामले को चयनित अभ्यर्थी विक्रम सिंह की अपील के साथ संलग्न करते हुए 24 नवंबर को इसकी सुनवाई तय की है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश तत्कालीन आरपीएससी चेयरमैन संजय श्रोत्रिय की अपील पर गुरुवार को दिया। इस अपील में एकलपीठ के 28 अगस्त वाले आदेश को चुनौती दी है।

अपील में कहा कि एकलपीठ ने उनका पक्ष जाने बिना ही उनके खिलाफ तल्ख टिप्पणियां की और उनकी भूमिका पर सवाल उठाए हैं। प्रार्थियों ने उन्हें याचिका में पक्षकार नहीं बनाया है, एसओजी ने भी चार्जशीट में उनके खिलाफ आरोप प्रमाणित नहीं पाए हैं। उनके खिलाफ चार्जशीट पेश नहीं की है और एकलपीठ ने बिना कोई ठोस सबूत व उन्हें सुने बिना आदेश दिया और टिप्पणी की। ऐसा करना संविधान के प्रावधानों के खिलाफ व प्राकृतिक न्याय के सिद्दांतों का उल्लंघन है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की एसएलपी पर 24 सितंबर के आदेश से हाईकोर्ट की खंडपीठ के 8 सितंबर के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी थी जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग कराने की छूट दी थी। साथ ही खंडपीठ को कहा था कि वह मामले में दायर अपीलों का निपटारा तीन महीने में करे।

जनता को सही सूचना, समय पर और सरल भाषा में मिले : सुधांश पंत

मुख्य सचिव ने जनसम्पर्क सेवा के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंस

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के आधारभूत ढांचे के विकास और आमजन के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रही है। ऐसे में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के लिए राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने जनसंपर्क सेवा के अधिकारियों को संबंधित जिलों और विभागों में ऑनरशिप लेकर प्रोएक्टिव और अग्रेसिव एप्रोच के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने खबरों में कंटेंट को महत्व देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर कंटेंट में ह्यूमन एंगल होगा तो वह लोगों को पसंद आएगा। उन्होंने जनसम्पर्क सेवा के अधिकारियों को नैरेटिव निर्माण और इमेज बिल्डिंग के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव पंत गुरुवार को शासन सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के तहत सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क सेवा के अधिकारियों पर कार्यक्रमों व गतिविधियों के कवरेज के साथ-साथ जनता में विश्वास और विश्वसनीयता का संचार करने का महती दायित्व है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारियों के साथ बैठक की। इस मौके पर आयुक्त एवं शासन सचिव संदेश नायक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

- मुख्य सचिव ने जनसंपर्क अधिकारियों को ऑनरशिप के साथ कार्य का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए
- सुधांश पंत ने कहा कि "सूचना एवं जनसंपर्क विभाग है राज्य सरकार की आंख, नाक और कान है।"

सलाहकार की भूमिका निभाएं पी.आर.ओ.

मुख्य सचिव ने कहा कि अधिकारी कार्य के दायरे को बढ़ाते हुए अपने विभागों और जिलों में सचिव, कलक्टर एवं मंत्रीगण के सलाहकार की भूमिका अपनाते हुए प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करें। उन्होंने गलत खबरों को वेरीफाई कर समयबद्ध तरीके से उनके फैक्ट चैक, खंडन, तथ्यात्मक रिपोर्ट जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने फैक्ट चैक और खंडन जैसी कार्यवाही से सभी प्रकार के मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित गलत खबरों के संदर्भ में वास्तविक और तथ्यात्मक स्थिति पर आधारित समाचार तैयार कर आमजन तक सही-सही जानकारी प्रसारित करने पर भी बल दिया। साथ ही मीडिया स्ट्रेटेजी बनाकर प्रचार-प्रसार के कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

सोशल मीडिया हैंडल्स की रीच बढ़ाएं

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के युग में जनसंपर्क अधिकारी का रोल और अधिक अहम और उनकी जवाबदेही 247 हो जाती है। अतः गलत एवं भ्रामक खबरों को रोकने के लिए ये आवश्यक है कि आमजन तक भ्रामक और तथ्यहीन खबरों की सही जानकारी समयबद्ध रूप से पहुंचे।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की रीच बढ़ाने के लिए टारगेटेड एप्रोच के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खबरों में कंटेंट को प्रभावी बनाने के लिए तथ्यों, विकास कार्यों और उपलब्धियों की गत वर्षों से तुलना कर खबर को तुलनात्मक एवं सकारात्मक संदर्भ रूप में जारी करें।

उन्होंने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को राज्य सरकार की आंख, नाक, कान बताते हुए भ्रामक एवं तथ्यहीन नकारात्मक खबरों पर संबंधित विभाग का पक्ष पूरी बेबाकी से रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को फोटो, वीडियो, उपलब्धियों और सफलता की कहानियों का निरंतर संकलन कर कंटेंट बैंक तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे महत्वपूर्ण अवसरों पर विशेष कंटेंट निर्माण में उनका उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के विज्ञापनों में प्रभावी कंटेंट का समावेश कर उन्हें और अधिक सारगर्भित बनाएं।

इससे पहले सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त एवं शासन सचिव संदेश नायक ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के प्रचार-प्रसार कार्यों एवं गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

बैठक में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. गोरधन लाल शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (पुलिस मुख्यालय) डॉ. कमलेश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (सूजस) नर्बदा इंदोरिया, संयुक्त निदेशक मनमोहन हर्ष, जसराम मीणा, रजनीश शर्मा, उपनिदेशक तरूण जैन, ओटाराम चौधरी, अजय कुमार, विजय खंडेलवाल, मुख्य फोटो अधिकारी छोटूलाल जीनगर एवं सहायक निदेशक आशीष कुमार जैन उपस्थित रहे।

बैठक में प्रदेश के समस्त जिला जनसंपर्क कार्यालयों के जनसम्पर्क सेवा के अधिकारी एवं विभागों में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत जनसम्पर्क सेवा के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
राजस्थान सरकार का उपक्रम
RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक क्षेत्रों में संस्थानिक/ वाणिज्यिक/ ग्रुप हाउसिंग एवं गैर औद्योगिक भूखण्डों का
सरल ई-नीलामी के माध्यम से
आवंटन
अन्तिम 4 दिन शेष

कुल भूखण्ड	अस्पताल/ नर्सिंग होम/ डिस्पेंसरी	व्यावसायिक भूखण्ड	आवासीय/ ग्रुप हाउसिंग	वे ब्रिज
358	15	99	61	07

दुकानें	होटल	पेट्रोल पम्प/ CNG स्टेशन	स्कूल	संस्थानिक
126	13	10	08	12

ईएमडी अंतिम तिथि: 10 नवम्बर, 2025 (सायं 06:00 बजे)
ऑनलाईन बिड प्रारम्भ तिथि: 11 नवम्बर, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 13 नवम्बर, 2025 (सायं 05:00 बजे)

17 आबू रोड़	07 चूरू	01 नागौर	13 उदयपुर
14 अजमेर	16 बीकानेर	02 पाली	22 जयपुर (उत्तर)
10 अलवर	09 झुंझुनू	19 झालावाड़	04 जयपुर (दक्षिण)
15 भिवाड़ी-I	11 भरतपुर	02 मंडोर	08 जयपुर (ग्रामीण)
25 भिवाड़ी-II	03 बांसवाड़ा	08 राजसमंद	01 ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
16 घिलोठ	30 भीलवाड़ा	12 कोटा	09 जोधपुर
04 दौसा	22 नीमराना	02 सीकर	06 श्रीगंगानगर
20 किशनगढ़		12 बोरानाडा	18 सवाईमाधोपुर

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें
राज.संवाद/सी/25/13268

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएप: +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in
आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

प्रदेश में हुये अगल-अलग सड़क हादसों में मां-बेटों समेत सात जनों की मौत

अलवर में निजी स्कूलों की दो बसों ने मां-बेटे समेत तीन को कुचला, भीलवाड़ा में सड़क दुर्घटना में दंपती की मौत, सादुलपुर में हुये सड़क हादसे में भी मां-बेटे की मौत हो गई

अलवर : निजी स्कूलों की दो बसों ने मां-बेटे सहित तीन की जान ली

अलवर, (निसं)। अलवर में निजी स्कूलों की बसों के लापवाह वाहन चालकों ने तीन लोगों को कुचल कर मौत की घाट उतार दिया। अलवर में 40 बच्चों से भरी स्कूल बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई। मां-बेटे दवा लेने जा रहे थे। हादसा रामगढ़ में गोविंदगढ़ रोड पर गुरुवार सुबह 8.30 बजे हुआ।

- **40 बच्चों से भरी स्कूल बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी, हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई**
- **मां-बेटे दवा लेने जा रहे थे, रामगढ़ में गोविंदगढ़ रोड पर हुआ हादसा**
- **अलवर शहर में सेंट एंसलम स्कूल की बस ने रोड पार कर रहे युवक को कुचल दिया**

थानाधिकारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि हादसे में ललावंडी निवासी इंद्रजीत सिंह (28) और उसकी मां मंगली देवी (50) की मौत हुई है। इंद्रजीत मां को स्कूटी से दवा दिलाने रामगढ़ जा रहा था। आरबीएस पब्लिक स्कूल की बस ने स्कूटी को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मां और बेटा बस के नीचे आ गए। ड्राइवर फिर भी बस को दौड़ाता रहा और 50 मीटर तक घसीटते ले गया और बस लेकर फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मां-बेटे को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

हादसे के बाद बस ने कार को टक्कर मार दी, उसके बाद वह डिवाइडर कूदकर दूसरी तरफ बिजली के खंभे से जा टकराई।

लोगों का आरोप है कि निजी स्कूलों की बसें अक्सर तेज रफ्तार से चलती है और उनमें क्षमता से ज्यादा बच्चे भरे होते हैं। उन्होंने प्रशासन से ऐसे स्कूलों और लापरवाह ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं अलवर शहर में सेंट एंसलम स्कूल की बस ने एक 22 साल के युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वह रोड पार कर रहा था। घटना मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे खुदनपुरी मोड़ के पास की है। जानकारी के अनुसार युवक को कुचलने के बाद बस ने एक कार को टक्कर मार दी, उसके बाद वह डिवाइडर कूदकर दूसरी तरफ बिजली के खंभे से जा टकराई, फिर बस रूकी। बस में स्कूल के दो बच्चे भी थे, गनीमत रही कि बिजली खंभे का तार नहीं टूटा, यदि तार टूटकर बस पर गिर जाता तो करंट दौड़ने से बच्चों की जान जा सकती थी। युवक के एक्सीडेंट का पता चलते ही उनके परिजन वहां पहुंचकर उसे जिला हॉस्पिटल ले गए, लेकिन उसने रात करीब ढाई बजे हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। वह गरीब परिवार से था।

कार ने बाइक को टक्कर मारी, मां-बेटे की मौत

सादुलपुर, (निसं)। मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपनी रिश्तेदारी खापडवास से अपने गांव भोजाण आ रहे मां-बेटे की मोटरसाइकिल को स्वीफ्ट कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गंभीर घायल मां-बेटे की उपचार के दौरान मौत हो गई।

गांव भोजाण निवासी मां व बेटा अपनी रिश्तेदारी हरियाणा के खापडवास गांव से राजगढ़ तहसील में स्थित अपने गांव भोजाण आ रहे थे। जैसे ही वे बहल थाने के गांव बिधनोई व लूणासर के बीच पहुंचे तभी एक स्वीफ्ट कार चालक ने तेजगति व लापरवाही से कार को चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना में गंभीर घायल भोजाण निवासी महिला कमला देवी (55) पत्नी स्व. मांगेराम मेघवाल व उसका बेटा मुकेश कुमार (29) को राजगढ़ के अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां महिला कमला देवी की बीती रात्रि को उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि राजगढ़ से हिसार रैफर किये गये उसके बेटे मुकेश कुमार की सरपा अस्पताल में मौत हो गई।

मृतक दम्पती का फाइल फोटो।

खाटूश्यामजी से लौट रहे दम्पती की सड़क हादसे में मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शंभूगढ़ थाना अंतर्गत दुल्हेपुरा चौराहे पर सड़क दुर्घटना में दंपती की मौत हो गई। वहीं हादसे में चार जने घायल हो गये। शवों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा गया। वहीं चार घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

- **सड़क हादसे में चार जने घायल, प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दी**
- **नीलगाय सामने आने से गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई थी**

दंपती मृतक के पुत्र राकेश ने रिपोर्ट देकर बताया कि परिवारजन खाटू श्याम के दर्शन करने गए थे जो गुरुवार को अपनी गाड़ी वापस अपने गांव डोडखेड़ा चिलेश्वर पंचायत मुख्यालय करेड़ा लौट रहे थे। गुरुवार सुबह बालापुरा दुल्हेपुरा गांव के मध्य भीम गुलाबपुरा मार्ग नेशनल हाइवे 148 डी मार्ग पर अचानक सामने से नीलगाय सामने आ गई, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। गाड़ी स्वयं मेरे पिताजी शांतिलालजी लोहार चल रहे थे। पुष्पा देवी शांतिलाल लोहार निवासी डोडखेड़ा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राकेश पत्नी सीमा देवी पुत्र अंजुल अभिषेक घायल हो गए। घायल को आसींद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।। जहां पर उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं मृतक दंपती पुष्पा देवी पत्नी शांतिलाल लोहार का पोस्टमार्टम करवाया गया एवं शव परिजनों को सौंपा गया। शंभूगढ़ थाना मुख्यालय से एसएचओ मोतीराम रायका भी मौके पर पहुंचे जांच कार्रवाई आरंभ की। घटना से गांव में कोहराम छा गया। इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटना घटित हो रही है।

रूस में अलवर के एमबीबीएस छात्र की लाश मिली

अलवर, (निसं)। रूस में 19 दिन से लापता अलवर के एमबीबीएस छात्र अजीत चौधरी (22) का शव व्हाइट रिवर से लगते बांध में मिला है। गुरुवार दोपहर रूस से अलवर के लक्ष्मणगढ़ के कफनवाड़ा गांव में रहने वाले अजीत चौधरी के परिवार को सूचना मिली है। रूस में यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले अजीत के साथियों ने शव की पुष्टि कर दी है।

जानकारी के अनुसार अजीत चौधरी पुत्र रूप सिंह चौधरी रूस के ऊफा शहर में बश्किर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा था। वह थर्ड ईयर का स्टूडेंट था। कॉलेज कैंपस से कुछ ही किलोमीटर दूरी पर नदी बहती है। इसमें अक्टूबर के महीने में पानी भी उफान पर था। 19 अक्टूबर को अजीत लापता हो गया था और 20 अक्टूबर को रूस में नदी के किनारे उसके कपड़े मिले थे। उसके आधार पर माना जा रहा था कि नदी में बह गया। तब से लगातार सर्च किया जा रहा था, लेकिन उसकी जानकारी नहीं मिल रही थी। पूरा परिवार बेटे के लौटने की उम्मीद में था, लेकिन अब उसका शव मिलने की सूचना मिली है।

मृतक छात्र का फाइल फोटो।

कुछ दिन पहले ही अलवर सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सांगवान के नेतृत्व में छात्र के परिजन दिल्ली में विदेश मंत्रालय पहुंचे थे और विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह से मिले थे। इसके बाद राज्य मंत्री ने रूस दूतावास में अधिकारियों से बात की थी। उसके बाद भी कोई सुराग नहीं मिला था। अब शव मिलने के बाद परिजनों को सूचना भेजी है। इसके बाद परिवार की उम्मीदें पूरी तरह टूट गई है।

अलवर सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सांगवान ने बताया कि दूतावास के जरिए सूचना मिली कि छात्र अजीत चौधरी का शव मिल गया है। शव की पहचान यूनिवर्सिटी के छात्रों ने की है। अब शव को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उससे पहले मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। शव को भारत आने में 2 दिन का समय लग सकता है। अजीत चौधरी रूस से एमबीबीएस कर रहा था। उसका दूसरा भाई कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहा है। परिवार के पास 20 बीघा जमीन है। इसमें से 3 बीघा जमीन बेचकर अजीत को पढ़ने भेजा था।

- **19 दिनों से लापता था छात्र, छात्र का शव व्हाइट रिवर से लगते बांध में मिला**
- **शव की पहचान यूनिवर्सिटी के छात्रों ने की, अब शव को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू की**

हथकढ़ शराब प्रकरण में महिला गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र में आबकारी विभाग की टीम ने करीब तीन माह से हथकढ़ शराब प्रकरण में फरार चल रही महिला को गिरफ्तार किया है।

आबकारी निरोधक दल के प्रहराधिकारी धोलाराम बिश्नोई के नेतृत्व में टीम ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर तुरंत दबिश देकर आरोपी महिला को गिरफ्तार किया और उसे थाने लाया गया। दबिश के दौरान भी आरोपी महिला के घर पर हथकढ़ शराब होने के सबूत मिले हैं। दबिश के डर से महिला ने भागने का प्रयास भी किया, जिसे प्रहराधिकारी की टीम ने भाग कर पकड़ा, लेकिन इस भागदौड़ के बीच घर में मौजूद शराब को नाली के बहा दिया गया, जिसके पुख्ता सबूत भी आबकारी पुलिस को मिले हैं। महिला आरोपी करीब 3 महीने से फरार थी और विभिन्न ठिकानों पर छुपाकर फरारी काट रही थी। स्थानीय लोगों और गुप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने उसे ढूंढने में सफलता हासिल की। आरोपी महिला पर हथकढ़ शराब से जुड़े कई गंभीर आरोप है, जिनके चलते उसे पकड़ गया है।

मामूली विवाद में चाकू से हमला किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में अब चाकूबाजी आम बात होने लगी है। पुलिस का कोई खौफ ही नहीं रह गया है। कोई भी मामूली विवाद में चाकू से हमला करने में नहीं चूक रहा है। ताजा मामला मारुति नगर में सामने आया। यहां एक व्यक्ति घर के बाहर बैठा हुआ था तभी दो युवक आए और कहासुनी के बाद चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि मारूति नगर में दो नाबालिग बच्चों के बीच विवाद हुआ था। इसके चलते दो युवक समीर पिता राजू पठान के मकान पर आए। इस दौरान समीर पठान बाहर ही बैठा हुआ था। युवकों ने पहले समीर के साथ गाली-गलौच की और फिर उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार करके फरार हो गए। चाकूबाजी की घटना के बाद समीर की चीख सुनकर उसके परिजन मौके पर आए और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। वीहं घटना की सूचना पर सुभाष नगर थाना पुलिस पहुंची और आगे की कार्रवाई कर रही है।

कृषि मंत्री ने नापासर गांव में फैक्टरी पर छापा मारा

फैक्टरी में डेढ़ लाख लीटर इंडस्ट्रियल ऑयल पकड़ा, पलंग के नीचे 15 लाख रुपए मिले

बीकानेर, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बुधवार देर रात बीकानेर के नापासर गांव में एक फैक्टरी में छापेमारी करते हुए करीब डेढ़ लाख लीटर इंडस्ट्रियल ऑयल बरामद किया है। इस दौरान फैक्टरी में एक पलंग के नीचे बॉक्स में 15 लाख रुपए भी बरामद किए। नापासर पहुंचने से पहले मंत्री मीणा ने संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा को अधिकारियों की एक टीम नापासर भेजने के आदेश दिए थे।

मंत्री मीणा को नापासर में बड़े पैमाने पर नकली बॉयो डीजल का स्टोरेज होने की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर उन्होंने खुद पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया। यहां उन्होंने पेट्रोलियम प्रोडेक्ट बनाने वाली एक फैक्टरी पर छापा मारा। फैक्टरी में बड़े-बड़े कंटेनरों में इंडस्ट्रियल ऑयल भरा हुआ था। ये केमिकल सूरत से लुधियाना और दिल्ली भेजा जाता है, जिसका ई-वे बिल भी बनता था। टैंकर नापासर में खाली हो जाता था। वहां कई ई-वे बिल मिले हैं, जो सूरत-अहमदाबाद से लुधियाना और दिल्ली जैसे शहरों के थे। इस दौरान किरोड़ी के सामने फैक्टरी संचालकों ने अपनी सफाई दी, लेकिन कार्रवाई को नहीं रोका गया।

फैक्टरी मालिक केशव विजय का कहना है कि इंडस्ट्रियल यूज के लिए केमिकल बनाते हैं। इसका भुजिया फैक्ट्रियों में उपयोग किया जाता है। बीकानेर में ये अकेली फैक्टरी नहीं है, जहां ऐसा तेल बनता है। कई और फैक्ट्रियों में भी केमिकल बनता है।

गौरतलब है कि किरोड़ीलाल मीणा भारतमाला एक्सप्रेस वे से जोधपुर से बीकानेर आ रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक ट्रक में पिकअप से डीजल भरते देखा। आगे जाकर देखा तो एक और वाहन को डीजल भरा जा रहा था। तीसरा वाहन भी इसी तरह भारतमाला एक्सप्रेस वे पर डीजल भरा रहा था तो किरोड़ीलाल ने अपने ड्राइवर को गाड़ी रोकने के लिए कहा। स्वयं वहां पहुंचे और पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने काफी कुछ जानकारी मंत्री को दी। उसने बताया कि नापासर थाने को हर हफ्ते 15 हजार रुपए देता है। इसलिए कोई रोकता नहीं है। वो नापासर से ही ये डीजल लेकर आता है। उसने कांटे की रसीद भी दिखाई। ये ही ड्राइवर मंत्री को लेकर नापासर की इस फैक्टरी पर पहुंचा, जहां छापेमारी को अंजाम दिया गया है। फैक्टरी मालिक सूरत से ये ऑयल महज 45 रुपए प्रति लीटर में खरीदते हैं और 72 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से पिकअप वालों को देते हैं। पिकअप वाले इसमें 3 रुपए प्रति लीटर का फायदा जोड़कर 75 रुपए प्रति लीटर में ट्रक ड्राइवरों को देते हैं।

- **फैक्टरी में बड़े-बड़े कंटेनरों में इंडस्ट्रियल ऑयल भरा हुआ था, ये केमिकल सूरत से लुधियाना और दिल्ली भेजा जाता है, जिसका ई-वे बिल भी बनता था**

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN
File No. 2233.46 Date:-29/10/2025
Notice Inviting Bid
Bid (E-NIT No. 08/2025-26) for "Building Repair & Maintenance Work" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 13.11.2025. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 59.16 lacs.
NIB NO. PWD2526A4090
UBN NO (1) PWD2526 WSOB15886, (2) PWD2526WSOB15887
(Lalit Kumar Meena) Executive Engineer PWD Division Hindaun
DIPR/C/16153/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उदयपुर (राजस्थान)
पताः- मकान न0-16 ब्लॉक सी हिरणमगरी सवीना सेक्टर-9 क्रिस्टल प्लाजा के पास उदयपुर
(email-eemhudaipur@gmail.com, ee-mh-udaipur.gov.in)
क्रमांक-चि.एवं.स्वा./उदयपुर/2025-26/1098 दिनांक-30/10/25
ई-निविदा सूचना संख्याः 14/2025-26 MHS2526A3251
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के उदयपुर, सलुम्बर एवं सिरोही जिले में निर्माण कार्य मय पांच साल की दोष निवारण अवधि (जहाँ लागु हो) के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए.. ए., बी, सी एवं डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा को दिनांक 20.11.2025 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व SPPP.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO.- 1. MHS2526WSOB04714, 2. MHS2526WSOB04715
अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य उदयपुर
DIPR/C/16189/2025

कार्यालय नगर निगम, जयपुर हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पीछे, जयपुर)
क्रमांक :- अधि.अभि.हवा.म0आ.जोन/हैरि ननिज/2025-26/583 दिनांक :- 04/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 124 से 130/2025-26
नगर निगम जयपुर हैरिटेज के विभिन्न कार्यो हेतु पंजीकृत फर्म से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.jaipurmcheritage.org** व राजस्थान सरकार के पोर्टल **http://sppp.rajasthan.gov.in** के UBN No. : JMC2526WSOB01921, TO JMC2526WSOB01927 पर देखी व ड़ाउनलोड़ की जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/13292 आयुक्त, नगर निगम जयपुर हैरिटेज

कार्यालय नगर पालिका, जैतारण (ब्यावर)
क्रमांक / नपाजै / विकास / ईनिविदा / 2025 / 4033 दिनांक :- 03.11.2025
:: ई -निविदा सूचना ::
(NIB NO. DLB2526A7744)
नगर पालिका जैतारण की ओर से नगर पालिका जैतारण एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई- प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है । नगर पालिका क्षेत्र के कुल 02 कार्य अनुमानित लागत 25.71 (रू लाख) की निविदा बेचे जानी प्रारम्भ की दिनांक 06.11.2025 एवं 13.11.2025 प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद / सी / 25 / 13262 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

Office of the Executive Engineer, Watershed Development & Soil Conservation Bikaner
S.N.: 433-38 **NOTICE INVITING BID** Date: 30/10/2025
NIB No WSC2526A0909
On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of NRM Works under PMKSY 2.0 Projects of estimated value INR 322.62 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 10.11.2025, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://cproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

Bid No.	Block	Estimated Cost, (Rs. in lakhs)	UBN No.
1	Bikaner	71.96	WSC2526WSOB01560
2	Bikaner	32.38	WSC2526WSOB01561
3	Bikaner	72.76	WSC2526WSOB01562
4	Bikaner	72.76	WSC2526WSOB01563
5	Bikaner	72.76	WSC2526WSOB01565

[Mahesh Kumar Ajariwal] Executive Engnieer WDSC, Bikaner
DIPR/C/16264/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर
क्रमांक-अअ/सांचौर/2025-26/2425 दिनांक-29.10.2005
निविदा सूचना संख्या 11 वर्ष 2025-2026
NIB No. PWD2526A4074
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 349.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	01 नवम्बर 2025, 9:30 बजे से 17 नवम्बर 2025, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http:// eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू. बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
PWD2526WSOB15812, PWD2526WSOB15856, PWD2526WSOB15857 PWD2526WSOB15858, PWD2526WSOB15859, PWD2526WSOB15860
(प्रदीप पंवार) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड खण्ड सांचौर
DIPR/C/16158/2025

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला-पाली
टेलि न./फैक्स न. - (02938) 236170/236883, ई-मेल - eombfalna@gmail.com
Notice Inviting Bid
Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 03.11.2025 Date 11.00 AM to 13.11.2025 Date 5.00 PM Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and Muncipal Board Khudala-Falna Office,
UBN :- DLB2526WSOB23160
Raj.Samwad/C/25/13260 Executive Officer

MUNICIPAL COUNCIL, SAWAI MADHOPUR
S.No./M.C.S.M./Nirman/25/9569 Date : 17/10/2025
Notice Inviting Bid
Short term Bids for different works Nit No. 121 /2025-26 of Municipal Council Sawai Madhopur are invited from interested bidders upto date 10 – 11 - 2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.
UBN No. – DLB2526WSRC22659
Commissioner, Municipal Council Sawai Madhopur
Raj.Samwad/C/25/13168

कार्यालय नगर परिषद, सवाई माधोपुर-राज.
क्रमांक / न.प.स.मा. / नि.शा. / 2025-26 / 9977 दिनांक: 30.10.2025
-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26 ::-
केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर पालिका/परिषद/निगम/स्वायत्त शासन विभाग के निविदाताओं से आयुक्त/अधिशाषी अभियन्ता द्वारा सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य की अनुमानित लागत 06.86 लाख से 16.51 लाख है। टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का NIB Code- DLB2526A7614
UBN Code- DLB2526WSOB23079, DLB2526WSOB23080
राज.संवाद / सी / 25 / 13171 आयुक्त, नगर परिषद, सवाई माधोपुर

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner
क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/7169 दिनांक :- 28/10/2025
ई - बिड सूचना संख्या 41/I-2025-26
बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से Bidder should be reputed firm/company/Govt.owned entity में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत फर्म से Consultancy कार्य हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की गई है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तो आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- ITB2526SLOB00270
राज.संवाद/सी/25/13250 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु / सफाई शाखा / 2025 / 7366 दिनांक :- 28.10.2025
:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 12.11.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक DLB2526SLOB22669 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद / सी / 25 / 13148 आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
दूरभाष-0145-2429953, फैक्स-0145-2433813, Email - ajmermc@gmail.com, ajmermc@rajasthan.gov.in
Website - www.lsg.urban.rajasthan.gov.in/mcajmer, www.ajmermc.org
No. :- MEW/SLWER/AMC/2025-26/1742 Dated :-30.10.2025
ई-निविदा सूचना 08/2025-26
Open BIDS for ENIB No.08/2025-26 dated 30.10.2025 Percurement for (01 online works) of Subject matter are invited from interested bidders for online tender submit upto 20.11.2025 upto 6:00 PM and Online tender Open at 21.11.2025 at 11:00 A.M. Other particulars or details of NIB of the bid may be visite at the percurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in/ and / http://eproc.rajasthan.gov.in/ of the state.NIB code and UBN code as per given below.

NIB Code	UBN NO.
ANN2526A0147	ANN2526WLOB00196

अधिशाषी अभियंता नगर निगम अजमेर
राज.संवाद / सी / 25 / 13208

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)
क्रमांकः न0परि0झा0 / राजस्व / 2025 / 4266 दिनांकः 17.10.2025
-: ई-निविदा सूचना :-
NIB No – DLB2526A7437
UBN No – DLB2526SLOB22588
नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में संबंधित व्यवसायिको, आपूर्तिकर्ताओ एवं पंजीकृत ठेकेदारो से नगरीय क्षैत्र मे तहबजारी वसूली का कार्य, होर्डिग्स ठेका नगरीय क्षेत्र हेतु ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा फार्म ऑन लाईन दिनांक 01.11.2025 से 10.11.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक अपलोड किये जा सकेंगे। ऑनलाईन निविदायें डीडी जमा कराने की तिथि 11.11.2025 को सांय 4.00 बजे तक रहेगी। तकनीकी बिड खोलने की दिनांक 12.11.2025 प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। अन्य शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
आयुक्त नगरपरिषद् झालावाड
राज.संवाद / सी / 25 / 13184

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज.)
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा
Email :- nnksouth@gmail.com, Website :- https://kotamcsouth.org/
क्रमांकः- ननिको(द.) / जनस्वा. / 2025 / 10265-76 दिनांकः- 28.10.2025
-:: ई-निविदा सूचना ::-
नगर निगम, (उत्तर/दक्षिण) कोटा एवं अन्य राजकीय विभागों में पंजीकृत संवेदकों से नगर निगम कोटा दक्षिण में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर चित्रकारी/पेंटिंग/लिखाई का कार्य (S.B.M. योजना अन्तर्गत) हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम कोटा दक्षिण की वेबसाईट https://kotamcsouth.org/, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अन्य जानकारी हेतु नगर निगम के प्रशासनिक भवन में कमरा नं0 239 में सम्पर्क कर सकते है। (अनुमानित लागत रू. 25.00 लाख)
UBN No. – DLB2526WSOB22695
उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद / सी / 25 / 13195

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)
क्रमांक-निर्माण शाखा / निविदा / 2025 / 3834-36 दिनांक : 31.10.2025
निविदा सूचना
नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 31.10.2025 से दिनांक 10.11.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 11.11.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB code-DLB2526A7628
UBN:-DLB2526WSOB23099
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रतनगढ़
राज.संवाद / सी / 25 / 13245

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68 PHED Campus,, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com
क्रमांकः अ.अ./जन स्वा./साँ/निविदा/2025-26/1317 दिनांकः- 31/10/2025
निविदा सुचना संख्या - 10/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जत्त स्वा, अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate Contract Removal of leakage difference size pipe line under UWSS Sanchore and Annual rate contract of Repair Rewinding of Submersible motor pump set and repair of starter with lowering un-lowering complete work.
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 04 रु. 55.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	03.11.2025 से 10.11.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	11.11.2025 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE2526WSRC08120, PHE2526WSRC08121 PHE2528WSRC08123, PHE 2526 WSRC 08124

निविंदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।
(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता जनं स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड साँचौर
DIPR/C/16266/2025

वकील को हिरासत में लेने और प्रताड़ित करने के विरोध में अधिवक्ताओं का विरोध-प्रदर्शन

जयपुर कलेक्ट्रेट सर्किल पर वकीलों ने टायर जलाकर विरोध जताया, धरने के कारण लगा लंबा ट्रैफिक जाम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । आदर्श नगर थाना पुलिस की ओर से एक वकील को हिरासत में लेने और कथित रूप से प्रताड़ित करने के विरोध में गुरुवार को जयपुर के अधिवक्ता सड़कों पर उतर आए।

आक्रोशित वकीलों ने कलेक्ट्रेट सर्किल पर मुख्य सड़क को जाम कर दिया और पुलिस

- **वकीलों का आरोप है कि आदर्श नगर पुलिस ने अधिवक्ता देवेंद्र मीणा को एक मामले में वांछित आरोपी बना रखा था। पुलिस ने उनके साथ बर्बरता से मारपीट कर प्रताड़ित किया।**
- **प्रशासन ने इस मामले में तत्काल एक्शन लेते हुए 5 पुलिसकर्मी निलंबित किए**

प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान वकीलों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का मुक्की और झड़प की स्थिति बन गई। वकीलों ने विरोध स्वरूप सड़क पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। साथ ही कलेक्ट्रेट क्षेत्र और आसपास के इलाकों में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। इस प्रदर्शन के चलते

आदर्श नगर पुलिस द्वारा वकील के साथ मारपीट की घटना के विरोध में गुरूवार को सैकड़ों अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्री सर्किल पर विरोध-प्रदर्शन के बाद पुलिस कमिश्नरेट पहुंचकर विरोध जताया। फोटो-दिनेश भारद्वाज

करीब तीन घंटे के बाद जाम हटने पर लोगों ने राहत की सांस ली और कलेक्ट्रेट सर्किल के आसपास यातायात सुचारू हो गया।

वकीलों का आरोप है कि आदर्श नगर पुलिस ने अधिवक्ता देवेंद्र मीणा को एक मामले में वांछित आरोपी बना रखा था। पुलिस ने उनके साथ बर्बरता से मारपीट कर प्रताड़ित किया जा रहा है। वहीं प्रदर्शन कर रहे वकीलों का कहना था कि यदि जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

बार काउंसिल अध्यक्ष संदीप लुहाड़िया ने बताया कि आदर्श नगर पुलिस ने अधिवक्ता देवेंद्र मीणा को एक मामले में वांछित आरोपी बना रखा था। पुलिस ने उन्हें अवैध रूप से एक मुकदमे में थाने में बंद कर रखा था।

उनके हस्तक्षेप के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। लेकिन इससे पहले पुलिस ने उनके साथ बर्बरता से मारपीट की। जिसके कारण उनके दोनों पैरों में पट्टियां बंधी हुई हैं और संभवत: फ्रैक्चर भी है। इस संबंध में वीरेंद्र और उनके परिवार की ओर से शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

इसके विरोध में जयपुर कलेक्टर सर्कल पर सभी वकीलों ने एक साथ विरोध प्रदर्शन करते हुए रास्ता रोका। वहीं वकीलों का प्रतिनिधिमंडल जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पहुंचा। जहां उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर नाराजगी जताई। इसके बाद मौके पर अतिरिक्त कमिश्नर राजीव प्रचार पहुंचे और वकीलों से बातचीत की। जिसके बाद उन्होंने पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया और परिवादी के परिवार पर एफआईआर दर्ज करके जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर पर करवाने का आश्वासन दिया। जहां वकील प्रतिनिधियों को निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शन कर रहे वकीलों का गुस्सा शांत हुआ। इसके बाद वकीलों ने सड़क से जाम हटाया गया।

'राजस्थान में मुंह और गले के कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे'

- **भगवान महावीर कैंसर अस्पताल की कैंसर रजिस्ट्री की रिपोर्ट जारी**

जयपुर (कासं)। राजस्थान में कैंसर रोगियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। खासतौर पर पुरूषों में मुंह व गले के कैंसर तथा महिलाओं में स्तन एवं जननांग के कैंसर की संख्या सबसे अधिक है। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस के मौके पर भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल जयपुर की ओर से राजस्थान में कैंसर की बढ़ती घटनाओं से संबंधित कैंसर रजिस्ट्री की जानकारी दी।

चिकित्सालय की ओर से कैंसर रजिस्ट्री में 2024 में 10 हजार 363 मरीजों को दर्ज किया गया। इस रोगियों में 26 फीसदी से ज्यादा मुंह एवं गले के कैंसर के है। महिलाओं में 11 फीसदी कैंसर स्तन और 8 फीसदी कैंसर जननांगों के है।

चिकित्सालय के डायरेक्टर क्लिनिकल सर्विसेज डॉ. एस.सी. काबरा ने बताया कि कैंसर रजिस्ट्री के यह आंकड़े राजस्थान के कैंसर पैटर्न को दर्शाता है। मुँह व गले के कैंसर की स्थिति 26.89, पाचन अंग का कैंसर 15.45 प्रतिशत, श्वास नली एवं वक्ष गुहा (इंट्रोथोरासिक) से संबंधित अंगों में 10 प्रतिशत, स्तन कैंसर 11.38 तथा महिला जननांग में 2.41 प्रतिशत के आंकड़े सामने आये हैं। मेडिकल ऑन्कोलॉजी के डॉ. ताराचंद गुप्ता ने बताया कि सिर एवं गले, पाचन तंत्र तथा श्वसन अंगों से जुड़े कैंसर के रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। यह कैंसर सामान्यत: तंबाकू सेवन, शराब के उपयोग और कीटनाशकों के संपर्क से संबंधित होते है। महिलाओं में स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर के मामलों में वृद्धि यह संकेत देती है कि प्रारंभिक जांच और रोकथाम कार्यक्रमों को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

डॉ. एस सी काबरा ने बताया कि अस्पताल प्रशासन राज्य सरकार के साथ मिलकर डेटा, विशेषज्ञता और जागरूकता अभियानों के माध्यम से कैंसर नियंत्रण की दिशा में निरंतर सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य न केवल उपचार देना है, बल्कि राजस्थान को कैंसर-मुक्त भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाना है।

युवक का अपहरण कर 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी

विरोध करने पर लाठी-डंडों से की मारपीट, जान से मारने की धमकी देकर फरार हुए बदमाश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । खोह नागोरियान थाना इलाके में एक युवक का अपहरण कर पन्द्रह लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बिना नंबर की कार से आए नकाबपोश बदमाशो ने उसका अपहरण किया और विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट कर धमकी देकर फरार हो गए। इस संबंध में पीड़ित थाने पहुंचा और कार सवार 4 अपहरणकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

- **जयपुर के खोह नागोरियान क्षेत्र में कार सवार नकाबपोश बदमाशों की वारदात**

थानाधिकारी ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि खोह नागोरियान के लूनियावास निवासी कैलाश मीना ने मामला दर्ज करवाया है कि गत दो पहले वह लूनियावास से जा रहा था।

इस दौरान बिना नंबर की कार आगे आकर रुकी। कार से उतरे चार बदमाशों ने जबरन उसको पकड़ कर जबरन कार में पटककर ले गए। इसके बाद मुंह पर कपड़ा बांध रखा और विरोधर कर जमकर मारपीट की। इसके बाद लाठी-डंडे व कुल्हाडी से लैंस उसे सुनसान जगह ले गए।

जहां नकाबपोश बदमाशों ने 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी। विरोध करने पर लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट की और फिर जान से मारने की धमकी देकर उसे छोड़कर फरार हो गए। थानाधिकारी मातवा ने बताया कि पीड़ित के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला आपसी लेनदेन का प्रतीत हो रहा है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच पड़ताल करते हुए आरोपियों की तलाश की जा रही है।

घुटने का जटिल रिवीजन जोड़ प्रत्यारोपण किया

जयपुर । नारायणा अस्पताल जयपुर में घुटने की जटिल रिवीजन जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी की गई है। यह जटिल सर्जरी डॉ. विजय शर्मा, डॉ. मनीष गुप्ता और उनकी टीम ने की। सर्जन डॉ. विजय शर्मा ने बताया कि 72 वर्षीय महिला के दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण 2 साल पहले हुआ था, लेकिन पिछले कुछ समय से बाए घुटने में दर्द और सूजन रहने लगी थी। जांच करने पर पता लगा की इंप्लांट ढीला पड़ चुका है। प्राय: मुख्य कारण इन्फेक्शन होता है, लेकिन इस केस में इन्फेक्शन के सारे मार्कर और जोड़ के फ्लूड की जांच भी इन्फेक्शन के लिए नेगेटिव निकली। ऐसी लूजनिंग को एसेप्टिक लूजनिंग कहते है। पूरी तरह जांच के बाद डा विजय शर्मा में सिंगल स्टेज रिवीजन करने का निर्णय लिया और एक ही स्टेज में पुराने ढीले जोड़ को निकाल कर विशेष प्रकार के रिवीजन जोड़ के साथ जोड़ प्रत्यारोपण किया।

सेंट्रल जेल में 2 महीने में 53 मोबाइल बरामद हुए

जयपुर । जयपुर सेंट्रल जेल में मोबाइल मिलने का सिलसिला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा। इतनी कड़े सुरक्षा इंतजामों के बाद भी सेंट्रल जेल में मोबाइल पहुंच रहे है। इससे जयपुर सेंट्रल जेल पर सवालिया निशान उठ रहे है। जहां अब जेल में बैरक के पीछे लावारिस मोबाइल मिलने का मामला सामने आया है। इसे लेकर जेल प्रशासन की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल में जुटी है। थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी राजेन्द्र प्रसाद मीणा (27) ने मामला दर्ज करवाकया है कि पिछले काफी समय से जेल में सर्च अभियान चल रहा है। इसी के चलते जेल के वार्ड नंबर 3 की बैरक नंबर एक के पीछे लावारिस हालत में एक मोबाइल पड़ा मिला। पकड़े जाने के डर से किसी बंदी ने मोबाइल को बैरक के पीछे फेंक दिया। लावारिस मिले मोबाइल में सिमकार्ड लगा मिला है। जेल प्रशासन की ओर से मोबाइल को जब्त किया गया। पुलिस जब्त मोबाइल और सिम कार्ड के आधार पर यूज करने वाले बंदी की तलाश कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एएसआई मनोज कुमार को सौंपी गई है।

गौरतलब है कि सितम्बर महीने में जेल प्रशासन की ओर से 19 मामले दर्ज करवाए गए है। जिसमें 31 मोबाइल बरामद हुए है। अक्टूबर में 15 मामले दर्ज कर 17 मोबाइल दर्ज किए गए। नवम्बर महीने में अभी तक दो मामले दर्ज कर 5 मोबाइल फोन मिले है। ऐसे मामले लगातार सामने आने के बाद गांधीनगर सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन कर पूरे मामले की तह तक जाने की कवायद की गई थी। हालांकि अभी कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पा रही है कि जेल में बंदियों तक मोबाइल, सिम और अन्य प्रतिबंधित सामग्री कैसे पहुंच रही है।

मिलावट के शक पर रेस्टोरेंट से लिए पनीर-काजू के सैंपल

जयपुर । प्रदेश में विभाग द्वारा चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देश पर पर्यटन एवं वैवाहिक सीजन के संदर्भ में सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने टोंक रोड स्थित मैसर्स बार.बी.क्यू . नेशन रेस्टोरेंट पर कार्यवाही करते हुए मिलावट का अंदेशा होने पर पनीर और काजू के सैंपल लिए।

- **टोंक रोड स्थित मैसर्स बार.बी.क्यू . नेशन रेस्टोरेंट पर हुई कार्रवाई**

सीएमएचओ डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि मार्केट से पनीर रुपए 240 प्रति किलो खरीदा जा रहा है। पनीर की इतनी कम रेट होने से घटिया क्वालिटी होने का अंदेशा होने पर पनीर का नमूना लिया गया। काजू की ग्रेवी तैयार करने के लिए जो काजू काम में लिया जा रहा था इसकी क्वालिटी भी खराब थी, जिससे काजू का नमूना भी लिया गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। साथ ही रेस्टोरेंट में अनेक कमियां पाई गई। एक ही फ्रिज में वेज एंड नॉनवेज रखा हुआ था एवं किचन में एक ही प्लेटफॉर्म पर वेज और नॉनवेज भोजन तैयार किया जा रहा था। वाशिंग एरिया और किचन एक साथ होने से गंदगी पाई गई।

फ्रिज में रखी तैयार खाद्य सामग्री पर निर्माण एवं उपयोग दिनांक की टैगिंग नहीं की गई थी एवं खाद्य सामग्री खुले में रखी हुई थी।जिस से भोजन की गुणवत्ता खराब होने की संभावना हो सकती है। मैनेजर अजय कुमार को उक्त कमियां दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। इस संदर्भ में एक्ट की धारा 32 के तहत नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

गलता गेट पुलिस ने जब्त किए 14 वाहन

जयपुर । गलता गेट पुलिस ने 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए ओवर लोडिंग व शराब पीकर वाहन चलाने वाले व सात भारी वाहन एवं एक खुली जीप जब्त की। पुलिस ने 5 ओवर लोडिंग वाहन, बिना नंबर ओवरलोडिंग वाहन एवं एक ट्रक चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने ओपन जीप में शराब पीकर उत्पात मचाने वाले चालक को गिरफ्तार कर ओपन जीप को जब्त कर लिया। पुलिस उपायुक्त उत्तर करन शर्मा ने बताया कि राज्य में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए उनकी रोकथाम के लिए के लिए 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। जिसकी शुरुआत 4 नवंबर को की गई। पुलिस ने नेशनल हाईवे -48 से गुजरने वाले ओवरलोडिंग वाहनों ,शराब पीकर वाहन चलाने वालों तथा गलत दिशा वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की। गलता गेट थाना पुलिस ने ओवरलोडिंग के 4 भारी वाहन, एक बिना नंबर ओवर लोडिंग भारी वाहन तथा एक ट्रक चालक को शराब के नशे में गिरफ्तार किया।

चिकित्सा मंत्री खींवसर ने ट्रोमा सेंटर पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम पूछी

मंत्री ने घायलों की स्थिति जानी और बेहतर उपचार के निर्देश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर बुधवार शाम को सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचकर सीकर रोड पर हरमाड़ा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे के घायलों से मिले और उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने घायलों के परिजनों से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

खींवसर ने चिकित्सा विशेषज्ञों से घायलों की स्थिति के बारे में पूरी जानकारी ली और बेहतर उपचार के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क हादसे में घायल हुए सभी लोगों के उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। राज्य सरकार हादसे के मृतकों एवं घायलों के परिवारों के साथ खड़ी है। उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। ट्रोमा सेंटर प्रभारी डॉ. बीएल यादव ने बताया कि हादसे में घायल हुए लोगों में से 7 सवाई मानसिंह अस्पताल

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बुधवार शाम को सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचकर सीकर रोड पर हरमाड़ा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे के घायलों से मिले और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

में भर्ती थे, इनमें से एक की स्थिति में सुधार के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है। शेष 6 में से 3 आईसीयू में भर्ती हैं, जिनकी हालत स्थिर है। इस दौरान सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी, उप अधीक्षक डॉ. जगदीश मोदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जमीन धोखाधड़ी मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। रामगनरिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम चतरपुरा में स्थित जमीन के धोखाधडी प्रकरण में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि जमीन धोखाधडी के प्रकरण में गिरफ्तार के अलावा अन्य सहखातेदार भी घटना में शरीक है। यह विवादित जमीन श्री नृसिंह आर्केड के नाम से सृजित है और आवासीय स्कीम श्री नृसिंह आर्केड आवासीय स्कीम के प्लाट धारकों की ओर से जमीन खातेदारों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाए गए ह।

- **रामनगरिया क्षेत्र के ग्राम चतरपुरा में विवादित जमीन का मामला**

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि पुलिस थाना रामनगरिया जयपुर पे कार्रवाई करते हुए रामजी लाल और श्यामलाल को गिरफ्तार किया गया है और दोनो ही आरोपित मीणों का मोहल्ला चतरपुरा रामनगरिया के रहने वाले है।

गौरतलब है कि ग्राम चतरपुरा में 72 बिघा जमीन स्थित है। जमीन खातेदारों द्वारा वर्ष 2003 में जमीन का बेचान किया गया तथा जमीन को विकसित करने के लिए डेवलपर्स को डेवलपर्स द्वारा ग्राम चतरपुरा में स्थित जमीन पर श्री नृसिंह आर्केड के नाम से आवासीय स्कीम सृजित की गई तथा भूखण्डों का बेचान किया गया। जमीन खातेदारों द्वारा जमीन बेचान के पेटे रुपये प्राप्त करने के बाद भी आवासीय स्कीम श्री नृसिंह आर्केड में प्लॉट स्थित प्लॉट धारकों को निर्माण नहीं करने दे रहे है।

जमीन खातेदार जमीन को अन्यत्र बैचान कर दोहरा लाभ प्राप्त करना चाहते है। आवासीय स्कीम श्री नृसिंह आर्केड के भूखंड धारकों द्वारा दर्ज कराए गये मामले की जांच पड़ताल करते हुए आरोपियों को पकडा है।

अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग करने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर । जालूपुरा पुलिस और रसद विभाग ने कार्रवाई करते हुए अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग करने वाले दो आरोपियों को पकड़ा है और उनके पास से 21 घरेलु एलपीजी गैस सिलेण्डर, 1 इलेक्ट्रॉनिक वेइंग मशीन, 1 इलेक्ट्रिक मोटर मय पाइप में रेगुलेटर मय नोजल व तीन ऑटो रिक्शा जब्त किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि जयपुर शहर उत्तर में घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध रूप से रिहायशी इलाके व कॉलोनियों के मध्य इलाके में वाहनों में घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग की शिकायत मिलने पर जालूपुरा पुलिस और रसद विभाग ने अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग करने वाले मोहम्मद मोहसिन और मोहम्मद ताज को गिरफ्तार किया।

एनबीएफसी से पुलिस खर्च जमा कराने का आदेश रद्द

जयपुर । हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि मजिस्ट्रेट को सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 14 के अंतर्गत किसी एनबीएफसी या बैंक को पुलिस सहायता हेतु खर्च जमा कराने का निर्देश देने का अधिकार नहीं है। वहीं अदालत ने अलवर के सीजेएम के 12 अगस्त 2024 के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें कब्जा दिलवाने के दौरान प्रार्थी को पुलिस सुरक्षा का खर्चा जमा करवाने का निर्देश दिया था। जस्टिस आशुतोष कुमार ने यह आदेश टाइगर होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में अदानी हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड) की याचिका पर दिया। प्रार्थी कंपनी की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता पुनीत चाहर ने अदालत को बताया कि धारा 14 के तहत सुरक्षित ऋणदाता पर किसी प्रकार का पुलिस खर्च डालने का कोई वैधानिक प्रावधान नहीं है। लेकिन इसके बावजूद भी सीजेएम ने प्रार्थी फर्म को कब्जा दिलवाने के दौरान पुलिस सुरक्षा का खर्चा जमा करवाने का निर्देश दिया है। सीजेएम का यह आदेश कानूनी प्रावधानों के विपरीत है। इसलिए इस आदेश को रद्द किया जाए। अदालत ने प्रार्थी पक्ष की दलीलों से सहमत होकर सीजेएम का आदेश रद्द कर दिया। गौरतलब है कि प्रार्थी फर्म को 9,90,000 रुपए के लोन की वसूली करनी थी। जिस पर पुलिस ने उसे 6,34,383 रुपए जमा करवाने के लिए कहा था।

सार-समाचार

'सेवामूल्य व सदाचार प्रेरणोत्सव' संपन्न

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय की आनंदम नोडल सेल की ओर से "सेवामूल्य एवं सदाचार प्रेरणोत्सव" का आयोजन किया गया। यह आयोजन वर्तमान सत्र में आनंदम के अंतर्गत समूह गतिविधियों के शुभारंभ का प्रतीक रहा। कार्यक्रम में कुलगुरु प्रोफेसर अल्पना कटेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों, संवेदना और सेवा-भाव के विकास का आधार है। उन्होंने बताया कि 'आनंदम' कार्यक्रम विद्यार्थियों में की भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्य को प्रोत्साहित कर रहा है। कुलगुरु प्रो. कटेजा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वयं के प्रति सच्चे रहें, आत्मसम्मान प्राप्त करें; दुनिया से तुलना नहीं, प्रतियोगिता केवल अपने आप से करें। मूल्यनिष्ठ आचरण ही व्यक्ति और समाज की वास्तविक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. गीता पारीक, समाजसेवी रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में ईमानदारी, नैतिकता और पारदर्शिता को समाज की स्थायी उन्नित का मूल बताया। कार्यक्रम की संयोजक, प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने आनंदम केंद्रीय समिति के सदस्यों का परिचय कराते हुए बताया कि विश्वविद्यालय एवं संघटक महाविद्यालयों के हजारों विद्यार्थियों ने 'आनंदम' के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा, वरिष्ठ नागरिक सहयोग और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता जैसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

श्रीसम्मेद शिखरजी यात्रा में जाएंगे श्रद्धालु

जयपुर । श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ यात्रा संघ दिल्ली द्वारा आयोजित 12वीं वार्षिक श्री सम्मेद शिखरजी यात्रा का आयोजन इस वर्ष भव्य स्तर पर किया जा रहा है। पवन जैन गोधा (दिल्ली) के संयोजकत्व में आयोजित इस धार्मिक यात्रा में देशभर से लगभग 11 हजार से अधिक श्रद्धालु भाग लेंगे। जिनेश कुमार जैन ने बताया कि यह रेल यात्रा 14 नवम्बर को जयपुर सहित देश के अन्य प्रमुख नगरों से रवाना होगी। सभी श्रद्धालु जैन समाज के परम पवित्र तीर्थ श्री सम्मेद शिखरजी पहुँचकर पर्वतराज की वंदना करेंगे। आयोजन समिति द्वारा यात्रियों के लिए यात्रा मार्ग में शुद्ध एवं सात्विक भोजन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। साथ ही श्री सम्मेद शिखरजी तीर्थ क्षेत्र पर भी निवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। जयपुर से संपूर्ण व्यवस्था का संचालन पीयूष जैन एवं अजय जैन दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। यह विशाल यात्रा न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि समाजिक एकता और भक्ति भाव के संगम का भी एक अनुपम उदाहरण है।

अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश

जयपुर । विधायकपुरी थाना पुलिस अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी है। थानाधिकारी ने बताया कि अजमेर रोड पुलिया के नजदीक परिवहन मार्ग पर 27 अक्टूबर को सुबह करीब 7 बजे एक अज्ञात बेसुध मिला। जिसे 108 एंबुलेंस की मदद से सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया गया। जहां सुबह करीब सवा 7 बजे कंपाउंडर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवाकर अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश शुरू की है।

राष्ट्रीय-प्रदेश कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

जयपुर । अखिल भारतीय बैरवा महासभा की राष्ट्रीय एवं राजस्थान कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह सांगानेर स्थित सुरभि सदन पिंजरापोल गोशाला टोंक रोड में हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदयाल बडोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री रामनिवास जोनवाल, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा, महामंत्री अमरचंद बैरवा ने राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री ममता भूपेश, विशिष्ट अतिथि ललित कुमार बैरवा, मुंशीलाल कुंडारा, कजोड़मल बैरवा सहित समाजबंधु उपस्थित रहे।

घूमर नृत्य का लालित्य छलकाया

जयपुर । फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर-26 की अध्यक्ष डॉ. रिम्मी शेखावत के नेतृत्व में प्रतिष्ठित जयपुर क्लब में राजस्थान की पारंपरिक लोक-कलाओं को समर्पित ग्रैंड गाला घूमर संध्या का सुंदर एवं भव्य आयोजन किया गया। यह राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान और नई पीढ़ी से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा। समारोह की मुख्य अतिथि भुवनेश्वरी कुमारी (शाहपुरा) रहीं। कार्यक्रम में 100 से अधिक महिला कलाकारों ने घूमर नृत्य प्रस्तुत कर राजस्थानी नारी शक्ति, सौम्यता और गरिमा को दर्शाया। रंग-बिरंगी पारंपरिक पोशाक और तालबद्ध घूमर की चाल ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक उत्सव में बदल दिया।

परीक्षा के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

जयपुर । राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा 9 नवम्बर 2025 को जनरल हिन्दी का प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं जनरल नॉलेज और जनरल साइन्स दोपहर 3 बजे से सांय 5 बजे तक जयपुर जिले में उप निरीक्षक दूरसंचार परीक्षा-2024 (गृह विभाग) का आयोजन 121 परीक्षा केंद्रो पर किया जाएगा। परीक्षा समन्वयक व अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) संजय कुमार माथुर ने बताया कि परीक्षा में जयपुर में उप निरीक्षक दूरसंचार परीक्षा-2024 (गृह विभाग) में 40065 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। परीक्षाओं के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए कलेक्ट्रेट, जयपुर के कक्ष नं. 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जो 7 व 8 नवंबर को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक व परीक्षा दिवस 9 नवम्बर को प्रात: 7:30 बजे से परीक्षा उपरान्त तक नियंत्रण कक्ष जारी रहेगा।

ARBiT
it happens here...

राष्ट्रदूत
FRIDAY
07 November 2025
A-B

Stepping Into Fun: Celebrating Gumboot Friday at Work

Gumboot Friday is a quirky, fun workplace tradition that encourages employees to kick back, embrace creativity, and foster team spirit. On this day, team members don their most colourful, playful, or unusual gumboots, sometimes paired with casual attire, to break the monotony of the regular workweek. The initiative, popular in offices aiming to boost morale and collaboration, is more than just a dress-up event; it celebrates spontaneity, camaraderie, and a sense of humor at work. By participating, employees connect beyond professional roles, spark conversations, and enjoy a light-hearted reminder that joy and creativity can thrive alongside productivity.

#FASHION

The Bigger, the Better

The Ruff: Europe's Giant Frill and the Fabric of Colonial Power

When we think of Renaissance Europe, few symbols stand out as sharply, or as stiffly, as the ruff. These elaborate, oversized, starched collars, sometimes wider than a person's shoulders, were not just fashion statements. According to historians, the ruff was a wearable symbol of colonial wealth, control, and European superiority, built on the extraction of resources and labor from overseas colonies.

"The ruff wasn't just a piece of clothing," says Dr. Imran Valesco, a fashion historian at the University of Cambridge. "It was a status signal, made possible by empire."

Frilled with Meaning

Emerging in Spain and the Low Countries in the mid-1500s, the ruff quickly spread through the courts of England, France, and beyond. The larger and more intricate the ruff, the higher the wearer's social standing. At its peak, some ruffs required yards of fine linen or muslin, frequent starching, and hours of shaping with heated tools called 'goffering irons.'

Only the elite could afford such maintenance, and the materials that made ruffs possible were colonial in origin.

"Fine linen came from the Low Countries, but cotton muslins used in some later ruffs were imported from India and Bengal," explains Dr. Valesco. "The starch which used to shape them came from colonies as well, and the dyes used to edge ruffs, like indigo, were sourced from plantations."

Colonial Cotton and Global Exploitation

While early ruffs were made from European linen, the expansion of the British and Dutch empires brought access to muslin, a prized textile from Bengal (in modern-day Bangladesh). Dhaka muslin, famously light and sheer, was used in some of the most delicate neckwear of the late Elizabethan and Jacobean periods.

These muslins were woven by skilled artisans from cotton grown in specific river valleys, and exported under colonial control. The labor behind these fabrics was intensive and often uncredited.

"Europe wore the wealth of its colonies, literally around its neck," says textile curator Nadia Ahmed of the Museum of Empire Textiles. "Each ruff told a story of global movement, domination, and extractive economics."

The Bigger, the Better (And the Richer)

The exaggerated size of the ruff also made it a social and political weapon. In portraits, royals and nobles appear engulfed by them, a visual sign that they did not labor, did not eat like commoners, and could afford impractical fashion.

- Queen Elizabeth I's ruffs, for example, were so large and stiff that they forced an upright posture and projected power.
- Men wore ruffs too, often as part of armor-like outfits that emphasized discipline and control.

In both cases, the ruff was an extension of colonial ideology, reinforcing European dominance and class hierarchy.

Decline and Legacy

By the early 17th century, ruffs gave way to softer lace collars and cravats, but the idea of luxury clothing as a mark of imperial wealth persisted. From powdered wigs to embroidered silks, fashion continued to signal colonial access and elite identity.

Today, the ruff remains a powerful symbol in art and reenactment, but its deeper history is often overlooked.

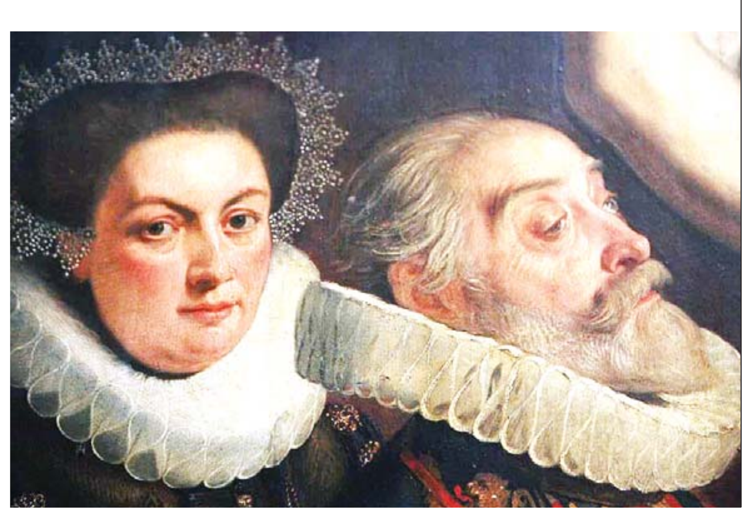

A Radiant Beacon of Divine Light

From Kailash Mansarovar to Haridwar, Ayodhya, Kashi, where he also had a conversation with Kabir Ji on the place known as Kabir chabutra, Manikaran, Ladakh, Tibet, Bhutan, Gorakhmata, Nalanda, Kamrup, Bikaner, Ajmer, Abu, Sikkim, Arunachal, Kalighat (present day Kolkata), the peak of the mountain at Bumla beyond Tawang, Jerusalem, Shanghai, Aden, Palestine, Egypt, Sudan, Abyssinia, Syria, Turkey, Azerbaijan, Iran, Turkistan, Afghanistan, Baghdad, and Mecca. He interacted with saints, sages, sufis, and lamas from various religious traditions. Due to his visits to so many remote and virtually inaccessible places, he is known as Nanak Lama in Tibet, Nanak Kamdar in Russia, Nanak Rishi in Nepal, Nanak Ripochia in Bhutan, Nanakacharya in Sri Lanka, Nanak Fusa in China, Nanak Pir in Iraq, Nanak Wali in Egypt, Nanak Shah in Pakistan and the first Patshahi Wali Hind in Saudi Arabia. In the glorious history of India, after Adi Shankaracharya, Guru Nanak undertook such a long pilgrimage (Udasiyan) of about 28000 kilometers in 22 years.

Mural painting of Guru Nanak from Gurdwara Baba Atal Rai.

Sardar Jasbir Singh
(Former Chairman, Rajasthan Minorities Commission)

#PRAKASH PARV

The 556th Prakash Parv of Guru Nanak Dev Ji is being celebrated with full devotion and enthusiasm in the country and abroad, his life, conduct and message are very important in the context of the present times.

He encouraged the principle of dialogue which is the eternal tradition of India, understanding other sects and beliefs and accepting their best principles with a liberal mind.

His words, "Jab lag duniya rahiye Nanak, kuchh suniye kuchh kahiye," meaning, as long as you live in the world, listen to something and say something. In this verse too, he emphasizes listening first and then speaking. According to many geographers, in ancient times, virtually all or a large part of Asia was known as Jambudweep. India was a part of this Jambudweep. At the age of thirty, during his four Udaasis (long journeys) between 1499 and 1521, there was hardly any corner of this Jambudweep described in the Puranas that Guru Nanak did not cover through his walking tours.

The purpose of these travels was to associate with saints, sages and sufis and to propagate divine devotion, from Kailash Mansarovar to Haridwar, Ayodhya, Kashi, where he also had a conversation with Kabir Ji on the place known as Kabir chabutra, Manikaran, Ladakh, Tibet, Bhutan, Gorakhmata, Nalanda, Kamrup, Bikaner, Ajmer, Abu, Sikkim, Arunachal, Kalighat (present day Kolkata), the peak of the mountain at Bumla beyond Tawang, Jerusalem, Shanghai, Aden, Palestine, Egypt, Sudan, Abyssinia, Syria, Turkey, Azerbaijan, Iran, Turkistan, Afghanistan, Baghdad, and Mecca. He interacted with saints, sages, sufis, and lamas from various religious traditions.

Due to his visits to so many remote and virtually inaccessible places, he is known as Nanak Lama in Tibet, Nanak Kamdar in Russia, Nanak Rishi in Nepal, Nanak Ripochia in Bhutan, Nanakacharya in Sri Lanka, Nanak Fusa in China, Nanak Pir in Iraq, Nanak Wali in Egypt, Nanak Shah in Pakistan and the first Patshahi Wali Hind in Saudi Arabia. In the glorious history of India, after Adi Shankaracharya, Guru Nanak undertook such a long pilgrimage (Udasiyan) of about 28000 kilometers in 22 years.

The Guru met hundreds of people of all kinds during his travels: opponents, admirers, thieves, thugs, robbers, pundits, sages, yogis and tantrics, Buddhist lamas, sufis, sheikhs, qazis and mullahs. His gentle nature and truthful conduct prevailed everywhere. There was no bitterness anywhere.

He also said in one of his hymns, "mithat neevi nanak aagoon change aiyaan tat," meaning, just as the essence of the flower is in the fragrance or perfume, similarly, sweetness and humility in life are the essence of all virtues. This is a special incident associated with Nanak, that is difficult to believe, but it is true. Many opponents surrendered at his feet not because of his erudition in debates, but because of his impressive demeanor and sweet manners.

“Allah the Almighty willed that this monument or building of humble Baba Nanak will be a new benevolent foundation for dissemination of wisdom. Seven saints came to help to erect this building on Hijri 917.”

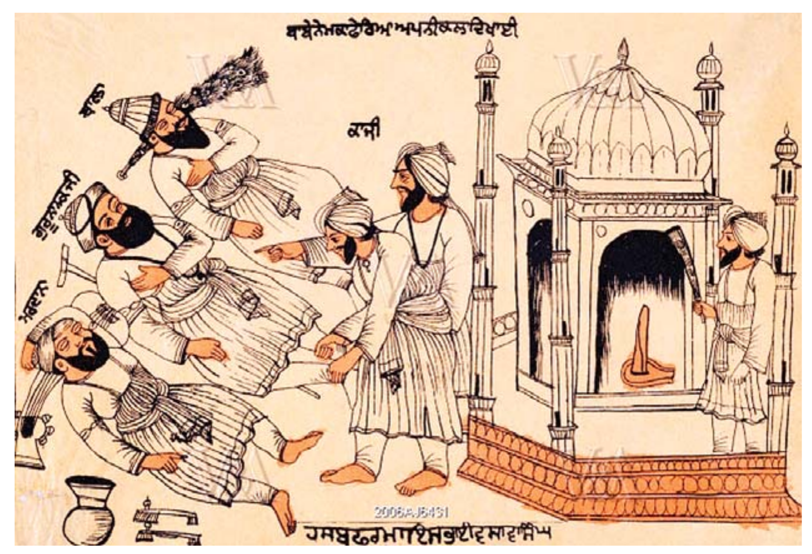

Guru Nanak with Maruana and Bala at Mecca, India.

> His philosophy and teachings inspire us to rise above caste and creed and become a good, honest citizen. He also said in one of his hymns, "sagal vanaspati mein besantar, sagal doodh mein ghiyaa, unch neech mein jyot samana, ghat ghat madho jeeyaan," i.e. "Just as fire is there in all the vegetation and wood and ghee is present in the milk of all beings, similarly, the light of God is present in all, good and bad, high and low." Nanak like Kabir, believed in a universal God that was Nirankar, without form, but prevalent everywhere. Guru Nanak's hymns emphasize the three fundamental triratna principles.

Among the medieval saints of the country, Guru Nanak served as a symbol of salvation. It is astonishing that Guru Nanak, who brought about such a major revolution in the world of thought and conduct, did so without hurting anyone. He both delighted and inspired all beings with a new, life-giving stream. Guru Nanak understood and put into practice the teachings of the great saints and sufis of his time. The result of this was that apart from the 6 Sikh Gurus, the hymns of saints from 30 other sects and religions like Dhanna Ji, Pipa Ji, Kabir Ji, Raidas Ji, Trilochan Ji, Dadu Ji, Baba Farid Ji, Namdev Ji etc. were included in *Guru Granth Sahib*.

His simple moral philosophy had a magnetic appeal as he propounded that any man or woman, of any caste, creed or class, could attain salvation without renouncing home or profession.

He promoted social harmony by rejecting the distinction between high and low, broke the narrow walls of castes and started the tradition of 'Langar,' where people gathered together in one place and shared food while sitting on floor and in the same row. This is still being observed with full devotion in the Sikh tradition. This is why it is said about the Harmandir Sahib (Golden Temple), the holiest place in the Sikh tradition, "Brahmin ko yahan par aate hue dekha, kshatriya ko yahan se jaate hue dekha, Vaishya ko yahan par nahate hue dekha, Shudra ko yahan par khate hue dekha," i.e. "We have seen a Brahmin coming here, a Kshatriya going from here, a Vaishya taking bath in the sarovar and a Shudra eating in the langar here." This principle of Guru Nanak, which is being adopted in all the Gurudwaras including the Golden Temple, can be adopted in today's India to remove all kinds of discrimination, high and low.

His philosophy and teachings inspire us to rise above caste and creed and become a good, honest citizen. He also said in one of his hymns, "sagal vanaspati mein besantar, sagal doodh mein ghiyaa, unch neech mein jyot samana, ghat ghat madho jeeyaan," i.e. "Just as fire is there in all the vegetation and wood and ghee is present in the milk of all beings, similarly, the light of God is present in all, good and bad, high and low."

Nanak like Kabir, believed in a universal God that was *Nirankar,* without form, but prevalent everywhere.

Guru Nanak's hymns, written and sung in the language of the common man, emphasize the three fundamental *triratna* principles: honest work and deeds (Kirat Karo), Chant the name of God (Naam Japo) and share your food (Wand Chhako). Guru Nanak himself finally settled in Kartarpur Sahib in 1522 and continued farming till 1539.

There are hundreds of Guru Nanak's *shabads* filled with emotion and common sense. Guru Nanak's spiritual attainment was one of singing, the importance of which is easily understood by the connoisseurs of music. Osho says, "Nanak found God through singing. Nanak's path is paved with songs. Nanak did not practice yoga, nor did he practice penance, nor did he meditate." But he sang with such passion and longing that the songs themselves became meditation, the songs themselves became yoga, and the songs themselves became penance. Nanak's spiritual practice is a practice of longing, thirst, and totality. It is not based on external conventions or rituals.

All the Sikh Gurus, including Guru Nanak, had immense understanding of Indian classical music due to which the entire hymns of *Guru Granth Sahib* were composed in appropriate *ragas* so that the spiritual message mixed with music can provide peace and blissful cool solace to the soul. That is why for centuries, *Shabad Kirtan* has been sung uninterruptedly throughout the day and night in the Golden Temple of Amritsar, except for one phase of three hours at midnight. This is an insurmountable, difficult and invincible feat and a marvel of the foresight of the Sikh Gurus which must be saluted.

Guru Nanak, respecting nature and the environment (which is very relevant today), said in his one of the hymns, "pavan guru, pani pita, mata dharat mahat," meaning 'our existence, all our senses and sounds originate from wind, so wind is our guru, water is the father of the universe because everything originates from water and earth is our mother.' Just as a mother feeds her child, similarly, the earth carries all living beings like children and nourishes all of them by producing food. Mother Earth is greater than the mother who gave birth to you, hence, always be grateful to Mother Earth (Motherland) and never be ungrateful.

Guru Nanak's message of equality and respect for women is quite relevant today. In the 15th-century India, protecting women from foreign invaders posed a significant challenge for parents. Due to this, the evil practices of sati, purdah, and female infanticide were prevalent in society. The birth of a girl was considered a curse. Nanak opposed this and said, "So kyun mandaa akhye jit jamai rajaan," meaning 'how can you call a woman inferior who gives birth to kings, maharajas and sages.' He said that one should not maintain a relationship with the person or family who kills their newborn girl child.

Nanak brought into being a belief system that required of its followers not just worship but social action, and the creation of a community of belief and works.

Guru Nanak has a special, unique and unparalleled place in the Sikh tradition, hence, the subsequent nine Gurus are addressed as the second, third, fourth and tenth Nanak respectively. The tenth Nanak of this tradition, i.e. Guru Gobind Singh Ji, compiled the *Guru Granth Sahib* and instructed the Sikhs to consider this book as their eleventh Guru in the future.

Fifty five years ago, an eminent writer, Dr. Hazari Prasad Dwivedi, while remembering Guru Nanak, wrote eloquently in his book 'Sikh Guruoan Ko Pranam' thus:

"Many events have occurred under the vast sky of India; many times, our motherland has been drenched in blood; many injustices and exploitations have been wreaked on our people. But the moon of Kartik Purnima of Nanak's light continues to spread its soft beauty and the holy words of Nanak are radiating the same soft light. Come down, O great Guru, come down once more. We are not reaching your heights. Even today fear, greed, suspicion and desires are rampant. Come once more and protect humanity, religion and truth. We remember you with great hope and faith. Victory to your immortal words, victory to your songs of refuge, victory to your pure and sacred memory."

rajeshsharma1049@gmail.com

Identified handwriting of Guru Nanak from the Guru Harsahai Pothi.

#CHANCE

All Due To Accident

Unintended Discoveries: When Lab Experiments Resulted in Groundbreaking Innovations

Science has a long history of experiments that were designed with one goal in mind but produced something entirely different, sometimes revolutionary. From accidental drugs to global brands and medical breakthroughs, many famous inventions arose out of curiosity, careful observation, or pure chance. Below are several well-known examples.

1. Albert Hofmann and the Accidental Creation of LSD

In 1938, Swiss chemist Albert Hofmann at Sandoz Laboratories synthesized a derivative of ergot alkaloids while searching for a respiratory and circulatory stimulant. The 25th compound in his series, LSD (lysergic acid diethylamide, LSD 25), initially appeared pharmacologically unremarkable. Five years later, in 1943, Hofmann deliberately self administered a small dose and experienced powerful alterations of perception (the famous 'Bicycle Day,' April 19, 1943). LSD went on to influence psychiatry, neuroscience, and 20th century culture profoundly, although it also generated legal and ethical controversies.

2. Coca Cola: From Medicinal Tonic to Global Soft Drink

In 1886, pharmacist John Stith Pemberton developed a flavored syrup originally marketed as a medicinal 'nerve tonic,' containing extracts of coca leaf and kola nut. Sold at soda fountains, the drink's stimulating effects and pleasant taste led it away from a strictly medicinal identity towards a refreshment. Under Asa Candler's business leadership, Coca Cola became a mass market beverage and, eventually, a global brand, an outcome far removed from Pemberton's original therapeutic intentions.

3. Penicillin, Microwave Ovens, Vulcanized Rubber - More Famous Serendipities

- **Penicillin (Alexander Fleming, 1928):** A contaminated petri dish with mold led Fleming to observe antibacterial activity and ultimately to antibiotics that transformed medicine.
- **Microwave oven (Percy Spencer, 1945):** Melting candy in a technician's pocket while testing radar equipment led Spencer to the idea of microwave heating.
- **Vulcanized rubber (Charles Goodyear, 1839):** An accidental exposure of rubber and sulfur to heat produced a durable material that powered industrial change.

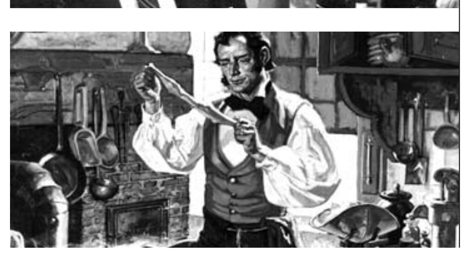

4. Botulinum Toxin - From Foodborne Poison to Therapeutic Tool

Origins and identification

Botulism, a severe paralytic illness caused by a toxin produced by the bacterium Clostridium botulinum, was long known from food poisoning outbreaks. In the late 19th century, investigators studying such outbreaks identified the bacterium responsible and characterized the disease mechanism. The toxin itself is extraordinarily potent: tiny amounts can block neuromuscular transmission and cause paralysis.

From hazard to medicine

Because of its specific action at the neuromuscular junction (blocking release of the neurotransmitter acetylcholine), researchers recognized that in carefully controlled, minuscule doses, the toxin could reduce unwanted muscle contractions. Beginning in the mid 20th century and accelerating through the 1970s-1980s, clinicians explored the toxin's potential in treating medical conditions such as strabismus (misaligned eyes), blepharospasm (involuntary eyelid closure), dystonias, and other focal muscle hyperactivity disorders.

The Power of Serendipity in Science

These stories highlight an important facet of research: serendipity plus curiosity often yields unexpectedly valuable outcomes. Whether it's a potent hallucinogen, a global consumer brand, a life saving antibiotic, a kitchen appliance, or a medical drug derived from a toxin, the unpredictable nature of discovery continues to shape our world. What unites these cases is careful observation, a willingness to follow surprising results, and the disciplined work needed to turn an accidental finding into something beneficial, often accompanied by debates about ethics, safety, and societal impact.

THE WALL

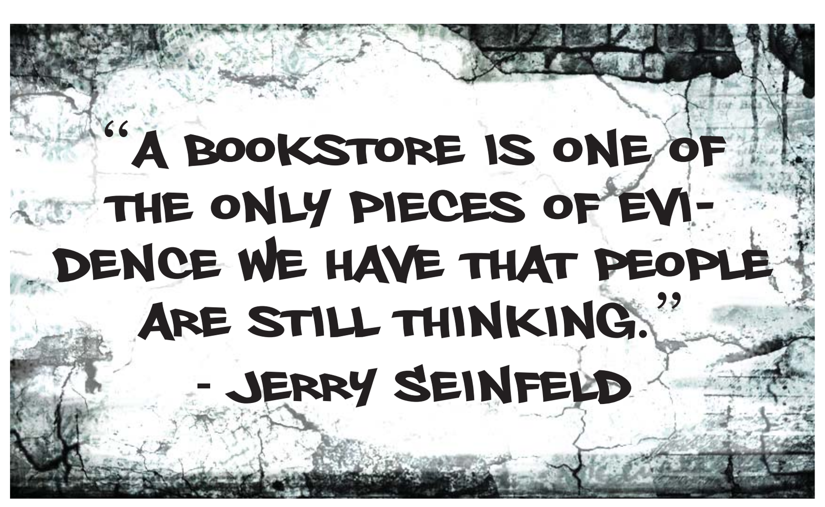

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

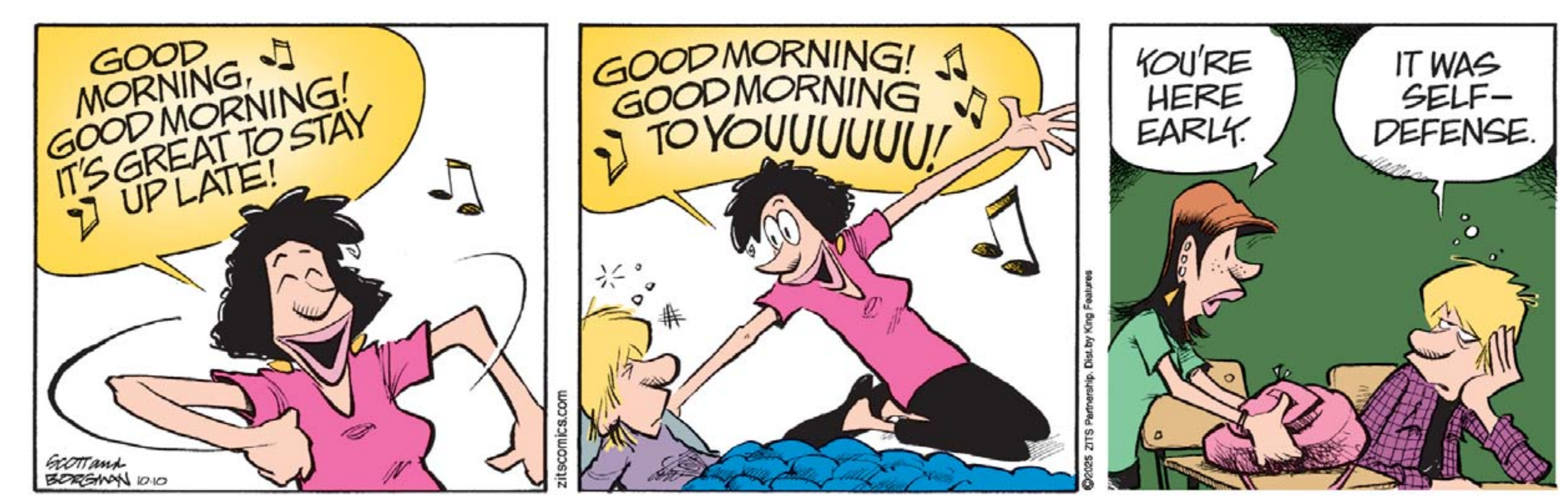

उपचार के नाम पर नौ माह के बच्चे को भोपे ने गर्म सलाखों से दागा

गंभीर हालत के चलते बच्चे को अस्पताल में भर्ती करवाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में अंधविश्वास का दंश मासूमों पर भारी पड़ रहा है। अंधविश्वास के चलते परिजनों द्वारा मासूमों को निमोनिया होने के बाद गर्म सलाखों से दाग दिया जाता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया जब एक मां ने भोपे के जरिए अपने 9 माह के मासूम को गर्म सलाखों से दाग दिया और गंभीर हालत के चलते उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सदर थाना क्षेत्र के इरास ग्राम में रहने वाले देवी बागरिया के 9 माह के पुत्र गोविंद को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, जिसे उपचार के नाम पर उसकी परिजनों ने एक भोपे के जरिए गर्म सलाखों से दाग दिया। मां का कहना था कि ग्रामीणों की सलाह पर हमने इसके डांव लगाया, लेकिन इसकी हालत में सुधार नहीं हो पाया। अब गम्भीर हालत में एमजी हॉस्पीटल मे भर्ती यह मासूम जिन्दगी और मौत से झूझ रहा है।

बच्चे को गम्भीर हालत में एमजी हॉस्पीटल में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार जिले में निमोनिया के बाद अंधविश्वास के चलते विगत कुछ माह में ही कई बच्चों को गर्म सलाखों से दागा गया है, जिसके चलते आधा दर्जन मासूमों की मौत भी हो चुकी है। इसमें प्रभावी कानून भी हैं, लेकिन फिर भी ग्रामीण इलाकों में अंधविश्वास का यह खेल बदस्तूर जारी है। सीडब्ल्यूसी का कहना है कि यह सब अंधविश्वास और अशिक्षा के चलते हो रहा है। विगत कुछ माह में महात्मा गांधी चिकित्सालय में इस तरह की घटनाएं बड़ी है। महात्मा गांधी चिकित्सालय में साल भर में करीब 90 से अधिक मामले ऐसे सामने आए हैं।

- **इरास ग्राम में रहने वाले देवी बागरिया के नौ माह के पुत्र को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, जिसे उपचार के नाम पर भोपे ने गर्म सलाखों से दाग दिया**

मोडिफाईड साइलेंसर लगी बुलेट बाइक जब्त :- भीलवाड़ा में बुलेट पर धौंस जमाने वालों की खैर नहीं है। बुलेट के जरिये पटाखे मारना, जातिसूचक नाम लिखकर धमक जमाने जैसे कामों पर पुलिस एक्शन लेने लगी है। गंगापुर थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 15 मोडिफाईड साइलेंसर लगी बुलेट मोटरसाइकिलें जब्त की। थाना प्रभारी लीलाधर मालवीय ने बताया कि अवैध ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले चालकों के खिलाफ एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। मौके पर सभी मोटरसाइकिलों के साइलेंसर खुलवाए गए और जांच की गई। जांच के दौरान कुछ वाहनों पर रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट पारंपरिक नंबरों के बजाय जाति या अन्य संगठनों के नाम लिखे पाए गए, जिन्हें हटवा दिया गया। इस अभियान से पुलिस का लक्ष्य सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सार्वजनिक शांति बनाए रखना है। थाना पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे ऐसे वाहनों को चलाने से बचें और नियमों का पालन करें। ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार प्रयास करते रहेंगे।

उधारी के रुपए नहीं लौटाने पर पशु व्यापारी ने आत्महत्या की

व्यापारी ने सुसाइड नोट लिखकर जान दी, छोटे भाई ने बाड़े में जाकर देखा तो बड़ा भाई लटका नजर आया

श्रीगंगानगर, (निसं)। उधारी के रुपए नहीं लौटाने पर पशु व्यापारी ने सुसाइड नोट लिख कर जान दे दी। व्यापारी ने सुसाइड नोट में दो लोगों का जिक्र किया है। इसमें लिखा है कि इस मकान के दो लाख जमा हैं, एक लाख देना बाकी है। मंगतराम सहारण से 3 लाख 20 हजार रुपए लेने हैं। इसने गाय बेची है। मंदर से 3.50 लाख के कारण सुसाइड कर रहा हूं।

व्यापारी जब घर नहीं लौटा तो छोटे भाई ने गायों के बाड़े में जाकर देखा तो लोहे के गार्डर से बड़ा भाई लटका नजर आया। व्यापारी ने साफे से फंदा बना कर जान दी है। मामला श्रीगंगानगर के सादुलशहर थाना इलाके का सुबह नौ बजे का है। व्यापारी के परिजन अस्पताल की मोर्चरी के बाहर इकट्ठा हैं और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, मांगीलाल (25) निवासी वार्ड नं. 4 सादुलशहर (श्रीगंगानगर) के सुसाइड की सूचना मिली थी। शव को सादुलशहर के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। युवक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है। इस पर जांच की जा रही है।

- **कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों का धरना प्रदर्शन जारी, शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया**
- **मृतक शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं, परिजनों से समझाइश कर रही है पुलिस**

थाने में रिपोर्ट मांगीलाल के छोटे भाई छिन्द्रपाल ने दी है। इसमें बताया कि बड़ा भाई मांगीलाल पशुओं का व्यापारी था। देर रात को घर नहीं आया तो चिंता हुई। सुबह करीब 10 बजे गायों के बाड़े में जाकर देखा तो यहां में लगी लोहे की गार्डर से मांगीलाल का शव लटका हुआ था। बाड़े का गेट बाहर से बंद था। इसके बाद परिजनों ने मिलकर शव को साफे के बने फंदे से नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी। छिन्द्रपाल ने बताया कि मांगीलाल की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने (मांगीलाल) ने लेनदेन के बारे में लिख रखा है। सुसाइड नोट में मंगतराम सहारण, मंदर से 6 लाख से अधिक पैसे लेने का जिक्र है। परिजनों का आरोप है कि आरोपी, मांगीलाल को पैसे नहीं दे रहे थे, जिसके कारण वह परेशान रहता था। इसी बात से परेशान होकर उसने सुसाइड कर लिया। घटना के बाद परिजन हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर धरना लगाकर बैठ गए और आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। परिजनों का धरना प्रदर्शन अभी भी जारी है और शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। मृतक शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। फिलहाल पुलिस परिजनों से समझाइश कर रही है।

अजमेर : तीन दुकानों का जर्जर छज्जा गिरा, दो वाहन मलबे में दबे

अजमेर, (निसं)। शहर के सबसे प्रमुख कचहरी रोड पर गुरुवार सुबह तीन दुकानों का जर्जर छज्जा अचानक भरभरा कर नीचे गिरने से मुख्य मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि छज्जा गिरने से नीचे खड़े दो वाहन मलबे में दब गए। गनीमत यह रही कि जिस समय छज्जा गिरा, उस वक्त दुकानों के सामने कोई व्यक्ति नहीं खड़ा था, अन्यथा जनहानि हो सकती थी। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ ने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से दुकानों की लीज अवधि बढ़ाने की मांग की ताकि दुकानदारों को राहत मिल सके।

जानकारी के अनुसार कचहरी रोड मुख्य मार्ग पर मोबाइल शॉप संचालक नरेंद्र सिंह छाबड़ा और पास ही विद्यार्थी रबर स्टाम्प की दुकान के ऊपर का जर्जर छज्जा अचानक भरभरा कर गिर गया। धमाके के साथ छज्जे गिरते ही मार्ग पर स्थित दुकानदारों और वहां से गुजर रहे राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। मलबा एक तरफ रोड पर गिरने से मार्ग जाम हो गया, जिससे करीब एक घंटे से

- **हादसे के समय मौके पर कोई नहीं था**

अधिक ट्रैफिक जाम में वाहन फंस रहे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई बाइक, ऑटो और कारें जाम में फंस गए। दुकान मालिकों ने अपने स्तर पर मजदूर लगाकर मुख्य मार्ग से मलबा हटावाया। दुकानदारों का कहना है कि वर्षों पुरानी दुकानें हैं, अधिकांश जर्जर हालात में हैं। फर्स्ट फ्लोर पर बनी दुकानों की हालत हो बद से बत्तर है। नगर निगम स्तर पर मरम्मत की अनुमति नहीं दी जाती और न ही निगम इनकी सुध ले रहा है। दुकानदार अशोक ने कहा कि बड़े हादसे से पहले निगम प्रशासन जागे नहीं तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। दुकानदार छाबड़ा का कहना है कि कचहरी रोड की दुकानें नगर निगम की हैं और इन्हें सालों पहले लीज पर दिया गया था। आज तक निगम किराया और लीज चार्ज तो लेता है, लेकिन दुकानों की मरम्मत और रख-रखाव पर ध्यान नहीं देता। उन्होंने कहा कि कई बार निगम प्रशासन को जर्जर छज्जों के बारे में लिखित में सूचना भी दी गई, लेकिन न तो मरम्मत की अनुमति दी और न ही निगम स्तर पर इनकी सुध ली गई। मालूम हो कि गांधी भवन से तोपदड़ा तिराहा तक करीब 150 दुकानें बनी हुई है, इनमें से कई दुकानदार अब असली लीजधारक भी नहीं हैं। कई का निधन हो गया है, कई ने दुकानें बेच दी हैं। रिकॉर्ड अपडेट नहीं होने से लीज अपडेट का प्रस्ताव सालों से अटका पड़ा है। तत्कालीन मेयर धर्मेंद्र गहलोत के समय में साधारण सभा में प्रस्ताव पारित हुआ था कि मौजूदा दुकानदारों को रिकॉर्ड अपडेट कर असल लीज जारी की जाए ताकि मरम्मत और कानून फॉर्मेलिटी हो सके, लेकिन फाइल आज भी अधूरी पड़ी है।

छज्जे गिरने पर श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ सहित अन्य व्यापारियों संगठनों ने सरकार से दुकानदारों को उनके प्रतिष्ठानों और दुकानो की लीज अवधि बढ़ाकर नहीं दिए जाने और उनके प्रतिष्ठानों का नियमन नहीं किए जाने से रोष जताया है।

नसबंदी शिविर में अवधिपार दवा वितरण का आरोप

फुलेरा, (निसं)। उपजिला अस्पताल फुलेरा में आयोजित नसबंदी शिविर में महिलाओं को एक्सपायर्ड (समाप्ति तिथि पार) दवाएं दिए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि एक्सपायरी दवाई की जानकारी होने पर सभी मरीजों को फोन करके वापस अस्पताल बुलवाकर दवाई बदल दी गई थी। गौरतलब है कि स्वास्थ्य विभाग राजस्थान सरकार की ओर से अधिकृत संस्था की ओर से प्रतिमाह नसबंदी शिविर 5 तारीख को आयोजित किया जाता है, उसी कड़ी में बुधवार 5 नवंबर को शिविर के दौरान यह मामला सामने आया। शिकायतकर्ता गणपत नोदल व एमपीएस धन्नालाल नोदल ने उपखंड अधिकारी सांभरलेक ऋषिराज कपिल व चिकित्सा अधिकारीयों को लिखित शिकायत सौंपकर मामले की जांच व जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता गणपत नोदल की पत्नी आशा देवी को शिविर के बाद जो दवाएं दी गई, जिनकी एक्सपायरी डेट अक्टूबर 2025 अंकित थी।

जैसलमेर के पास भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पहली बार ड्रोन आर्मी उतारी

''त्रिशूल अभ्यास'' में स्वदेशी ड्रोनों ने कठिन युद्ध स्थितियों में असाधारण सटीकता दी

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पहली बार ड्रोन आर्मी उतारी गई है। त्रिशूल युद्धाभ्यास के दौरान ड्रोन ने आसमान से बम दागे और दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर दिया। गौरतलब है कि सेना ने एक ऐसा प्रोग्राम शुरू किया है जिसका नारा है-हर फौजी के पास चील (ईगल) जैसी नजर होगी। इसका मतलब है कि अब सेना खुद ही ऐसे ड्रोन बना रही है जो जंग के मैदान में कमाल दिखा सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारतीय सेना ने त्रिशूल अभ्यास के दौरान अपनी आसमानी सेना को भी अभ्यास में उतारा है और सेना अभ्यास ड्रोन के साथ दुश्मन को हर मोर्चे पर हराने के सफल प्रयोग कर रही है। यह पहल पूरी तरह से आत्मनिर्भर भारत की सोच पर आधारित है। दक्षिणी कमान ने इन ड्रोन को बनाने के लिए किसी और पर निर्भर न रहते हुए अपने अंदर ही एक पूरा सिस्टम तैयार कर लिया है। इसमें ड्रोन का डिजाइन बनाना, उसे विकसित करना और फिर बड़ी तादाद में बनाना शामिल है। सेना का मकसद साफ है कि जंग के लिए तैयार ड्रोन को सीधे सैनिकों के हाथ में देना। इस काम को सफल बनाने के लिए, सेना की ईएमई कोर (कोर ऑफ ईएमई), जो तकनीकी काम संभालती है और भारत के छोटे व मध्यम उद्योगों को साथ लाया गया है। दक्षिणी कमान ने कई ड्रोन हब बनाए हैं। ये हब नई पीढ़ी के ऐसे मानव रहित हवाई सिस्टम, यानी बिना इंसान वाले छोटे हवाई जहाज (ड्रोन) तैयार कर रहे हैं, जो तीन बड़े काम कर सकते हैं। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, यह सहयोग दिखाता है कि भारतीय सेना सिर्फ देश की रक्षा ही नहीं कर रही, बल्कि देश के छोटे-छोटे उद्योगों को भी मजबूत कर रही है। इन स्वदेशी ड्रोनों का असली टेस्ट हाल ही में चल रहे अभ्यास त्रिशूल में लिया जा रहा है। यह टेस्ट ऐसी मुश्किल जगहों पर किया जा रहा हैं जहां दुश्मन का खतरा ज्यादा था। ये मेक-इन-इंडिया ड्रोन हर कसौटी पर खरे उतरे। उन्होंने दिखाया कि वे कितने सही तरीके से टारगेट पर वार कर सकते हैं (सटीकता), कितनी देर तक उड़ सकते हैं (एंड्योरेंस) और जरूरत के हिसाब से कितनी जल्दी अपना मिशन बदल सकते हैं (फ्लेक्सिबिलिटी)। इन ड्रोनों का सफल होना एक बड़ी कामयाबी है। इसका मतलब है कि अब हमारी अपनी बनाई हुई तकनीक सीधे जंग के मैदान में इस्तेमाल की जा रही है। दक्षिणी कमान इस बदलाव में सबसे आगे खड़ी है। वे लगातार नई खोजों को सेना में शामिल कर रहे हैं, भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और इन ड्रोन तकनीकों को सीधे लड़ाई के तरीकों में फिट कर रहे हैं। सेना का लक्ष्य स्पष्ट है कि एक ऐसी ताकत बनाना जो टेक्नोलॉजी से लैस हो, भविष्य के लिए तैयार हो और दुश्मनों से हर तरह की लड़ाई में हावी रह सके। ड्रोन पावर से, सीमा पर तैनात हर जवान को एक अतिरिक्त आंख मिल जाएगी, जिससे देश की सुरक्षा कई गुना बढ़ जाएगी। यह सिर्फ सेना की ताकत नहीं, बल्कि देश के हुनर की जीत है।

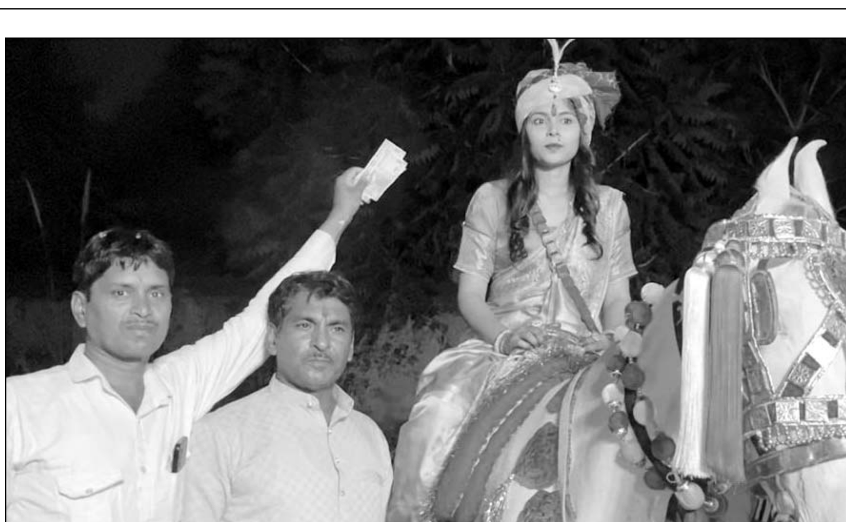

झुंझुनूं जिले के सुलताना कस्बे के पीपली चौक क्षेत्र में रहने वाले रामचंद्र कुमावत ने अपनी बेटी खुशबू की शादी के मौके को खास बनाते हुए उसे घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली। बिंदौरी के दौरान परिवार के सदस्य और रिश्तेदारों ने डीजे की धुनों पर जमकर डांस किया। घोड़ी पर बैठी खुशबू भी खुद को रोक नहीं पाई और ठुमके लगाकर इस पल को यादगार बना दिया। खुशबू ने कहा कि मेरे सपनों को पूरा करने में परिवार ने हमेशा मेरा साथ दिया है। आज मैं गर्व महसूस कर रही हूं कि मेरे माता-पिता ने मुझे बेटे की तरह सम्मान दिया।

सायबर अपराध में लिप्त छह आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय की सायबर क्राइम रोकथाम मुहिम के तहत क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने गुरुवार को अंतर्राज्यीय सिम सायबर क्राइम गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह के सदस्य मोबाइल सिम कस्टमर बनाने के नाम पर महिलाओं के आधार व पैन कार्ड लेकर फर्जी सिम जारी करने और एयरटेल पेमेंट बैंक में खाते खोलकर धोखाधड़ी करते थे। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 मोबाइल फोन, एक फिंगरप्रिंट मशीन, 13 सिम, 13 आधार कार्ड, 5 पैन कार्ड और वारदात में उपयोग में ली गई एक अल्टो कार तक जब्त की है।

सहायक पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि मुकदमा मदनगंज निवासी राखी नायक की रिपोर्ट पर दर्ज किया गया था। महिला ने बताया कि उनके परिचित बजरंग नायक ने उसे जियो कंपनी कस्टमर जोड़ने का लालच दिया और कहा कि हर कस्टमर पर 2500 रुपये मिलेंगे। इसी स्कीम में विश्वास दिलाकर महिलाएं लाने को कहा गया। कई महिलाओं से आधार-पैन कार्ड लेकर फॉर्म भरे गए और प्रत्येक महिला को 2500 रुपए नकद दे दिए गए। महिला को शक होने पर उसने क्रिश्चियन गंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। अब तक 12 महिलाओं के डॉक्यूमेंट लिए गए। ये लोग मोबाइल कंपनी के नाम पर महिलाओं के डॉक्यूमेंट का दुरुपयोग कर फर्जी सिम और फर्जी बैंक अकाउंट खोल सकते हैं और आम लोगों के साथ वित्तीय ठगी कर सकते हैं। उसने बताया कि डॉक्यूमेंट लेते समय महिला से कोई लिखित अनुमति नहीं ली गई न ही यह बताया गया कि दस्तावेज कहां उपयोग होंगे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रकाश ओझा, राजकुमार वैष्णव, बजरंग नायक, राजू जाट, नरेश माली और नंदकिशोर को गिरफ्तार कर लिया।

गांव के दबंगों ने रास्ता रोका, स्कूल नहीं जा पा रहे बच्चे

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के रैणी गांव लूनियाबास भूड़ा के बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। बताया जा रहा है कि स्कूल का रास्ता दबंगों ने बंद कर दिया है। गुस्साए ग्रामीण और बच्चे सुबह कलेक्टर से मिलने पहुंच गए। उन्होंने तहसीलदार और पटवारी पर मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। ग्रामीण और बच्चों ने कहा कि गांव के दबंगों ने स्कूल का रास्ता रोक दिया है। कंटीले तार और पिलर लगाकर रास्ते को पूरी तरह रोक दिया।

ग्रामीण धर्म सिंह और रतनलाल ने बताया कि रैणी के एसडीएम और तहसीलदार की मनमर्जी के कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते पर अतिक्रमण होने के कारण बच्चे स्कूल और ग्रामीण अपने खेतों पर नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके खेतों के खसरा नंबर 2085, 2086, 2087, 2088, 2060 और 2062 हैं। इन खेतों तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता खसरा नंबर 2096, 2095, 2092, 2091 और 2089 से होकर गुजरता है, लेकिन गांव के विजय सिंह, चंद्रा देवी, उग्रसेन, केवलराम, पुरुषोत्तम राम और रामहेत ने रास्ते पर कंटीले तार और पिलर लगाकर आवागमन पूरी तरह रोक दिया है।

- **दबंगों ने कंटीले तार और पिलर लगाकर स्कूल जाने वाले रास्ते को पूरी तरह रोक दिया**
- **गुस्साए ग्रामीणों और बच्चों ने तहसीलदार और पटवारी पर दबंगों से मिलीभगत के आरोप लगाये**

उनका कहना है कि उपखण्ड अधिकारी रैणी ने 6 जून 2025 को धारा 251(क) के तहत उनके पक्ष में निर्णय देकर 12 फीट चौड़ा रास्ता स्वीकृत किया था। इसके बावजूद राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता दर्ज नहीं किया गया। तहसीलदार और पटवारी पर दबंगों से मिलीभगत के आरोप लगाए। ग्रामीणों ने कहा कि एसडीएम और तहसीलदार मनमानी कर रहे हैं, वहीं न्यायालय के आदेश की भी अवहेलना की जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर रास्ता खुलवाने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ट्रक में गौवंश ले जाने की सूचना पर कार्रवाई

सादुलपुर, (निसं)। तारानगर से देर रात ट्रक में गौवंश ले जाने की सूचना पर एक ट्रक का पीछा करने और चालक के साथ मारपीट करने के मामले में राजगढ़ थाना पुलिस ने दो वाहनों को जप्त कर 14 आरोपियों को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिली कि तारानगर की तरफ से एक ट्रक आ रहा है, जिसके पीछे कुछ गाड़ियां लगी हुई हैं और लोग ट्रक को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना के बाद जानकारी ली तो पता चला की ट्रक को अनाज मंडी से तेज रफ्तार में आते देखा, जिसके पीछे दो गाड़ियां लगी हुई थी। जब ट्रक एसडीएम कार्यालय के पास पहुँचा तो आगे रास्ता बंद होने से चालक वाहन छोड़कर भाग गया। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने कश्मीर निवासी ट्रक के परिचालक को पकड़कर मारपीट करनी शुरू कर दी और भीड़ जमा थी। पुलिस ने भीड़ को समझाइश की, लेकिन भीड़ में शामिल लोगों ने बताया कि वे तारानगर गौशाला के सदस्य हैं और उन्हें सूचना मिली थी कि ट्रक में गौवंश ले जाया जा रहा है। इसी कारण उन्होंने ट्रक का पीछा किया। हालांकि, चालक के भाग जाने पर उन्होंने ट्रक चालक के साथ मारपीट करने की कोशिश की। पुलिस ने स्थिति को काबू में लेते हुए 13 लोगों को मौके से शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया। दो वाहनों को जप्त करने की कार्रवाई की। थाना अधिकारी ने बताया कि मामले में अंकित थौरी, संजय शर्मा, डालूराम, लालचंद, विमल कुमार शर्मा, पवन कुमार, नवीन सैन, हनुमान, अमनदीप, नवदीप सिंह, हेमंत कुमार, नवीन सिंह, आसिफ तेली, बबलू को गिरफ्तार किया एव साथ ही भगवान सिंह का नाम भी प्रकरण में सामने आया है। मारपीट में ट्रक का आगे का शीशा व साइड ग्लास भी टूटा हुआ पाया गया। ट्रक परिचालक यासीर फयाज मलिक निवासी अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) को हल्की चोटें आईं, जिसे उपचार के लिए भेजा गया। थानां अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सभी आरोपियों को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीज किए गए वाहनों को थाना परिसर में खड़ा करवाया गया।

मसूदा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोयणा के रतनगढ़ में गुरुवार शाम को पास के जंगल में करीब बारह फुट लंबा अजगर दिखाई दिया। मवेशियों को लेकर आये चरवाहों ने समाजसेवी राजकुमार मेघवंशी को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही राजकुमार मेघवंशी ने वन विभाग को खबर दी। थोड़ी ही देर में वनपाल सहायक बालूराम गुर्जर तथा वनपाल सेठ सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने अजगर का रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया।

गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के गुर्गों पर कार्रवाई

झुंझुनूं पुलिस ने खास गुर्गे राहुल स्वामी की बहन और जीजा के घर दबिश दी, पुलिस ने चार लाख की नगदी तथा पांच मोबाइल जब्त किए

सिंघाना, (निसं)। झुंझुनूं पुलिस ने अब गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के गुर्गों और फैंस पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। फैंस और गुर्गों की धरपकड़ के लिए पिछले करीब एक सप्ताह से एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में अभियान चलाया हुआ है। अब पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के खास गुर्गे सीकर के फतेहपुर सदर थाने के हिस्ट्रीशीटर राहुल स्वामी रिनाऊ की बहन के ससुराल में दबिश देकर राहुल स्वामी रिनाऊ पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

सीकर जिले के फतेहपुर तहसील के रिनाऊ गांव का रहने वाला राहुल स्वामी मार्च 2024 से फरार है, जो लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण का खास गुर्गा बताया जा रहा है। राहुल स्वामी की पुलिस को करीब पौने दो साल से तलाश है।

- **चार थानों की पुलिस के दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों ने सर्च किया**

झुंझुनूं एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने इन दिनों रोहित गोदारा और अन्य गैंगेस्टरों के गुर्गों तथा फैन्स के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण का खास गुर्गा फतेहपुर के रिनाऊ गांव का रहने वाला राहुल स्वामी अपने सिंघाना के बनवास निवासी शिव गौतम स्वामी और बहन काजल के संपर्क है। पुलिस को यह भी सूचना मिली कि राहुल स्वामी को उसका जीजा शिव गौतम स्वामी ना केवल आर्थिक मदद कर रहा है। बल्कि स्थानीय सूचनाएं भी उपलब्ध करवा रहा है। जिस पर बुहाना डीएसपी नोपाराम भाकर के नेतृत्व में चार थानों सिंघाना, बुहाना, पचेरी कलां और एंटी गैंगेस्टर टास्क फोर्स चिड़ावा की टीमों ने एक साथ सिंघाना के बनवास में स्थित राहुल स्वामी के बहन के ससुराल में दबिश दी। करीब तीन घंटे तक दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने पूरे घर में आलमारी से लेकर बैड तक चप्पा-चप्पा छान मारा। मौके से पुलिस ने चार लाख 92 हजार रूपए नगद तथा पांच मोबाइल जब्त किए है। इस कार्रवाई से झुंझुनूं में ही नहीं, बल्कि रोहित गोदारा गैंग में बड़ा हड़कंप मचा हुआ है।

एएसपी देवेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि फरार हिस्ट्रीशीटर राहुल स्वामी रिनाऊ के जीजा शिव गौतम ने सिंघाना के बनवास में अच्छी खासी संपत्ति अर्जित कर रखी है, जिसे लेकर पुलिस को शक है कि कहीं रोहित गोदारा गैंग का पैसे से यह बेनामी संपत्ति तो नहीं है। सिंघाना पुलिस द्वारा इसी गैंग से ताल्लुकात रखने वाला सिंघाना इलाके का बदमाश रोहन गुर्जर उर्फ चेची उर्फ जसपाल को भी गत दिनों गिरफ्तार किया था। जिससे पूछताछ और अन्य तकनीकी व मुखबिर से मिली जानकारी के बाद राहुल स्वामी के जीजा के घर दबिश दी गई है। इसके अलावा भी झुंझुनूं पुलिस की साइबर और सोशल मीडिया सैल लगातार सक्रिय है।

अभियान की समीक्षा

कोटपूतली । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथामके लिए 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान शुरु किया गया है। प्रदेश में अभियान के तहत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने तथा आपातकालीन सहायता प्रणाली को सुदृढ किया जा रहा है। जिला स्तर पर अभियान के प्रभावी संचालन के लिए जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी एवं जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई द्वारा संयुक्त रूप से जिला सड़क सुरक्षा समिति के माध्यम से अभियान की मॉनिटरिंग की जा रही है। अभियान के संबंध में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में किया गया।

LOST FOUND

मेरे प्लाट नम्बर ए-384, रघुनाथ विहार, जेडिए स्कीम, जयपुर का मूल अलोटमेन्ट लैटर, पजेशन लैटर/कब्जा पत्र कही खो गये है। मिलने पर सूचित करें- रीनु लुल्ला 8302555507

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक :- 8382 दिनांक :-06/11/25

जाहिर आम-सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना मे आवास संख्या 13/44 (EWS), (एरिया 36.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती गोपी देवी पत्नी श्री नानक राम को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2603 दिनांक 02.11.2007 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 108 दिनांक 16.04.2008 को जारी किया गया। श्री त्रिलोक चन्द अग्रवाल पुत्र स्व. श्री राधेश्याम अग्रवाल के पक्ष मे उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 5534/555 दिनांक 06.08.2021 के द्वारा किया गया। श्री त्रिलोक चन्द अग्रवाल के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 07.09.2021 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री त्रिलोक चन्द अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 11.04.2024 को हो जाने के कारण पंजीकृत हक्त्याग पत्र के आधार पर इनकी पत्नी श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी स्व. श्री त्रिलोक चन्द अग्रवाल द्वारा उक्त आवास स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी स्व. श्री त्रिलोक चन्द अग्रवाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:8184 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:29.10.2025

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 266/53 (EWS), (एरिया 48.90 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री राज कुमार मीणा पुत्र श्री बाबू लाल मीणा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 7427 दिनांक 18.11.2003 को जारी किया गया। श्री राज कुमार मीणा के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 03.05.2013 को उप पंजीयक - सांगानेर - प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये । श्री राज कुमार मीणा द्वारा श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री बृजलाल धाकड़ को दिनांक 09.05.2013 को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया । श्री बलवीर सिंह द्वारा मुख्तारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 13.05.2013 के द्वारा श्री राहुल कुमार गुप्ता पुत्र श्री जगमोहन गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर - प्रथम के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया । श्री राहुल कुमार गुप्ता द्वारा उक्त आवास को दिनांक 27.02.2021 के द्वारा श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री चन्द्रेश शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक - द्वितीय, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / क्रेती श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री चन्द्रेश शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी श्री चन्द्रेश शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए 9587884433

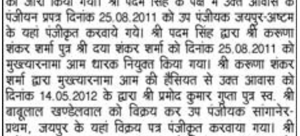

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक :- 8381 दिनांक :- 06/11/25

जाहिर आम-सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना मे आवास संख्या 114/219 (LIG), (एरिया 42.187 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री पदम सिंह पुत्र स्व. श्री विशन सिंह को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 3179 दिनांक 24.02.2001 को जारी किया गया। श्री पदम सिंह के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 25.08.2011 को उप पंजीयक जयपुर-अष्टम के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री पदम सिंह द्वारा श्री करुणा शंकर शर्मा पुत्र श्री दया शंकर शर्मा को दिनांक 25.08.2011 को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री करुणा शंकर शर्मा द्वारा मुख्तारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 14.05.2012 के द्वारा [illegible] विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-[illegible] करवाया गया। श्री [illegible] 19.09.2012 के [illegible] विक्रय कर उप [illegible] पत्र का पंजीकृत [illegible] आवास को दिनांक [illegible] चन्द रैगर को [illegible] विक्रय पत्र का [illegible] पुत्र श्री मूल [illegible] रिकॉर्ड मे अपना [illegible] है। अतः उक्त [illegible] पक्षकार को कोई [illegible] दिवस मे अपनी [illegible] रिकॉर्ड मे नाम [illegible] कैलाश सिंह पुत्र [illegible] कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

www.jda.urban.rajasthan.gov.in

क्रमांक: [illegible]/2025/डी

प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन

[illegible] योजना जैतराम [illegible] (672.92 व.मी.) का [illegible] करवाये जाने [illegible] गृ.नि.स.स. लि. [illegible] 804.81 व.ग. [illegible] श्रीमती विद्या देवी [illegible] 22 को जारी की [illegible] के नाम से है। [illegible] 10 व राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम-2021 एवं राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम 2024 के प्रावधानों के अन्तर्गत उक्त भूखण्ड का भू-उपयोग जोनल डवलपमेंट प्लान-10 अनुसार आवासीय दर्शित है। मास्टर विकास योजना-2025 अनुसार प्रस्तावित भूखण्ड का भू-उपयोग स्पेशल एरिया दर्शित है। उक्त भूखण्ड जोनल विकास योजना-10 की 18 मीटर सड़क पर स्थित है। मास्टर विकास योजना-2011 के अनुसार प्रस्तावित भूमि का भू-उपयोग आवासीय दर्शित है। उक्त आवासीय भूखण्ड संख्या ए-1 क्षेत्रफल 804.81 व.ग. (672.92 व.मी.) के साईट प्लान अनुसार उत्तर दिशा की ओर भू.सं. ए-2, पूर्व दिशा की ओर ए-7, पश्चिम दिशा की ओर 30 फीट सड़क, दक्षिण दिशा की ओर सेक्टर रोड 60 फीट स्थित है।

किन्ही दो दैनिक राज्य स्तरीय समाचार पत्रों के सभी संस्करणों में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस की कालावधि के भीतर उपरोक्त उपान्तरण के संबंध में आपत्ति/ सुझाव जोन कार्यालय अथवा निम्न हस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते हैं। यह विज्ञप्ति आज दिनांक 05.11.2025 को जारी की गई।

हस्ताक्षर: अनुज भारद्वाज, डिप्टी कमीशनर (PRN-South-2), JDA Jaipur.

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य बालुराम पुत्र नृसिंहराम कुमावत निवासी बडीवालों की ढाणी, ग्राम मण्डा भीमसिंह त0 किशनगढ रेनवाल जिला जयपुर राज0। मेरे अभिभाष्य का पुत्र कमलेश कुमार पुत्र बालुराम उम्र 30 साल है जो कि मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है तथा अपनी मनमर्जी करता है। इस कारण मेरे अभिभाष्य की समाज में प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है, इस कारण मेरे अभिभाष्य के पुत्र कमलेश कुमार को मेरा अभिभाष्य अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है तथा उसका भविष्य में कोई सम्बन्ध व सरोकार नहीं रहेगा। जो भी व्यक्ति या संस्था मेरे अभिभाष्य के पुत्र कमलेश कुमार से लेन-देन/व्यवहार करेगा वह स्वयं जिम्मेवार होगा। सूचित रहें।

हेमराज कुमावत (एडवोकेट)
ऑफिस पता- न्यू कोर्ट बिल्डिंग साँभर लेक जिला जयपुर राजस्थान
मो.नं.-9414824298

गांधी चबूतरे को तोड़ने पर हंगामा

मनोहरपुर । शहर के गांधी चौक में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर गुरुवार को माहौल गर्मा गया। पालिका द्वारा महात्मा गांधी के पदचिह्न (चबूतरे) को तोड़े जाने की आशंका पर कांग्रेस कार्यकर्ता नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन खान के नेतृत्व में रमेश हलकारा, महावीर सैनी, इकबाल खान, पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, कैलाश गुर्जर, पंकज, खेमचंद असवाल, रामस्वरूप, शशिकांत बेनीवाल, रवि मीणा, मंगल सैनी, इमरान, आजाद धरने पर बैठ गए। धरने के दौरान नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन खान ने कहा कि गांधी जी का यह चबूतरा न्याय और गांधीवादी सिद्धांतों का प्रतीक है, जिसे किसी भी हालत में नहीं तोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पालिका पहले नया चबूतरा बनवाकर गांधी जी के पदचिन्ह उस पर स्थापित करे, उसके बाद ही पुराने चबूतरे को हटाने पर विचार किया जाए। सूत्रों के अनुसार, पालिका ने एक दिन पूर्व ही सौंदर्यकरण कार्य शुरू किया था, जिसमें गांधी चबूतरे के विरोध में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांधी चौक पर एकत्र हुए। इस दौरान पालिका अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव और कनिष्ठ अभियंता वीरेन्द्र कुमार मौके पर पहुंचे और धरनार्थियों से वार्ता कर समाधान का आश्वासन दिया इस दौरान कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली।

कटघरे से हिस्ट्रीशीटर भागा

भरतपुर (निस)। भरतपुर के एससी एसटी कोर्ट में बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई, जब जेल भेजे जाने के आदेश मिलते ही हिस्ट्रीशीटर सुरेंद्र उर्फ बबला कटघरे से कूदकर फरार हो गया। आरोपी पर विभिन्न थानों में करीब 19 मामले दर्ज हैं और वह बयाना का हिस्ट्रीशीटर है। सीओ पंकज यादव ने बताया कि सुरेंद्र उर्फ बबला एससी एसटी एक्ट के वांछित मामले में 4 नवंबर को कोर्ट में सरेंडर करने आया था। उसकी एक अन्य केस में हाईकोर्ट से जमानत खारिज हो चुकी थी, इसलिए कोर्ट ने उसे जेल भेजने का आदेश दिया। आदेश सुनते ही वह अचानक कटघरे से कूदकर भाग निकला। एससी एसटी कोर्ट के रीडर अशोक कुमार ने मथुरा गेट थाने में मामला दर्ज करवाया। उन्होंने बताया कि सुरेंद्र को सुनवाई के दौरान कटघरे में खड़ा किया गया था। जैसे ही चलनी गार्ड को बुलाया गया, आरोपी मौके का फायदा उठाकर कोर्ट परिसर से फरार हो गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ भरतपुर, बयाना, सूरौठ, हिंडौन सहित विभिन्न इलाकों में 19 एफआईआर दर्ज हैं। वह बयाना सदर थाने का घोषित हिस्ट्रीशीटर भी है।

युवक से मारपीट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

निवाई । निवाई पुलिस ने दशहरा मैदान से एक युवक का अपहरण कर मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त स्वीफ्ट डिजायर कार को भी जब्त किया है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि 19 अक्टूबर को परिवादी मुकेश उर्फ शिवराज पुत्र राजाराम

- **घटना में प्रयुक्त कार जब्त**

शर्मा निवासी गिरधारीपुरा ने मामला दर्ज करवाया था कि 19 अक्टूबर को बिटू मीणा बरोनी, कमल गुर्जर, हरिराम गुर्जर, हेमराज गुर्जर व धारासिंह गुर्जर सहित करीब 10-12 लोग एक स्वीफ्ट डिजायर कार, एक बलेनो कार व दो-तीन मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए। जिन्होंने उसके साथ मारपीट कर उसको जबरदस्ती कार में बैठाकर मारपीट करते हुए अभयपुरा गांव में ले गये। जहां उसको एक खम्बे के बांधकर उसके साथ मारपीट कर 1600 रूपये की नकद राशि छीन ली और दबाव बनाकर 23 ट्रोली बजरी का आरोप लगाकर उससे 1 लाख 38 हजार रूपए की लिखा पढी करवाली। पुलिस ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की टीम गठित की। टीम को सूचना मिली कि आरोपी फिलहाल गांव अभयपुरा में मौजूद है। सूचना पर गठित टीम आरोपियों की तलाश के लिए गांव अभयपुरा पहुंची। जहां आरोपी कमलेश पुत्र शंकरलाल गुर्जर, हरिराम पुत्र लादूलाल गुर्जर, हेमराज पुत्र धन्नालाल गुर्जर तीनों निवासी अभयपुरा थाना बरोनी को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन स्वीफ्ट डिजायर कार को भी जब्त किया है।

निवाई पुलिस ने युवक का अपहरण कर मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कोटपूतली स्वदेशी उत्सव की शुरुआत आज से

- **जिला मुख्यालय से ग्राम पंचायत स्तर तक वंदे मातरम 150 के आयोजन होंगे**
- **जिला स्तर पर 8 को विविध कार्यक्रम होंगे**
- **विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकों व आम नागरिकों द्वारा देशभक्ति के माहौल में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ 'वंदे मातरम' गायन का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा।**
- **8 नवंबर को जिला स्तरीय कार्यक्रम में रन एवं बाइक रैली का आयोजन प्रातः 8 बजे से सरदार रा उ मा विद्यालय कोटपुतली से किया जायेगा**

कोटपूतली । राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में राज्य के साथ-साथ जिले, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर तक आगामी 7 नवम्बर 2025 से 15 नवंबर तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रम में सभी सरकारी और गैर-सरकारी शिक्षण संस्थान, , महाविद्यालय, एनसीसी, एनएसएस, हिंदुस्तान स्काउट गाइड, पुलिस एवं आरएसी के जवान, सामाजिक संगठन और आमजन की भागीदारी रहेगी।

इस अवसर पर विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकों व आम नागरिकों द्वारा देशभक्ति के माहौल में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ 'वंदे मातरम' गायन का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में 7 नवंबर को समस्त ग्राम पंचायतों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन, प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा एवं ब्लॉक स्तर पर रन, रैली, स्वच्छता अभियान एवं सामूहिक सेवा कार्य किए जाएंगे । 8 नवंबर को जिला स्तरीय कार्यक्रम में रन एवं बाइक रैली का आयोजन प्रातः 8 बजे से सरदार रा उ मा विद्यालय कोटपुतली से पुतली कट से वापस विद्यालय तक किया जाएगा। विद्यालयों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन, चित्रकला, निबंध लेखन, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं एवं एनएसएस स्वयसेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान और रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे, साथ ही सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम और स्वदेशी के प्रचार हेतु संकल्प पत्रों का वितरण किया जाएगा. स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिजनों का सम्मान कार्यक्रम प्रातः 9:15 बजे से आयोजित किया जाएगा, साथ ही इस अभियान से जन-जन को जोड़ने के लिए हैशटैग के साथ सोशल मीडिया अभियान भी चलाया जाएगा।

जांगिड ब्राह्मण समाज के 5 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

फुलेरा । श्री विश्वकर्मा मंदिर प्रबंध समिति फुलेरा के तत्वावधान में बुधवार को जांगिड ब्राह्मण समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन हर्षोल्लास एवं धूमधाम से सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में कुल 5 जोड़ों का पारंपरिक रीति-रिवाजों से वैवाहिक संस्कार सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष भंवरलाल जायलवाल ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता श्री श्री 1008 संत सर्वेश्वर दास महाराज श्याम ने की।

बुधवार सुबह गणेश मंदिर न्यू कॉलोनी से बारात की शोभायात्रा रवाना होकर श्री विश्वकर्मा मंदिर पहुंची। तोरण एवं वरमाला के पश्चात पाणिग्रहण संस्कार विधिवत सम्पन्न हुए। समारोह में आए भामाशाहों व अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत-सम्मान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में सहयोगी संस्थाओं, भामाशाहों एवं समाज के लोगों ने भरपूर सहयोग देकर समाज की एकता और संगठन की मिसाल प्रस्तुत की।

अंत में मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रविशंकर कोतुकथलिया ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और संस्कारों को मजबूत करते हैं।

श्री विश्वकर्मा मंदिर प्रबंध समिति फुलेरा के तत्वावधान में जांगिड ब्राह्मण समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन हर्षोल्लास एवं धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

राजगढ़ के केंद्रीय विद्यालय को बाहर ले जाने का विरोध

राजगढ़ । केंद्रीय विद्यालय को राजगढ़ से बाहर नहीं जाने को लेकर राजगढ़ आवाज मंच की ओर से बुधवार को

- **पहले भी कृषि महाविद्यालय राजगढ की जगह रेणी खोल दिया गया है**

उपखंड अधिकारी सुश्री सीमा मीणा को ज्ञापन देकर लोगों ने नाराजगी व्यक्त की। विदित रहे विकास की दृष्टि से उपेक्षित राजगढ़ के महत्व को हमेशा ही नजरअंदाज किया जाता रहा है।

दूसरी और राजगढ़ के नाम से स्वीकृत केंद्रीय विद्यालय को भी राजगढ़ क्षेत्र से बाहर खोलने को लेकर गुपचुप में कवायद शुरू हो गई। इस बात को लेकर राजगढ़ कस्बे के लोगों ने रोष व्यक्त कर केंद्रीय विद्यालय को राजगढ़ क्षेत्र में ही रखे जाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया। इसके चलते बुधवार को राजगढ़ आवाज मंच की ओर से उपखंड अधिकारी सुश्री सीमा मीणा को लोगों ने ज्ञापन देकर रोष जताया। । राजगढ़ आवाज मंच की ओर से मुकेश जैमन एवं अन्य की ओर से दिए गए ज्ञापन में पता है कि राजगढ़ के हितों के साथ हमेशा खिलवाड़ होता रहा है। पूर्व में कृषि महाविद्यालय राजगढ की जगह रेणी खोलने एवं रोडवेज के बस डिपो राजगढ़ की जगह दूसरी जगह खोल दिया गया।

केंद्रीय विद्यालय को राजगढ़ से बाहर नहीं जाने को लेकर लोगों ने उपखंड अधिकारी सुश्री सीमा मीणा को ज्ञापन सौंपा।

नाम परिवर्तन

I Hari Singh Jat S/o Shri Mukh Ram Jat Army No. 14835047F Rank- Naik have changed my daughter name from Sabita to Savita for all purpose and my army record. R/o Dhani Gijroya ki, Village Veer Tejaji Nagar, Barnagar, Paota, Jaipur Rajasthan.

I have changed my name from Narendra Singh to Narendra Singh Rathore S/o Bhanwar Singh for all purpose. R/o 18-A, Ram Rama Vihar, Bajri Mandi Road, RR Paradise marriage garden, Panchyawala Jaipur- 302034

I Niyati (old name) daughter of Manoj Nagi R/O 103, D1A Shaitan Singh vihar (AWHO) Sector -1 Vidhyadhar Nagar, Jaipur Raj 302039, has changed my name from Niyati to Niyati Nagi for all future purposes

I, Sheetal Mohnot W/o Mr. Manoj Munot R/o P.No. 59 Pachim Vihar, Block-C, Keshopura Ajmer Road, Jaipur- 302026 that our daughter name recorded as Dhanayata Mohnot in all our records. I have changed my daughter name from Dhanayata Mohnot to Danayata Mohnot for all purpose in future.

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लाट नं-01-02, अमित रेजिडेन्सी-बी, थानक्या, जयपुर (राज.) का मूल पट्टा, रसीद, साईट प्लान जो झालाना डुंगरी गृह निर्माण सहकारी समिति लि.जयपुर द्वारा श्री महेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री सत्यनारायण अग्रवाल के नाम जारी किया गया था। उक्त दस्तावेज कहीं खो गये है चूंकि सोसायटी में डुप्लीकेट पट्टा जारी करवाने बाबत आपत्ति हो तो 30 दिवस में सोसायटी में दर्ज करवा दे बाद मियाद सोसायटी डुप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिए स्वतंत्र रहेगी। कृपया सूचित रहे।

झालाना डुंगरी निर्माण सहकारी समिति लि.
रजि.नं. 25/एल.सी., मो.नं.-8078600067

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री संदीप कुमार चौधरी, निवासी वार्ड नं.9, झुंझुनूं (राज.) की पुत्री ईशा चौधरी उम्र 25 वर्ष मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है, जो कि अपने सम्पूर्ण कार्यों का सम्पादन अपनी मर्जी से करती है। मेरा अभिभाष्य अपनी चल व अचल सम्पत्ति से अपनी पुत्री ईशा चौधरी को बेदखल करता है। भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति मेरे अभिभाष्य की पुत्री ईशा चौधरी से कोई लेन-देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा।

(डॉ.सम्पत सिंह) एडवोकेट
चैम्बर नं.110, सिविल कोर्ट, बनीपार्क, जयपुर
मो.नं. 9414409353

न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रमांक-2, हिण्डौन सिटी

सी.एम.नं. 25/25 630/27.10.25

नोटिस हर खास व आम

श्यामलाल बनाम हरखास आम

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधिनियम 1925 मृतक रामस्वरूप की उत्तराधिकारी बाबत प्रमाण-पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्यामलाल आयु 58 साल पुत्र रामस्वरूप, जाति जाटव निवासी पिलुवा, देवलेन तहसील हिण्डौनसिटी जिला करौली (राज.) ने इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपने पिता रामस्वरूप पुत्र मुरली के बैंक अकाउन्ट नम्बर 15080100004273 बैंक ऑफ बडौदा शाखा महूइब्राहिमपुर से मृतक रामस्वरूप की मिलने वाली राशि व लाभ-परिलाभ के लिए उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु प्रार्थना पत्र पेश किया है।

लिहाजा जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना पत्र के स्वीकार करने में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी उपस्थिति इस न्यायालय में दिनांक 07.11.2025 को समय 10 ए.एम. बजे असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे, वरना गुजरने म्याद उक्त दिनांक के बाद कोई आपत्ति स्वीकार नही होगी एवं प्रार्थना-पत्र एकतरफा में सुनकर फैसला कर दिया जावेगा। मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 27.10.2025 को जारी किया गया। **आज्ञा से-**

(मुहर) **अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रमांक-2 हिण्डौन सिटी**

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय पारिवारिक न्यायाधीश क्रम-5 स्थान जयपुर महानगर

माया चापोला विरूद्ध हेमचन्द सिंह

वाद/प्रार्थना प. बाबत विवाह विच्छेद 13 ANMA

प्रार्थना पत्र संख्या 534/2025 सन्

नाम हेमचन्द सिंह पुत्र श्री भुपाल सिंह जाति रावत पता प्लाट नं.15, प्रताप नगर-2, झोटवाडा जयपुर

उक्त प्रार्थीया ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि.....

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि.8 माह 12 सन् 2025 को 10 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज ता.14 माह 10 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

(मोहर अदालत) **वरिष्ठ मुंसरिम पारिवारिक न्यायालय क्रम-5 जयपुर महानगर-प्रथम**

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल जाब्ता दीवानी)

आज अदालत सहायक कलक्टर जयपुर शहर द्वितीय मुकाम जयपुर

गोविन्द राम बनाम चौथू

दावा बाबत

मुकदमा नं. 35 सन् 2016

बनाम- मुसम्मी- 17/1 बनवारी लाल वल्द जगदीश
17/2 कालू वल्द जगदीश
17/3 म्होरी पुत्री जगदीश
17/4 लाली पुत्री जगदीश

साकिन समस्त निवासी ग्राम हरध्यानपुरा परगना तहसील-सांगानेर जयपुर समस्त कौम हरियाणा ब्राह्मण

चूंकि वादी ने इस अदालत में तारीख माह सन को 1.गोविन्दराम बनाम 2. चौथू दायर की जो कि बाद में फोत हो गया और चूंकि मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1. आपको तारीख 7 माह 11 सन् 2025 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 04 माह 11 सन् 2025 को जारी किया गया। (मोहर अदालत)

आज्ञानुसार-रीडर
सहायक कलेक्टर, जयपुर शहर द्वितीय

कार्यालय नगरपालिका मण्डल मनोहरपुर जिला जयपुर

E-mail: npmanoharpur@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- न.पा.मनो./भूमि/2025-26/2243 प्रारूप 10 नियम 6 (7) देखिये दिनांक :- 06/11/2025

लोक सूचना

आवेदनकर्ता श्रीमति विभा शर्मा पत्नि श्री बनवारी लाल शर्मा, जाति ब्रहामण निवासी बावन जी का मौहल्ला कस्बा मनोहरपुर जयपुर (राज.), ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजनार्थ) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
जिला जयपुर तहसील शाहपुरा	मनोहरपुर	9256/9042	1667 वर्गमीटर	आवासीय

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 06/11/2023.. को जारी की गई है।

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका मनोहरपुर

कार्यालय नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपुतली- बहरोड़)

नवोदय स्कूल के पास पावटा-303106, राज.

फोनः 01421-294619, Email Id: Nagarpalikapagsapramil.com, Website: www.Paetaprugica.com

क्रमांक-न.पा.पाव.प्रा./2025-26/832 प्रारूप-10 (नियम (7) दिनांक-27/10/2025

लोक सूचना

मैसर्स राजोरिया बिल्डरकवायर एल.एल.जरिये श्री रामसिंह सैनी पुत्र श्री सोहन लाल सैनी जाति माली निवासी नेशनल स्कूल के पास गांव दादुका मालोजी तह. कोटपूतली, जिला-कोटपूतली बहरोड ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैरकृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिवृति अधिकारो के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
पावटा-कोटपूतली-बहरोड	प्रागपुरा	430/1	5500.00 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजनार्थ

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1965 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनो के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजो के साथ आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियम समय-समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जावेगा। और तदानुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर व मोहर के अधिन आज दिनांक 27/10/2005 को जारी की गई है।

(फतेह सिंह मीणा) प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला - अजमेर (राज)

क्रमांक / नपकि / विकास / 2025 / 2217 दिनांक 29.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्या - 23/2025-2026

नगर परिषद किशनगढ की ओर से नगर परिषद किशनगढ एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार निर्धारित श्रेणी सिविल कार्यो में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाऍ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 30.10.2025 को 04:00 पी.एम. से तथा प्राप्त करने की अन्तिम दिनांक 10.11.2025 को 06:00 पीएम तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2526A7534

राज.संवाद / सी / 25 / 13151 **आयुक्त नगर परिषद्, किशनगढ़**

नगर निगम ग्रेटर जयपुर

(अम्बाबाडी सर्किल, अम्बाबाडी जयपुर)

क्रमांक :- जसअ / 2025 / 280 दिनांकः 03.11.2025

ई- निविदा सूचना संख्या 235 से 242/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदां आमंत्रित की जाती हैं। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं। SPPP portal UBN No. JMC2526WSOB01929 To JMC2526WSOB01936

अधिशाषी अभियन्ता विद्याधर जोन नगर निगम जयपुर (ग्रेटर)

राज.संवाद / सी / 25 / 13221

नगर निगम ग्रेटर जयपुर

मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर।

क्रमांक :- जसअ / 2025 / 281 दिनांकः 04.11.2025

ई- निविदा सूचना संख्या 224-226/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं। SPPP portal UBN No. JMC2526WSOB01947, UBN No. JMC2526WSOB01948 to UBN No. JMC2526WSOB01949

अधिशाषी अभियन्ता मुरलीपुरा जोन नगर निगम ग्रेटर जयपुर।

राज.संवाद / सी / 25 / 13223

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/183 - 185 Date :- 30/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 52/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 378.17 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	18.11.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00312 To ITU2526WSOB00321

अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/13254

प्ररूप-10
(नियम 6 (7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका मनोहरपुर

क्र.सं. : 2299 **लोक सूचना** दिनांकः 06.11.2025

इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
शाहपुरा, जयपुर	शिवपुरी	KESHAV NAGAR-2nd (A- BLOCK) KHASRA NO 5468, 5464/3, 5465/1, 5466/1, 5466/3, 5467/1, 5467/2, 5468/1, 5494/1, 5494/2,	23245.88 SQ.YDS (19436.51 SQ.MTR)
शाहपुरा, जयपुर	शिवपुरी	KESHAV NAGAR-2nd (BLOCK-B) , KHASRA NO. 5497/1, 5497/2, 5497/3, 5497/4, 5497/5, 5499/1, 5499/2, 5499/3, 5499/4, 5500/1, 5500/2, 5500/3, 5500/4, 5500/5, 5500/6, 7376/1, 7376/4, 7377/1, 7377/3, 7377/4,	21864.55 SQ.YDS (18281.54 SQ.MTR)

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क (सुमोटो) और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06.11.2025 को जारी की गयी।

राज.संवाद / सी / 25 / 13283 **प्राधिकारी अधिकारी**

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.

Tel.- (01434) 232013 E-mail : npdeoli@gmail.com

क्रमांक :: न.पा.दे. / आपत्ति आमन्त्रण सूचना / 2025-26 / 18657961 दिनांक : 04.11.2025

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

एतद्द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र में अधोलिखित व्यक्तियों द्वारा अपनी सम्पति के कृषि भूमि नियमन, लीज डीड हेतु आवेदन किया गया है। किसी भी व्यक्ति को निम्नांकित इजाजत बाबत् आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर म्याद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावें। बाद म्याद गुजरने आपत्ति मान्य नहीं होगीं।

क्र. स.	नाम प्रार्थी	मौहल्ला	भूखण्ड संख्या / नाप	प्रयोजन
1.	श्री भंवर सिंह हाडा पुत्र श्री नाथू सिंह	वार्ड संख्या 25 पटेल नगर देवली	भूखण्ड संख्या डी-8 नाप 177.77 वर्गगज	लीज डीड
2.	श्री दक्ष जैन पुत्र श्री नेमीचन्द जैन	ग्राम ऊंचा, श्याम नगर-1 पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 39 नाप 60.95 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
3.	श्री दक्ष जैन पुत्र श्री नेमीचन्द जैन	ग्राम ऊंचा, श्याम नगर-1 पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 34 नाप 97.95 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
4.	श्री दक्ष जैन पुत्र श्री नेमीचन्द जैन	ग्राम ऊंचा, श्याम नगर-1 पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 33 नाप 83.61 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
5.	श्री दक्ष जैन पुत्र श्री नेमीचन्द जैन	ग्राम ऊंचा, श्याम नगर-1 पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 32 व 31 का उत्तरी भाग नाप 305.93 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
6.	श्री कप्तान खान पुत्र श्री वजीर खां, श्री इरफान मोहम्मद मंसूरी पुत्र श्री कप्तान खान	ग्राम ऊंचा, श्याम नगर पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 84 नाप 116.66 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
7.	श्री अंकित काबरा पुत्र श्री गोविन्द काबरा	ग्राम ऊंचा, जानकी नगर पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 14 नाप 200 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
8.	श्री मुकेष माहेष्वरी पुत्र श्री राम लक्ष्मण माहेष्वरी, श्रीमती उर्मिला माहेष्वरी पत्नी श्री मुकेष माहेष्वरी	ग्राम ऊंचा, जानकी नगर पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 28 नाप 138.88 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
9.	श्री कुमार गोरव माहेष्वरी पुत्र श्री रामलक्ष्मण माहेष्वरी, श्री राजेष जाजू पुत्र श्री मोती शंकर जाजू	ग्राम ऊंचा, जानकी नगर पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 12 व 13 नाप 400 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
10.	श्री सुरेन्द्र कुमार ग्वाला पुत्र श्री मोहन लाल ग्वाला	ग्राम ऊंचा, जानकी नगर पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 14 नाप 72.50 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
11.	श्रीमती कामना सुवालका पत्नी श्री अनिल कुमार सुवालका	ग्राम देवली गांव नेकचाल रोड़ देवली	भूखण्ड संख्या 1 नाप 216.66 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
12.	श्री अनिल कुमार पुत्र स्व. श्री ताराचन्द सुवालका	ग्राम देवली गांव नेकचाल रोड़ देवली	भूखण्ड संख्या 3 नाप 187.77 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन
13.	श्री भंवर कंवर पत्नी श्री बजरंग सिंह राजपूत	ग्राम ऊंचा, ज्योति कॉलोनी पैराफेरी ऐरिया देवली	भूखण्ड संख्या 26 नाप 92.71 वर्गगज	कृषि भूमि नियमन

राज.संवाद / सी / 25 / 13294 **अधिशाषी अधिकारी**

संक्षिप्त

अस्पतालों में साफ सफाई रखने के आदेश

पावटा । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रमुख शासन सचिव द्वारा अधिकारियों को निर्देश प्रदान कर 5 से 7 नवम्बर तक समस्त विभागीय अधिकारियो को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने व रिपोर्ट के आधार पर मानक पूरे नहीं करने वाले चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक सुधार के लिए कदम उठाए जाने के निर्देशों की पालना गुरुवार को डॉ. आशिष सिंह शेखावत सीएमएचओ ने नोडल प्रभारी रविकांत जांगिड व उपजिला अस्पताल पावटा प्रभारी डॉ. रवि बंसल व चिकित्सकों की टीम के साथ उपजिला अस्पताल पावटा का निरीक्षण किया। इसके साथ-साथ समस्त संस्थानों पर दवा एवं जांच साफ-सफाई वार्डों का भी निरीक्षण किया । सघन निरीक्षण अभियान के लिए विभाग द्वारा ओडीके ऐप बनाया गया है जिसमें ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जानी है। इसके लिए सीएमएचओ स्तर पर भी टीम बनाई गई है जिसमें डॉ प्रमोद सिंह भदौरिया, डॉ जय भगवान, डिप्टी सीएमएचओ डॉ अरविंद अठावाल, आरसीएचओ योगेश सिंगल, डीपीएम रविकांत जांगिड जिला नोडल अधिकारी को लगाया गया है । ब्लॉक स्तर से समस्त बीसीएमओ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी को भी निर्देश दिए गए हैं।

हादसे में 4 घायल

टोंक । निवाई स्थित जयपुर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रॉयल होटल के पास दो मोटरसाइकिलों की टक्कर से एक महिला सहित तीन सवार घायल हो गए। इस दौरान मौके पर मौजूद राहगीरों व ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को उपजिला अस्पताल निवाई में भर्ती कराया तथा प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बादाम देवी और पीयूष को टोंक जिला अस्पताल टोंक रैफर कर दिया। बाद में सूचना पर निवाई थाना टीम अस्पताल पंहुची तथा घायलों से हादसे की जानकारी ली।

आरएएस में चयनित प्रतिभाओं व पदोन्नत पुलिसकर्मियों का सम्मान

- युवाओं की ऊर्जा और बुजुर्गों के अनुभव के मेल से ब्राह्मण समाज नई ऊचाइयां हासिल करेगा

पावटा । तहसील ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आरएएस में चयनित प्रतिभाओं व पदोन्नत पुलिसकर्मियो का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि संत शिरोमणि मंगलदास महाराज व भगवान परशुराम के सान्निध्य व अध्यक्षता एवं तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में आरएएस में चयनित हुए भाबरू निवासी संजना शर्मा पुत्री रविशंकर शर्मा, आदित्य शर्मा पुत्र अरविंद शर्मा निवासी रघुनाथपुरा एवं पुलिस महकमे में एएसआई पद पर पदोन्नित होने पर अरविंद शर्मा, अविनाश शर्मा को प्रशस्ति पत्र व भगवान परशुराम का मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान महाराज मंगल दास महाराज ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और बुजुर्गों के अनुभव के मेल से समाज नई ऊंचाइयां हासिल करेगा। पूर्व विधायक सुभाष शर्मा ने समाज के युवाओं और

ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां समाज की ताकत हैं, जिन्हें प्रोत्साहित करना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम संयोजक तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि मौजूद समय में ब्राह्मणों को संगठित होकर अपने हक की लड़ाई लड़ने की आवश्यकता हैं। ब्राह्मण समाज के लोगों में एकता के साथ युवाओं में समाज आमजन की भलाई की जाठाति लानी होगी। शिक्षा के क्षेत्र में ब्राह्मण समाज ने प्रगति की हैं और इस जोत को अखंड रखना होगा। सम्मान समारोह में तहसील कार्यकारिणी के पदाधिकारी ने पूरे जोश और विश्वास के साथ गणमान्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। प्रतिभाओं का सम्मान करना यहां इस मंच पर लोगों को एक साथ लाने, एक-दूसरे से जुडने और सकारात्मक माहौल बनाने का अवसर प्रदान करना है। तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, पदाधिकारी सुरेश शर्मा बजरंगपुरा, गजानंद टीलावत, विष्णु शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, राहुल शर्मा, धीरज वशिष्ठ, घनश्याम शर्मा, भूनेश शर्मा, अमित शर्मा सहित अनेक विप्र बंधुओं ने आए हुए ब्रह्म समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया। वहीं कार्यक्रम में सोहनलाल महाराज, पंडित द्वारकेश शास्त्री, हिमांशु शर्मा, प्रिंस मिश्रा, राघव, दीपक भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में विप्र बंधु मौजूद रहे।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस की बैठक

टोंक । जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर गुरूवार को मतदाता सूची पुनरीक्षण के एसआईआर को लेकर जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, बैठक में मुख्य अतिथि टोंक विधानसभा संगठन प्रभारी डॉक्टर सुमित गर्ग रहे। बैठक में प्रभारी गर्ग ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक अधिकारों को चोरी कर सत्ता पर काबिज हो गई है, अपने संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए हमें सजक और जागरूक रहना पड़ेगा। इस समय कांग्रेस कि देश को बहुत जरूरत है क्योंकि वह चोरी हमारे लिए एक बहुत बड़ी चुनौती बन गई है। उन्होंने एसआईआर को लेकर कहा कि बीलओ घर-घर जाकर लोगो के फार्म भरवा और आम जनता को जागरूक करें। इस दौरान जिलाध्यक्ष बैरवा ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण के काम को हमें एक मिशन के रूप में करना है। इस अवसर पर संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया, अजमल इथ्यादि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया।

‘बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने पर होगी कार्यवाही’

- पुलिस थाने में आयोजित बैठक में थानाधिकारी ने सीएलजी सदस्यों से चर्चा की
- बैठक में थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने सभी सदस्यों को प्रदेश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी दी
- शहर में अति शीघ्र अभियान चलाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सही किया जाएगा

निवाई । पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्रसिंह भाटी के निर्देशानुसार थाना परिसर में सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक व शांति समिति के सदस्यों की बैठक थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने सभी सदस्यों को प्रदेश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी दी। बैठक में सदस्यों ने मॉडिफाइड दोपहिया वाहनों से हो रहे ध्वनि प्रदूषण से अवगत करवाया। सदस्यों ने बताया कि नाबालिग बच्चे जिनके बाईक पर बैठने पर पैर तक जमीन पर नहीं टिकते हैं, वह शहर में तेज गति से बाइक चलाते हैं। थानाधिकारी ने सभी सदस्यों को आश्वासन दिया कि शहर में अति शीघ्र अभियान चलाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सही किया जाएगा। नाबालिग बच्चे अगर दुपहिया वाहन चलाते हुए मिलते हैं तो उसके जिम्मेदार स्वयं उसके माता-पिता होंगे। उन्होंने कहा कि शहर में लगातार पटाखे छोडने वाले वाहनों को भी जब्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बिना ड्राइविंग लाइसेंस पाए जाने पर परिवहन एक्ट में कार्यवाही की जाएगी जिसमें 10 हजार रूपए का जुर्माना देना पड़ेगा व वाहन भी जब्त होगा। बैठक में सीताराम मीणा भणकपुरा, कन्हैयालाल सीन्दरा, हितेशसिंह चौहान, मोहित जैन सारसोप, राजेंद्र चौधरी, शिवराज चंवरिया, हंसराज बैरवा भांवती, मनोज पाटनी, राजू मालावत, धर्मेंद्र भदाला, बंसीलाल माली, किशन वर्मा, किशन सींदरा व मनराज मीणा जटावती सहित कई सदस्य मौजूद थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

टोंक। दूनी थाना क्षैत्र में आवां रोड पर स्थित पेट्रोल पंप के पास बुधवार रात्रि को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जिसके बाद सूचना पर दूनी पुलिस पर पहुंची तथा हादसे में घायल बाईक सवार को अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

दूनी पुलिस ने बताया कि हादसे में मृत युवक अशोक पुत्र रमेश मेवाड़ा उम्र 42 साल निवासी दूनी जो बुधवार को निजी कार्य करके आवां से वापस रात्रि दूनी लौट रहे थे। इस दौरान दूनी स्थित पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आयी, जिसे मौके पर पंहुची पुलिस ने दूनी अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पंहुचे परिजनो व ग्रामीणो ने बताया कि मृतक के 2 बेटियां है, जो आर्थिक रूप से कमजोर है।

सार-समाचार

दर्जनों बेसहारा गोवंशों को पकड़ा

पावटा । पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के पावटा कस्बे में गुरुवार को बेसहारा घूम रहे गोवंशों को पकड़ने के लिए नगर पालिका द्वारा चलाए गए अभियान के तहत पावटा कस्बे में विभिन्न स्थानों से दर्जनोंगोवंशोंको पकड़ ग्राम भूरी भडाज गोशाला पहुंचाया। जब तक कस्बा बेसहारा गोवंशों से मुक्त नहीं होता, तब तक पालिका का यह अभियान जारी रहेगा। बेसहारा गोवंशों का पकड़कर गोशालाओं में पहुंचाया जाएगा। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका ईओ फतेह सिंह मीणा द्वारा बेसहारा गोवंशों को पकड़ने के निर्देश जारी किए थे। जिसके बाद टेंडर ठेकेदार द्वारा क्षेत्र में खुले में घूम रहे बेसहारा पुशओं को पकडने का अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान कस्बे में टसकोला रोड, चमत्कारी चौराहा, काका मार्केट, बोहरा मोहल्ला सहित विभिन्न स्थानों पर घूम रहें दर्जनों बेसहारा पशुओं को पकड़ा गया। ठेकेदार कर्मियों ने रस्सियों के माध्यम घेरा डालकर पशुओं को पकडा। उन्हें वाहन में चढाया गया। इसके बाद उन्हें श्री कृष्ण गौशाला भूरी भडाज गौशाला में पहुंचाया। बेसहारा पशुओं को पकड़ने का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। जल्द ही क्षेत्र में घूमने वाले सभी बेसहारा पशुओं को पकड़ा जाएगा। उन्होंने कोई भी क्षेत्र वासी गो वंशों का इस्तेमाल करने के बाद उन्हें खुले में न छोड़ । यदि उन्हें गोवंश को छोड़ने है तो अपनी नजदीक गोशाला में इन्हें छोड़ करआए।

अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

फुलेरा । रेलवे स्टेशन फुलेरा पर तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाए गए एक अज्ञात व्यक्ति की जयपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर परिजनों की तलाश शुरू कर दी है। जीआरपी थानाधिकारी गुलज़ारीलाल ने बताया कि 29 अक्टूबर को फुलेरा स्टेशन पर एक करीब 50 वर्षीय व्यक्ति बेसुध अवस्था में मिला था। हालत गंभीर होने पर उसे सीएचसी फुलेरा ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने एसएमएस अस्पताल जयपुर रैफर कर दिया, जिसे आरटी वार्ड-2 में भर्ती किया गया था। इलाज के दौरान 1 नवंबर की शाम 7:20 बजे उसकी मृत्यु हो गई। इस पर जीआरपी फुलेरा में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। एएसआई भजनाराम ने अज्ञात मृतक का हुलिया बताया कि पुरुष, उम्र करीब 50 वर्ष, रंग सांवला, शरीर दुबला-पतला, भिखारी जैसा रूप, भगवा टी-शर्ट व नीली जीन्स पहने हुए था। जीआरपी ने लोगों से अपील की है कि यदि मृतक के बारे में कोई जानकारी हो तो थाना फुलेरा से संपर्क करें।

सघन निरीक्षण अभियान जारी

कोटपूतली । जिले में सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा हैं। सीएमएचओ डॉ. आषीष सिंह शेखावत ने जानकारी देते हुये बताया कि मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड द्वारा दिये गये निर्देषानुसार जिले में 5 से 7 नवम्बर तक सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा हैं। अभियान के तहत समस्त अधिकारी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर मानक पूरे नहीं करने वाले चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक सुधार के लिये कदम उठायें जायेंगे। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दुरुस्त करवाकर चिकित्सा संस्थान पर व्यवस्थायें सुनिश्चित की जायेंगी। संस्थानों पर दवा एवं जांच, साफ-सफाई, वार्डों का निरीक्षण किया जायेगा। संस्थानों पर राज हैल्थ पोर्टल पर नियमित डेटा अपडेट करने, एनसीडी स्क्रीनिंग का दायरा बढ़ाने, यूडीआईडी के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने सहित अन्य समीक्षा की जायेगी। डीएनओ रविकांत जांगिड़ ने बताया कि सघन निरीक्षण अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित एम्बुलेंस सेवाओं का भी निरीक्षण किया जाना हैं। जहां भी एम्बुलेंस संचालन में कमियां पाई जा रही हैं, उन्हें दुरूस्त करवाकर यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि एम्बुलेंस संचालन योग्य हों, उनमें सभी जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध हों और क्रियाशील स्थिति में हों। सघन निरीक्षण अभियान के लिये विभाग द्वारा ओडीके एप बनाया गया हैं जिसमें ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जायेगी। सीएमएचओ स्तर पर बनाई गई टीम :- अभियान को लेकर सीएमएचओ स्तर पर टीम बनाई गई हैं। जिसमें डिप्टी सीएमएचओ (स्वा.) डॉ. प्रमोद सिंह भदौरिया, डिप्टी सीएमएचओ (प.क.) डॉ. जयभगवान यादव, आरसीएचओ डॉ. अरविंद अग्रवाल, डीपीएम योगेश सिंघल, डीएनओ रविकांत जॉंगिड़ को लगाया गया हैं। ब्लॉक स्तर से समस्त बीसीएमओ व चिकित्सा अधिकारी प्रभारी को भी निर्देश दिए गये हैं।

1500 लोगों ने प्रसादी ली

भरतपुर । भरतपुर में आदर्श नगर पर अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें राधारानी प्रतिमा के समक्ष भोजन प्रसादी का भोग लगाया गया तथा करीब 1500 लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर गाडिया लुहार छात्रावास रंजीत नगर पर बच्चों को अन्नकूट प्रसादी पहुँचाकर खिलाई गई। राधारानी घुमन्तु क्लब द्वारा समय-2 खिचडी प्रसाद, गरीबों को कम्बल, गरीब लडकियों की शादी में सहायता, गांधी पार्क में वृक्षारोपण, सीमेंट की 20 बैंच लगवायी गई हैं। कार्यक्रम का समापन रोहित महाराज ने की। इस अवसर पर शिवसिंह भोंट, देवेन्द्र एडवोकेट, अनुराग गर्ग, अतुल मित्तल, भगवानदास बंसल, सीताराम दाल वाले, अनिल सिंह, अनिल तेहरा, सुभाषजी, विनोद डीगिया, संजय जैन, राजेश खंडेलवाल, जोगेन्द्र, गोविन्द, महेन्द्र, नरेन्द्र बैंक वाले, योगेश गर्ग, विष्णु जिंदल, राजकुमार चौधरी आदि मौजूद थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण

- बीएलओ की हाउस-टू-हाउस विजिट एवं मैंपिंग कार्य की जानकारी ली
- चुनाव आयोग के विशेषाधिकारी सुरेश चंद्र ने निरीक्षण किया

कोटपूतली । विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर पात्र नागरिकों को परिगणना प्रपत्र वितरित कार्य किया जा रहा है। गुरुवार को निर्वाचन आयोग राजस्थान जयपुर के विशेषाधिकारी सुरेश चंद्र ने कोटपुतली विधानसभा के शहरी क्षेत्र के बूथ 60,62,64,78,82,83 सहित विराटनगर और बहरोड़ में शहरी क्षेत्र के बूथ एरिया में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ के हाउस-टू-हाउस विजिट, गणना प्रपत्र वितरण एवं बीएलओ एप में मतदाताओं की मैपिंग की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान कोटपुतली में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) ओमप्रकाश सहारण एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) रामवतार मीणा भी मौजूद रहे । विशेषाधिकारी ने मौके पर मौजूद बीएलओ से एसआईर गतिविधियों एवं परिगणना प्रपत्र वितरण कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली और मतदाताओं से भी संवाद किया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता से यह जानकारी ली जाए कि वह पूर्व में कहां निवास करता था। यदि उसका पुराना ईपिक नंबर उपलब्ध है तो उसके आधार पर नाम तलाश कर मैपिंग की जाए। जिन मतदाताओं का ईपिक नंबर नहीं है, उनके पुराने निवास स्थान की जानकारी लेकर वर्ष 2002 की मतदाता सूची से नाम ढूंढा जाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो पाई है, उनसे उनके या उनके माता-पिता के वर्ष 2002 में निवास स्थान की जानकारी लेकर मैपिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा किया जाए। फील्ड में फार्म वितरण को गति दी जाए तथा इस कार्य में वॉलंटियर्स की सहायता ली जाए। प्रत्येक ऐसे मतदान केंद्र जहां मैपिंग कम है, वहां प्रशिक्षित वॉलंटियर्स लगाए जाएं जो वर्ष 2002 की सूची से नाम तलाशने में सहयोग करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी घर पर मतदाता अनुपस्थित पाया जाए, तो संबंधित बीएलओ कम से कम तीन बार भ्रमण कर परिगणना प्रपत्र उपलब्ध करवाएं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग दें और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश सहारण ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग दिशा-निर्देश से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत जिन मतदाताओं का नाम वर्तमान मतदाता सूची में शामिल है उन सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण करने एवं संठाहित किये जाने का कार्य आगामी 4 दिसंम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा किया जायेगा।

विभिन्न मामलों में फरार 5 आरोपी गिरफ्तार

टोंक । जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक निवाई मृत्यून्जय मिश्रा एवं निवाई थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाने में दर्ज प्रकरण ब्रिज एग्रो इण्डस्ट्रीज फर्म निवाई से ठगी कर लाखों रूपये का बाजरा मंगवाकर विक्रय की राशी को हड़पने वाले फरार वांछित आरोपी रामसेवक पुत्र छांगुर मावरिया उम्र 35 साल निवासी चूकवा थाना गौरा चौराहा जिला बलरामपुर उतरप्रदेश एवं राजीव कुमार पुत्र मनोहर पाठक उम्र 20 साल निवासी सीरकोहिया थाना सरिया जिला मुजफ्फरपुर बिहार हाल निवासी सी-1 प्रथमतल अमीजय कोम्पलेक्स नडियाद जिला खेडा गुजरात को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार निवाई थाना टीम द्वारा दशहरा मैदान निवाई से अपहरण कर मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार को जप्त किया है। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर टीम ने ग्राम अभयपुरा से आरोपी कमलेश पुत्र शंकर लाल गुर्जर उम्र 29 साल, हरिराम पुत्र लादु लाल गुर्जर उम्र 30 साल व हेमराज पुत्र धन्ना लाल गुर्जर उम्र 33 साल निवासी अभयपुरा थाना बरोनी टोक को बाद अनुसंधान के गिरफ्तार किया गया।

सिद्धचक्र अनुष्ठान का विश्वशांति महायज्ञ के साथ समापन

- पूजार्थियों ने हवन कुण्डों में आहुतियां दी
- हवन कुंडों में इंद्र इंद्राणियों सहित सभी श्रद्धालुओं ने सिद्धों की आराधना के साथ आहुतियां दी। इसके बाद इन्द्र इन्द्राणियों ने मण्डल के चारों ओर श्री सिद्धचक्र मण्डल विधान की परिक्रमा लगाई

निवाई । सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में अष्टान्हिका पर्व को लेकर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में सिद्धचक्र महामण्डल विधान का विश्वशांति महायज्ञ के साथ समापन हुआ।

इस दौरान पूजा में बैठे सभी पूजार्थियों ने भक्ति पूर्वक आराधना की। जैन धर्म प्रचारक सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि पं. राजकुमार शास्त्री मध्यप्रदेश द्वारा मंत्रोच्चार के साथ सोधर्म इन्द्र नरेंद्र रानी भाणजा, ईशान इन्द्र पदम चन्द बीना सेदरिया, यज्ञनायक ज्ञानचंद मुन्नी देवी भाणजा, विष्णु बोहरा, महेन्द्र चंवरिया, पदमचंद जैन, सुशील आरामशीन द्वारा भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा की।

उन्होंने बताया कि विधानाचार्य पंडित शास्त्री एवं सोधर्म इन्द्र के साथ नीरा जैन, दिनेश चंवरिया, अमित कटारिया, दिलीप भाणजा, कजोड़मल जैन व प्रेमचंद जैन ने भगवान शांतिनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलित किया एवं इन्द्र द्वारा मण्डल पर दीप प्रज्वलित करके पांच मंगल कलश की स्थापना की गई। अष्टान्हिका महापर्व के तहत सिद्धचक्र अनुष्ठान में सिद्धचक्र महामंडल विधान की संगीतमय विशेष पूजा अर्चना की गई। सभी भ्क्तजन समय पर उपस्थित होने से कार्यक्रम समय पर शुरु हो गया।

इस दौरान हवन कुंडों में इंद्र इंद्राणियों सहित सभी श्रद्धालुओं ने सिद्धों की आराधना के साथ आहुतियां दी। इसके बाद इन्द्र इन्द्राणियों ने मण्डल के चारों ओर श्री सिद्धचक्र मण्डल विधान की परिक्रमा लगाई। उन्होंने बताया कि गुरुवार को आठ दिवसीय अनुष्ठान के समापन पर विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें सभी पूजार्थियों द्वारा हवन कुण्डो में आहुतियां दी गई।

हादसे की आशंका

भरतपुर। भरतपुर रेलवे जीआरपी थाना परिसर में बने पुराने क्वार्टर कर्मचारियों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। रोजाना दीवारों और छत से चूना व कंक्रीट झड़ने से हादसे का डर बना रहता है। भरतपुर रेलवे थाना (जीआरपी) में तैनात पुलिसकर्मियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। थाना परिसर में रेलवे विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए 20 क्वार्टर अब जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं। दीवारों और छतों से रोजाना चूना व कंक्रीट गिरने से क्वार्टरों में रहना बेहद खतरनाक हो गया है। एसएचओ हजारीलाल ने बताया कि क्वार्टरों की स्थिति इतनी खराब है कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। कर्मचारियों में हमेशा भय का माहौल बना रहता है। इस संबंध में रेलवे अधिकारियों को कई बार लिखित रूप से अवगत कराया गया है। रेलवे विभाग के अधिकारियों ने इस समस्या को जबलपुर ज़ोन और कोटा रेलवे मंडल के डीआरएम तक भी पहुंचाया है, लेकिन अब तक किसी स्तर पर कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया कि फिलहाल थाने के मेस के भवन स्थिति भी बेहद खराब हो चुकी है, जिस कारण मजबूरीवश मरम्मत कार्य शुरू किया गया है ।

ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉलियों व ओवरलोड डंपरों से क्षतिग्रस्त हुई सड़क

निवाई। गांव नला में बजरी के ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली एवं ओवरलोड डंपरों से मुख्य सड़क मार्ग पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

- वाहन चालकों, विद्यार्थियों, राहगीरों व ग्रामवासियों को हो रही है परेशानी

जिससे वाहन चालकों, राहगीरों व ग्रामवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नला निवासी अभिषेक पारीक, दयाराम जाट, द्वारकाप्रसाद जाट, सकतपुरा निवासी मीठालाल मीणा व बबलू मीणा ने बताया कि गांव नला में बजरी के सैकड़ों ओवरलोड ट्रैक्टरों एवं मिट्टी के ओवरलोड डंपरों से मुख्य सडक मार्ग पूर्ण रूप से क्षितठास्त हो गया।

उन्होंने बताया कि ओवरलोड डंपर गांव सकतपुरा के चरागाह से निवाई में मिट्टी डालने का काम करते हैं। ओवरलोड ट्रैक्टर एवं

निवाई में बजरी के ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉलियों से नला सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है।

ओवरलोड डंपरों से सड़क मार्ग पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। 5 किलोमीटर तक सड़क पर डामर का नामोनिशान भी नहीं है। जिससे वाहन चालकों, राहगीरों व ग्रामवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव से निवाई पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को लाने वाली स्कूल वेन भी कई बार कीचड़ में फंस जाती है। जिससे विद्यार्थी समय पर विद्यालय नहीं पहुंच पा रहे है।

स्वयंसेविकाओं को स्वच्छता की जानकारी दी

फुलेरा। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रधानाचार्या नवीता कुमारी वर्मा के निर्देशन में तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी मीणा ने सभी स्वयंसेविकाओं को एकत्रित कर एमएसएस का लक्ष्य गीत गवाकर किया। शिविर के दौरान विद्यालय परिसर में साफ-सफाई अभियान चलाया गया।

इसके उपरांत पुस्तकालयाध्यक्ष शर्मिला भाटिया ने स्वयंसेविकाओं को ‘शारीरिक हाइजीन’ विषय पर जागरूक किया तथा स्वच्छता अपनाने के महत्व को विस्तार से समझाया।

इसके बाद आईएसएस स्वयंसेविकाओं को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। शिविर के दौरान विद्यालय स्टाफ सदस्य मनोहर सिंह राजपूत, ललितमोहन शर्मा, सपनादेवी कुमावत, अनिता कुमारी, अर्जुनसिंह मीणा, धर्मराज खाण्डेकर, कमला बागड़ी, वर्षा शर्मा, एकता वर्मा, वन्दना सैनी व नीलम राव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

‘वंदे मातरम केवल शब्द नहीं बल्कि भारत की आत्मा है’

- वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित
- वंदे मातरम् 7 से 26 नवंबर तक चलने वाला राष्ट्रव्यापी उत्सव है

टोंक । राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 7 नवम्बर को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के तहत पूर्व विधायक एवं कार्यक्रम संभाग प्रभारी अजीत सिंह मेहता एवं जिलाध्यक्ष जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर मेहता ने कहा कि वंदे मातरम केवल शब्द नहीं बल्कि भारत की आत्मा है, जिसने हमें स्वाधीनता का स्वप्न देखने और उसे साकार करने की प्रेरणा दी। यह केवल एक दिन का नहीं बल्कि 7 से 26 नवंबर तक चलने वाला राष्ट्रव्यापी उत्सव है, जिसमें प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान की भागीदारी सुनिश्चित हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में इस गीत ने हर भारतीय के दिल में आजादी की लौ जगाई थी, यही गीत था जिसने गुलामी की बेड़ियों में जकड़े देश को आजादी की राह दिखाई, यह गीत हर भारतीय के भीतर देशभक्ति, एकता और समर्पण की भावना जगाता है। वही जिलाध्यक्ष चौहान ने भाजपा इस उपलब्धि को उत्सव के रूप में मना रही है, यह ऐतिहासिक कार्यक्रम प्रत्येक देशवासियों के मन में देशभक्ति, एकता , अखंडता और गर्व की भावना को और प्रखर करेगा। चौहान ने कहा कि 7 नवंबर को बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम अपनी रचना के 150 वर्ष पूर्ण कर रहा है, जिसके उपलक्ष में जयपुर में राज्यस्तरीय कार्यक्रम एवं अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर, सीकर, भीलवाड़ा और अलवर संभाग में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजन होंगे।

अभिषेक का निडर रवैया मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाले भारत के मौजूदा नेतृत्व समूह के मज़बूत समर्थन का नतीजा है। - युवराज सिंह

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, अभिषेक की तारीफ में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी **स्मृति मंधाना**

तीन स्पिनर – नोमान अली, सेनुरन मुथुसामी और राशिद खान – अक्टूबर के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में हैं, जबकि आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की स्टार खिलाड़ी ऐश गार्डनर, स्मृति मंधाना और लॉरा वुलफार्ट ने महिला वर्ग में जगह बनाई है। भारत की सलामी बल्लेबाज मंधाना और दक्षिण अफ्रीका की वुलफार्ट आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के बड़े मैचों में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद इस प्रतिष्ठित महिला मासिक पुरस्कार की दौड़ में हैं। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर गार्डनर अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर विश्व कप 2025 की टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह बनाने वाली ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की तिकड़ी में शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला बल्लेबाज़ी की जब भी बात होती है तो लोगों के ज़ेहन में मिताली राज, स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के नाम आते हैं लेकिन वनडे में भारत के लिए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाली दीप्ति शर्मा हैं।

गेंदबाजों के दम पर भारत ने बनाई 2-1 की बढ़त

करारा (ऑस्ट्रेलिया) 6 नवंबर। वॉशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 मुकाबले में गुरुवार को 48 रन से हराकर सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली।

भारत ने शुभमन गिल (46), अभिषेक शर्मा (28),शिवम दुबे (22), कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) और अक्षर पटेल (नाबाद 21) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 20 ओवरों में आठ विकेट पर 167 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.2 ओवर में मात्र 119 रन पर ढेर हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 37 जोड़े। कप्तान मिचेल मार्श ने 30 और मैथ्यू शॉर्ट ने 25 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया एक समय दो विकेट पर 70 रन बनाकर अच्छी स्थिति में था लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के सामने उसने अपने अंतिम आठ विकेट 49 रन जोड़कर गंवा दिये। सुंदर ने तीन विकेट निकाले जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिये। अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को एक-एक विकेट मिला। अक्षर पटेल को नाबाद 21 रन बनाने और दो विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत इस बढ़त के बाद अब सीरीज नहीं गंवा सकता और उसकी कोशिश अंतिम मैच जीतकर सीरीज कब्जाने की रहेगी। जबकि ऑस्ट्रेलिया आखिरी मैच में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगा। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े।

सातवें ओवर में एडम जम्पा ने अभिषेक शर्मा को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 28 रनों की पारी खेली।

भारत का दूसरा विकेट 12वें ओवर में शिवम दुबे के रूप में गिरा। उन्हें नेथन एलिस ने बोल्ड आउट किया। दुबे ने 18 ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए 22 रन बनाये। इसके बाद एलिस ने 15वें ओवर में शुभमन गिल को बोल्डकर भारत के स्कोर पर अंकुश लगाने का काम किया। शुभमन गिल ने 39 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 46 रन बनाये।

अगले ही ओवर में जेवियर बार्टलेट ने सूर्यकुमार यादव को अपना शिकार बना लिया। सूर्यकुमार यादव ने 10 गेंदों में दो छक्के लगाते हुए 20 रन बनाये। तिलक वर्मा (पांच) जितेश शर्मा (तीन), वॉशिंगटन सुंदर (12) और अर्शदीप सिंह (शून्य) पर आउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 167 रनों का स्कोर खड़ा किया। जो अंततः मैच विजयी साबित हुआ। अक्षर पटेल 11 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए नेथन एलिस और एडम जम्पा ने तीन-तीन विकेट लिये। जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टॉयनिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

वुमेन वर्ल्ड कप विनर्स को गिफ्ट की जाएगी टाटा सिएरा

नयी दिल्ली, 6 नवंबर। महिला क्रिकेट टीम ने इस साल वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। अब देश की ऑटोमोबाइल दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स ने इन विजेताओं के सम्मान में बड़ा कदम उठाया ह। कंपनी ने घोषणा की है कि वह 25 नवंबर 2025 को लॉन्च होने वाली अपनी फ्लैगशिप एसयूवी (टाटा सिएरा) का पहला बैच भारतीय महिला क्रिकेट टीम को गिफ्ट करेगी। इस दौरान टीम की हर खिलाड़ी को मिलेगा इस एसयूवी का टॉप मॉडल, जिसमें कंपनी की नवीनतम टेक्नोलॉजी और फीचर्स शामिल होंगे।

यह कारें टीम की उन खिलाड़ियों को समर्पित हैं, जिन्होंने विश्व कप में असाधारण प्रदर्शन कर इतिहास रचा। इस अवसर पर टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ शैलेश चंद्रा ने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अद्भुत प्रदर्शन और शानदार जीत से पूरे देश को गर्व महसूस कराया है।

उनका यह सफर दृढ़ संकल्प और विश्वास की शक्ति का सच्चा उदाहरण है – वे गुण जो हर भारतीय को प्रेरित करते हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में, हमें गर्व है कि हम इन महान खिलाड़ियों को एक और दिग्गज उपहार में दे रहे हैं – द टाटा सिएरा। यह हमारे द्वारा उनके जज़्बे और देश को दिलाई गई शान को सलाम है – दो दिग्गज, एक जज़्बा, अनंत प्रेरणा।

गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को अच्छी तरह से ढाला : सूर्यकुमार

करारा, 6 अक्टूबर। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी 20 जीतने और सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाने का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए गुरूवार को कहा कि गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार ख़ुद को अच्छी तरह से ढाला।

सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, सभी बल्लेबाज़ों को इसका श्रेय जाता है। शुभमन और अभिषेक ने अच्छी शुरुआत दिलाई और बाद में आने वाले सभी बल्लेबाज़ों ने अपना योगदान दिया तो मुझे लगता है कि बल्लेबाज़ों की ओर से यह एक कम्पलीट टीम एफर्ट था। ड्यू पड़ रही थी लेकिन गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार ख़ुद को अच्छी तरह से ढाला। हमेशा ऐसे गेंदबाज़ों का टीम में होना अच्छा होता है जो जरूरत पड़ने पर कुछ ओवर डाल सकें। अंतिम मैच के लिए काफ़ी उत्सुक हूं।

प्लेयर ऑफ़ द मैच बने अक्षर पटेल ने कहा, मैं नंबर सात पर बल्लेबाज़ी के लिए गया और मेरे पास विकेट भांपने का समय था, साथी बल्लेबाज ने बताया कि पिच बल्लेबाज़ी के लिए आसान नहीं है और गेंद रुक कर आ रही है। टीम की जरूरत के हिसाब से खेलने पर मेरा ध्यान रहता है कोई मेरी पसंद का नंबर नहीं है मैं बस टीम के लिए योगदान देकर ख़ुश हूं। बतौर गेंदबाज मैं यही सोचता हूं कि बल्लेबाज का मजबूत पक्ष क्या है।

मेरी योजना यही रहती है कि अगर बल्लेबाज़ मुझे हिट करे तो मैं गुड लेंथ एरिया के आसपास गेंद डालूं। और अगर वह स्वीप का प्रयास करते हैं तो फ़ुलर लेंथ गेंद डालूं।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने हार के बाद कहा, 167 का स्कोर पार स्कोर था। इस तरह की चेज में आपको अच्छी साझेदारियों की ज़रूरत होती है और हमें वो नहीं मिलीं। भारत ने काफ़ी अच्छी क्रिकेट खेली, आदर्श स्थिति तो यही होती है कि हम हमेशा सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ खेलें लेकिन आगे बड़ी सीरीज आने वाली है।

आप युवा लड़कियों के लिए रोल मॉडल है: मुर्मु

नयी दिल्ली, 6 नवंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों के मुलाकात की और कहा कि वे आज युवा पीढ़ी की लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन गई हैं, इससे उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

आज यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने ट्रॉफी लेकर राष्ट्रपति मुर्मु के साथ फोटो खिंचवाई। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति को खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट भेंट की।

इस अवसर पर मुर्मु ने कहा, "आप युवा पीढ़ी, विशेषकर लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन गई हैं, इससे वह जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी।"

राष्ट्रपति ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हर सदस्य को बधाई दी और कहा कि उन्होंने क्रिकेट विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया है। देश और विदेश में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह टीम भारत को दिखाती है। वे अलग-अलग क्षेत्रों, अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि, अलग-अलग परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन वे एक टीम हैं – भारत। यह टीम भारत को उसके सबसे अच्छे रूप में दिखाती है।

मुर्म ने कहा कि टीम ने सात बार की विश्व चैंपियन और उस समय तक अजेय रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को सेमीफाइनल में हराकर सभी भारतीयों का अपनी काबिलियत पर विश्वास मजबूत किया है। एक मजबूत टीम के खिलाफ एक मुश्किल मैच में बड़े अंतर से फाइनल मैच जीतना टीम इंडिया की उत्कृष्टता का एक यादगार उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वे रोल मॉडल बन गई हैं। युवा पीढ़ी, खासकर लड़कियां, जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि जिन खूबियों से उन्होंने इतिहास रचा है, उन्हीं खूबियों से वे भविष्य में भी भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर रखेंगी।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान टीम के सदस्यों ने उम्मीद और निराशा के उतार-चढ़ाव का अनुभव किया होगा। कभी-कभी उनकी नींद भी उड़ी होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड पर जीत के बाद, लोगों को पूरा विश्वास हो गया था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद, हमारी बेटियां ही जीतेंगी।

जूनियर एशिया कप ट्रायल में 4 खिलाड़ियों मे राजस्थान के तीन तीरंदाज भारतीय टीम में

जयपुर, 6 नवम्बर। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित जूनियर सेलेक्शन ट्रायल फॉर एशिया कप स्टेज-3, जेद्दा (2025) में राजस्थान के तीन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कम्पाउन्ड पुरूष भारतीय टीम में स्थान बनाया है। यह पहला अवसर है जब राजस्थान के तीन तीरंदाज एक साथ भारतीय टीम का हिस्सा बने हैं।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि यह राज्य के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि एक ही राज्य से तीन युवा तीरंदाज प्रधुमन यादव वसु यादव . देवांश सिंह कम्पाउन्ड कैटेगरी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर भारतीय टीम में जगह बनाई है। राजस्थान तीरंदाज़ी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान के युवा तीरंदाज लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अवसर मिल रहे हैं। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि राजस्थान तीरंदाजी अब देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो चुकी है। राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह, राजस्थान तीरंदाज़ी संघ के चेयरमैन गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित राज्य संघ के सभी पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने तीनों तीरंदाजों को भारतीय टीम में चयनित होने पर हार्दिक बधाई दी। यह उपलब्धि राजस्थान के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण क्षण है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

राजस्थान अंडर 23 वीमेन प्रशिक्षण शिविर व अभ्यास मैचों के लिए खिलाडी घोषित

अंडर 19 डेज चैलेंजर ट्रॉफी आज से जयपुर में

बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय इलीट ग्रुप मैच जयपुर में खेले जायेंगे

जयपुर, 6 नवम्बर। बीसीसीआई की आगामी वीमेन अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 23 वीमेन टीम के संभावितों के चयन हेतु राजस्थान वीमेन चयन कमेटी राजस्थान अंडर 23 वीमेन टीम के प्रशिक्षण शिविर व अभ्यास मैचों के लिए खिलाडियों का चयन किया :-

चयनित खिलाडी :- चंद्रज्योत्सनाभाटी, डिंपल कँवर, बबिता, शानू सेन, सिद्दीशर्मा, उषा परेरिया, अर्चना योगी, अदिति चौहान, ऋतू लोढ़ा, याना वर्मा, निधि सैनी, प्रियंका चौधरी, रिज़ा शेख, चहक बत्रा, वंशिका यादव, भाविनीभार्गव, अंजलि जाट, पार्वती, नंदिनी पालीवाल, एंजेल चौधरी।

राज्य स्तरीय अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी कल से जयपुर में खेली जाएगी।

बीसीसीआई की आगामी अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा कल दिनांक 7 नवम्बर से राज्य स्तरीय अंडर 19 डेज चैलेंजर ट्रॉफी आयोजित करेगा , आरसीए जूनियर कमेटी ने अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी की 8 टीमों हेतु खिलाडियों का चयन किया। अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी के मैच पी एस ग्राउंड , जी आर ग्राउंड , सोलफील ग्राउंड व रणवीर सिंह ग्राउंड पर खेले जायेंगे। बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय इलीट ग्रुप मैच राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आगामी 9 नवम्बर से जयपुर में बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी (इलीट ग्रुप) मैच खेले जायेंगे।

बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लेने वाली टीमें :-

उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, विधर्भ, तमिल नाडु, कर्नाटका, त्रिपुरा, हैदराबाद।

9 नवम्बर को खेले जाने वाले मैच :- सवाई मान सिंह स्टेडियम कर्णाटक - उत्तर प्रदेश, जैपुरिया ग्राउंड तमिल नाडु - विधर्भ, अनंतं ग्राउंड हिमाचल प्रदेश - त्रिपुरा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ रोमांचक जीत से न्यूजीलैंड ने बराबरी हासिल की

आकलैंड, 6 नवंबर। गुरुवार को रोवमैन पॉवेल की 16 गेंदों में 45 रनों की तूफानी पारी के बावजूद वेस्टइंडीज का 208 रनों के लक्ष्य के लिए आखिरी ओवरों में आक्रामक रुख बेकार गया और न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को ईडन पार्क में 3 रनों से रोमांचक जीत हासिल कर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली।

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, मेहमान टीम 13वें ओवर तक 6 विकेट पर 83 रन बनाकर लड़खड़ा रही थी। हालांकि, रोमारियो शेफर्ड (16 गेंदों में 34 रन) और मैथ्यू फोर्ड (13 गेंदों में नाबाद 29 रन) के साथ पॉवेल ने आखिरी चार गेंदों पर 7 रन का लक्ष्य ला दिया। लेकिन काइल जैमीसन ने अपनी धीमी गेंदों का अच्छा इस्तेमाल किया और आखिरी चार गेंदों पर केवल तीन रन दिए और मेजबान टीम को सीरीज बराबर करने में मदद की।

इससे पहले, न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर अच्छी शुरुआत की, सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे और टिम रॉबिन्सन ने सिर्फ़ सात ओवरों में 55 रनों की साझेदारी की। दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी-जल्दी आउट हो गए, और लय बनाए रखने की ज़िम्मेदारी रचिन रवींद्र और मार्क चैपमैन पर आ गई। हालाँकि पारी की शुरुआत में दोनों ने काफी संयमित प्रदर्शन किया, लेकिन 13वें ओवर की समाप्ति तक न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 81 रन हो गया, लेकिन इसके बाद चैपमैन ने ताबड़तोड़ पारी खेली।

उन्होंने शेफर्ड की लगातार गेंदों पर तीन छक्के और एक चौका जड़ा और फिर कुछ ओवर बाद जेडन सील्स पर 23 रन मारे। रवींद्र के दो ओवरों के बीच आउट होने के बाद भी, डेरिल मिशेल ने आक्रमण में शामिल होकर अकील होसेन की गेंदों पर तीन छक्के जड़कर पारी को और तेज किया। डेथ ओवरों में जाने से पहले उन चार ओवरों में बटोरे गए 82 रन, मुकाबले का निर्णायक मोड़ साबित हुए।

वेस्टइंडीज ने अगले तीन ओवरों में थोड़ी वापसी की, लेकिन आखिरी ओवर में मिशेल सैंटनर और मिशेल ने सील्स पर 19 रन बटोरकर न्यूजीलैंड को 200 रन के पार पहुंचा दिया।

जवाब में, वेस्टइंडीज की शुरुआत बहुत धीमी रही। ब्रैंडन किंग पहले ओवर में तीसरी गेंद पर शून्य पर आउट हो गए, जबकि एलिक अथानाज़े तीन छक्के और कुछ चौके लगाने के बावजूद, मेहमान टीम को शुरुआत में ज़रूरी ताकत नहीं दे पाए। पावरप्ले खत्म होने तक, वे अभी भी एक गेंद पर रन बना रहे थे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पावरप्ले के बाद जल्दी-जल्दी तीन विकेट चटकाए जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि जमे हुए बल्लेबाज़ों को जरूरी गति नहीं मिल पाए, जिससे 11वें ओवर की समाप्ति पर वेस्टइंडीज का स्कोर 4 विकेट पर 74 रन हो गया।

क्वार्टर फाइनल में बालक और बालिका वर्ग में जयपुर ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

जयपुर, 6 नवम्बर। रामेश्वरम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लालचंदपुरा निवारू रोड में आयोजित 35वीं सब-जूनियर राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के तीसरे दिन क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में रोमांच और प्रतिस्पर्धा चरम पर रही। बालिका वर्ग में बीकानेर और राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के बीच खेले गए मुकाबले में बीकानेर ने मात्र एक अंक से जीत हासिल कर दर्शकों का रोमांच बढ़ाया। वहीं, भरतपुर और अलवर के बीच मुकाबले में भरतपुर ने 60-33 के स्पष्ट अंतर से जीत दर्ज की। चूरू और श्रीगंगानगर के बीच भी मुकाबला बेहद कड़ा रहा, जिसमें 53-52 के अंतर से चूरू विजयी रही। इसके बाद जयपुर ने राजसमंद को 21 अंकों के अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बालक वर्ग में हनुमानगढ़ और अजमेर के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें हनुमानगढ़ ने 23 अंकों से जीत हासिल की। शहर और टाउन की टीमों के मध्य खेले गए मुकाबले में शहर की टीम ने 10 अंकों के अंतर से जीत दर्ज की। बीकानेर ने झुंझुनू को 34 अंकों से हराया और जयपुर ने राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद को 3 अंकों के अंतर से मात देकर सेमीफाइनल की टिकट पक्की की।

दोनों वर्गों में जयपुर की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन और खिलाड़ियों के उत्साह की सराहना की प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों ने न केवल शारीरिक कौशल बल्कि टीम भावना, अनुशासन और खेल भावना का अद्भुत प्रदर्शन किया।

सिंधु लॉस एंजेलिस 2028 में तीसरा ओलंपिक पदक जीत सकती हैं : सायना

मुंबई, 6 नवंबर। लंदन 2012 ओलंपिक पदक विजेता सायना नेहवाल का मानना है कि साथी शटलर पीवी सिंधु के पास लॉस एंजेलिस 2028 खेलों में तीसरा ओलंपिक पदक जीतकर इतिहास रचने का "अनुभव" और दृढ़ संकल्प दोनों है। इस सप्ताह की शुरुआत में मुंबई में आयोजित फिट इंडिया नेशनल फिटनेस एंड वेलनेस कॉन्क्लेव के दौरान कहा कि सिंधु की जीत की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि "वह लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक से पहले अपने शरीर और फॉर्म को कितनी अच्छी तरह प्रबंधित करती हैं।"

फीफा करेगा लोगों को 'फीफा शांति पुरस्कार' से सम्मानित

जिनेवा, 6 नवंबर। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) दुनिया में संघर्षो को समाप्त कराने वाले और शांति के प्रयास करने वाले लोगों को आगामी विश्वकप के फाइनल ड्रा के दौरान 'फीफा शांति पुरस्कार' से सम्मानित करेगा। फीफा ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा, फीफा शांति पुरस्कार – फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है, यह दुनिया भर के पांच अरब से ज़्यादा फुटबॉल पसंद करने वाले लोगों की ओर से दिया जाएगा। फुटबॉल में और फुटबॉल के लिए अपने रोज़ाना के कामों से, ये सभी लोग फीफा के आदर्श वाक्य फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है।

बैंक आफ बड़ौदा कॉर्पोरेट गोल्फ लीग में राजस्थान के दो पूर्व डीजीपी भी खेलेंगे

जयपुर, 6 नवम्बर। राजस्थान पुलिस के दो पूर्व महानिदेशक अब रामबाग गोल्फ कोर्स पर बुधवार से शुरू हुई बैंक आफ बड़ौदा कार्पोरेट गोल्फ लीग में खेलते नजर आएंगे। पूर्व पुलिस महानिदेशक सुनील मल्होत्रा और सुनील दत्त को लीग की टीम एसबीजे मल्टीकॉम में शामिल किया गया है। टीम के ओनर और राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने आज यहां बताया कि संजीव सिंह की कप्तानी में खेल रही टीम में सुनील मल्होत्रा और सुनील दत्ता के अलावा अमी लाल, दिग्विजय ढाबरिया, हरपाल सिंह और प्रदीप टांक शामिल हैं।

अनिल व्यास ने बताया कि बैंक आफ बड़ौदा कार्पोरेट लीग में जयपुर की 37 टीमें हिस्सा ले रही हैं। ये लीग तीन माह तक चलेगी और इसका फाइनल मुकाबला जनवरी में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल सभी टीमों को चार ग्रुपों में बांटा गया है। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट में विजेता टीम को 4 लाख रु पए की नगद पुरस्कार राशि मिलेगी। उपविजेता को 2.75 लाख, तीसरे स्थान की टीम को 2 लाख और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 1.25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 अभियान ड्रॉ के साथ समाप्त किया

जयपुर, 6 नवम्बर। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबले में दिल्ली एफसी के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 अभियान खत्म किया।

राजस्थान यूनाइटेड ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले हाफ में तेज़ ट्रांज़िशन और अटैकिंग खेल से दबदबा बनाए रखा। पेड्रो एस्ट्राय ने 23वें मिनट में नाओबा मेइतेई के एक शानदार असिस्ट पर सटीक फिनिश के साथ गोल करके टीम को बढ़त दिलाई, जिससे टीम के शानदार पासिंग रिदम का पता चला। यह मोमेंटम जारी रहा और रॉबिन्सन रेंडन ने 34वें मिनट में एलन थापा के एक अच्छे पास को गोल में बदलकर राजस्थान यूनाइटेड को हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त दिला दी।

हालांकि, दूसरा हाफ डेज़र्ट वॉरियर्स के लिए प्लान के मुताबिक नहीं रहा, क्योंकि स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने दो गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया।

ड्रॉ के बावजूद, राजस्थान यूनाइटेड ने पूरे अभियान के दौरान लचीलापन, टीम वर्क और अटैकिंग क्वालिटी दिखाई, और तीन मैचों में 4 पॉइंट्स के साथ अभियान खत्म किया।

मैच के बाद, हेड कोच विक्रांत शर्मा ने कहा: मुझे इस टीम के हर एक खिलाड़ी पर गर्व है। हमने यह कॉम्पिटिशन जोश के साथ शुरू किया और दिल से खत्म किया। आज पहले हाफ में हमने वह क्वालिटी दिखाई जो हमने बनाई है, और हालांकि हम क्वालिफाई करने से चूक गए, लेकिन मैं एक ऐसी टीम देखता हूं जो हर दिन मज़बूत हो रही है। फुटबॉल पलों के बारे में है, और हमारे पल भी आएंगे। कभी-कभी फुटबॉल बहुत कम अंतर से हार-जीत तय करता है, लेकिन हमारा जज़्बा और जोश मज़बूत बना हुआ है। चेयरमैन के.के. टाक ने टीम और सपोर्टर्स के लिए एक इमोशनल मैसेज दिया:

यह कैंपेन राजस्थान यूनाइटेड के लिए एक और कदम आगे था। हमने पूरे समय कैरेक्टर, क्वालिटी और यूनिटी दिखाई। पेड्रो और रॉबिन्सन ने आगे बढ़कर लीड किया, और हर खिलाड़ी ने अपना बेस्ट दिया। हो सकता है कि हम क्वालिफाई न कर पाए हों, लेकिन प्रोग्रेस साफ दिख रही है, और राजस्थान फुटबॉल की भावना पहले से कहीं ज़्यादा चमक रही है। लगातार विश्वास बनाए रखने के लिए हमारे फैंस का धन्यवाद। हम और मज़बूत होकर लौटेंगे।

फॉरवर्ड रॉबिन्सन, जिन्होंने फिर से गोल किया, ने शेयर किया: कंट्रोल में होने के बाद इस तरह से कैंपेन खत्म करना मुश्किल है, लेकिन हमने अपना सब कुछ दिया। टीम स्पिरिट बहुत अच्छी है, और हम आगे बढ़ते रहेंगे।

क्लब पूरे टूर्नामेंट में लगातार सपोर्ट के लिए सभी सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा करता है और आने वाली चुनौतियों के लिए पॉजिटिव बातों पर आगे बढ़ने की उम्मीद करता है।

नैना की जीत में मनन व परमवीर चमके

जयपुर, 6 नवम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में नैना क्रिकेट एकेडमी ने मनन मीणा 22 रन पर 6 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा परमवीर शर्मा 67 रन के अर्द्धशतक की बदौलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 249 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी ने नैना क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करने के लिये आमंत्रित किया। उसके परमवीर शर्मा 67 रन, निश्चल शर्मा 48 रन, तनिश यादव 40 रन नाबाद, कव्यांश शर्मा 27 रन, आयुष शर्मा 25 रन नाबाद की बदौलत निर्धारित 40 ओवर में 5 विकेट खोकर 299 रन बनाये। गेंदबाजी में डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से हर्षित, ध्रुव खेरजानी, आहद व अशोक प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से ओपनर जय शर्मा 14 रन नाबाद को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज नैना क्रिकेट एकेडमी गेंदबाजों मनन मीणा 7 ओवर, 2 मेडन, 22 रन, 6 विकेट, जिज्ञांश मीणा 6 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष बिल्कुल नहीं टिक सके व पूरी टीम 17.2 ओवर में 50 रन पर सिमट गयी।

जम्मू-कश्मीर में नार्को-टेरर फंडिंग में पूर्व विधायक के परिसरों की तलाशी

ईडी ने पूर्व विधायक जतिंदर सिंह के कठुआ आवासीय परिसर की तलाशी ली

- पुलिस ने 2022 में जम्मू में मोहम्मद शाह नाम के व्यक्ति को जतिंदर सिंह को हवाला के माध्यम से 6.9 लाख रुपये पहुंचाने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया था।

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का जम्मू स्थित उप-क्षेत्रीय कार्यालय नार्को-टेरर फंडिंग की जाँच के सिलसिले में जम्मू में दो और कश्मीर में चार परिसरों की तलाशी ले रहा है।

इस छापेमारी में पूर्व विधायक और मंत्री जतिंदर सिंह उर्फ बाबू सिंह के कठुआ आवासीय परिसर की भी तलाशी ली गयी है।

एजेंसी के अनुसार, मोहम्मद शरीफ शाह नामक व्यक्ति को पुलिस ने 30 मार्च, 2022 को कश्मीर से जम्मू में जतिंदर सिंह को हवाला के माध्यम से 6.9 लाख रुपये पहुँचाने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया था। इस धनराशि का उद्देश्य जम्मू में अलगाववादी समूहों को विध्वंसक गतिविधियाँ करने के लिए धन मुहैया कराना था। मामले की विस्तृत जाँच में आरोपी सैफ दीन, फारूक अहमद नायकू, मुबाशिर मुश्ताक फाफू और अन्य लोगों से जुड़े एक पूरे गठजोड़ का पता चला।

इस नेटवर्क में पाकिस्तान में कुछ लोग भी शामिल थे, जो विध्वंसक गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु एक नार्को-टेरर मॉड्यूल चला रहे थे।

ईडी के एक अधिकारी ने बताया, "संबंधित बैंक खातों की जांच से पता चला कि आरोपी फारूक अहमद नायकू ने एक नार्को-टेरर फंडिंग नेटवर्क का संचालन किया था। पाकिस्तान से तस्करी की गई हेरोइन वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में बेची गई और इस बिक्री से प्राप्त दो करोड़ रुपये से अधिक की नकद राशि उसी अवधि में श्रीनगर के स्थानीय बैंक खातों में जमा की गयी।"

इसके बाद यह धनराशि दुबई में काम करने वाले भारतीय नागरिकों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई, जिन्होंने धन के स्त्रोत को छिपाने के लिए "म्यूल खाते" के रूप में काम किया। दुबई में निकाली और जमा की गई इस आपराधिक आय को पाकिस्तान से गतिविधियों को संचालित करने वाले हिज्बुल-मुजाहिदीन के आतंकवादियों तक पहुँचाया गया।

वाम संगठनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से रहा। वाम संगठन की उम्मीदवार अदिति मिश्रा को 1937 वोट मिले और उपाध्यक्ष के पद पर के गोपिका को 3101 वोट, महासचिव पद पर सुनील यादव को 2002 वोट, जबकि संयुक्त सचिव पर दानिश अली को 2083 वोट मिले।

प्रधानमंत्री चार नयी वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ नवंबर को चार नयी वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बताया कि ये नयी ट्रेनें बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम बेंगलुरु मार्गों पर चलेंगी। मोदी शनिवार सुबह लगभग 8:15 बजे वाराणसी में एक समारोह के दौरान वाराणसी-खजुराहो ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

ट्रंप की ज्यादतियों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने चुनाव परिणाम जानने के लिए टीवी देख रहे राष्ट्रपति पर कटाक्ष करते हुए कहा, "डॉनल्ड ट्रंप, चूँकि मैं जानता हूँ कि आप टीवी पर देख रहे होंगे, मेरे पास आपके लिए चार शब्द हैं, (टीवी की) आवाज़ तेज़ कर लीजिए।"

बाद में वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति उस समय सचमुच टीवी देख रहे थे।

ममदानी ने कहा कि वे ट्रंप की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और न्यूयॉर्क सिटी ट्रंप और उनकी राजनीति को पराजित करने का एक मॉडल पेश करेगा।

उन्होंने कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप, मेरी बात याद रखिए, अगर आप हममें से किसी तक पहुंचना चाहते हैं, तो आपको हम सब से होकर गुजरना होगा।"

ममदानी के पास ट्रंप प्रशासन का सीधा मुकाबला करने के लिए, अदालत के रास्ते के अलावा, बहुत ही सीमित साधन हैं। उन्होंने शहर के विधि विभाग में 200 अतिरिक्त वकील नियुक्त करने का ऐलान किया है, ताकि राष्ट्रपति के अतिरेक का कानूनी जवाब दिया जा सके।

अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने कई बार दिखाया है कि वे राजनीतिक प्रतिशोध लेने के लिए संघीय ताकत का उपयोग करने में हिचकते नहीं। उन्होंने डेमाक्रेट्स-शासित राज्यों और शहरों के अरबों डॉलर के संघीय अनुदान काट दिए हैं, जिनमें न्यूयॉर्क सिटी भी शामिल है। उन्होंने डेमोक्रेट-शासित शहरों में स्थानीय सरकार की इच्छा के विरुद्ध "नेशनल गार्ड" भेजा है और अपने राजनीतिक विरोधियों, जिनमें न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल भी शामिल हैं, पर कार्रवाई के निर्देश अपने जस्टिस डिपार्टमैंट को दिए हैं।

लेकिन राष्ट्रपति के कुछ सहयोगियों ने निजी तौर पर कहा कि ममदानी की जीत ट्रंप के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। इससे वे अपने पुराने तरीके को दोहरा सकते हैं, यानी डेमोक्रेटिक नेताओं को निशाना बनाकर अपनी राजनीति को मजबूत कर सकते हैं। पहले भी उन्होंने नैंसी पेलोसी, अलेक्ज़ांड्रिया ओकासियो-कोर्टेज़ और डेमोक्रेट समर्थक अरबपति जॉर्ज सोरोस को इसी तरह निशाना बनाया था।

डेमोक्रेटिक प्राइमरी (प्राथमिक) चुनाव में ममदानी की अप्रत्याशित जीत के बाद से ट्रंप और उनके सहयोगी उन्हें "भविष्य का चेहरा" बताकर, पूरी पार्टी को चरमपंथी दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। बुधवार को जब ट्रंप ने महिलाओं के खेलों में ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों की भागीदारी की अनुमति देने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की आलोचना की, तो उन्होंने ममदानी का भी नाम लिया और कहा, "उन्हें यह अच्छा लगता है कि पुरुष महिलाओं के खेल खेलें।"

ममदानी ने घोषणा की है कि वे ट्रांसजेंडर न्यूयॉर्कवासियों के अधिकारों की रक्षा करेंगे और शहर को एलजीबीटीक्यू निवासियों के लिए "सुरक्षित ठिकाना" बनाएंगे, ताकि ट्रांसजेन्डर लोगों के प्रति ट्रंप की भेदभावपूर्ण नीतियों का मुकाबला किया जा सके। उन्होंने ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के मुद्दे पर सीधे टिप्पणी नहीं की, लेकिन उनके प्रवक्ता ने उनके रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि उनका रुख हमेशा समान अधिकारों के पक्ष में रहा है।

ममदानी, जो कहते हैं कि वे एक लोकतांत्रिक समाजवादी हैं, "कम्युनिस्ट" नहीं, ट्रंप से टकराने से बिल्कुल नहीं डरते। बुधवार सुबह उन्होंने इस बात की चिंता को खारिज कर दिया कि उन्होंने अपने विजय-भाषण में ट्रंप को उकसाने की कोशिश की थी। नव-निर्वाचित मेयर ने न्यूयॉर्क1 पर दिये एक इंटरव्यू में कहा, अगर राष्ट्रपति सचमुच सस्ते किराने के सामान और जीवनयापन की कम लागत के अपने वादे पूरे करना चाहते हैं, तो मैं सहयोग करने को तैयार हूँ। लेकिन अगर वे इस शहर के लोगों के खिलाफ आए, तो मैं हर कदम पर उनके सामने खड़ा रहूंगा।

इकॉनमी व रोज़मर्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आंकड़े कागज़ पर बेहतर दिखते हैं। लेकिन घरेलू निवेश या उत्पादन में वास्तविक उछाल नहीं दिखा है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र, खासकर टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में लगभग ठहराव की स्थिति है, और कंपनियों का पूंजीगत निवेश भी बहुत मामूली बढ़ा है। यानी जिस विकास की ट्रंप बात करते हैं, वह आम अमेरिकियों के लिए ठोस समृद्धि या आर्थिक सुरक्षा में नहीं बदल पा रहा।

जनता की भावना भी बयानबाजी और वास्तविकता के बीच के इस अंतर को दिखाती है। सितंबर के अन्त में रॉयटर्स-इप्सोस के सितंबर के अंत में सर्वे में 54 प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था गलत दिशा में जा रही है। कई लोगों को डर है कि ट्रंप की टैरिफ नीति, जो अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के नाम पर लागू की गई है, वास्तव में आयातित वस्तुओं के दाम बढ़ाकर महंगाई को और बढ़ा देगी। एसोसिएटेड प्रेस के सर्वे में आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि टैरिफ से उनकी जीवन-यापन लागत और बढ़ेगी। यही आर्थिक चिंता ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट का एक बड़ा कारण है। द गार्जियन के अनुसार, उनकी अप्रूवल रेटिंग दर अब 37 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो उनके कार्यकाल के सबसे निचले स्तरों में से एक है।

इस प्रकार, ट्रंप की फलती-फूलती अर्थव्यवस्था का दावा चुनिंदा आँकड़ों पर टिका है, जबकि आम अमेरिकियों का अनुभव कुछ और ही कहता है, बढ़ती कीमतें, धीमी नौकरी वृद्धि और भविष्य को लेकर गहराती चिंता। उनका यह आशावाद शायद राजनीतिक तौर पर काम आए, लेकिन सच्चाई यह है कि ज़्यादातर अमेरिकी परिवारों के लिए अर्थव्यवस्था अब भी अस्थिर और अनिश्चित है।

छ माह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तलाश में कई ठिकानों पर दबिश दी। लेकिन टीम को कोई सफलता नहीं मिली। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर एसीबी टीम ने झालाना में दबिश देकर रोहित मीणा को दबोच लिया।

'रोटी को तवे पर पलटते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्षी महागठबंधन, सरकार-विरोधी लहर और अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के, हर घर को एक नौकरी के अभूतपूर्व वादे पर भरोसा करते हुए, एन.डी.ए. से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है। 2020 में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी राजद ने इस बार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आक्रामक प्रचार किया है, जो युवाओं के वोट पाने की उम्मीद लगाये बैठे हैं।

भाजपा ने हमेशा की तरह जोरदार प्रचार अभियान चलाया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद कई रैलियां कीं। उनके साथ केन्द्र के मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी सक्रिय रहे। चर्चाएं थीं कि छह बार के मुख्यमंत्री 74 वर्षीय नीतीश कुमार को इस बार बदला जा सकता है, क्योंकि जदयू अब भाजपा के सीनियर पार्टनर के रूप में नही, बल्कि जूनियर भूमिका में दिख रही है। अंतत: केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को आखिरी समय पर इस पर सफाई देनी पड़ी।

कांग्रेस, जो 2020 में अपने सहयोगी राजद से काफी पीछे रह गई थी, इस बार फीका प्रचार करती नजर आई। शुरुआत में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की संयुक्त पदयात्रा से जोश दिखा, लेकिन राहुल गांधी बाद में दो महीने से अधिक समय तक चुनावी मैदान से गायब रहे।

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर, जिन्होंने अपनी जन सुराज पार्टी के साथ राजनीति में कदम रखा है, इस चुनाव के एक्स फैक्टर माने जा रहे हैं। उनके आने से कई सवाल उठे हैं, जिनमें यह प्रश्न भी शामिल है कि क्या इससे गैर-भाजपा वोटों में बिखराव होगा। किशोर ने कहा है कि उनकी पार्टी या तो 10 से कम या 150 से ज्यादा सीटें जीतेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जन सुराज पार्टी चुनाव से पहले या बाद में किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। जन सुराज पूरे राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है और भ्रष्टाचार व बुनियादी सेवाओं की गिरावट को मुख्य मुद्दा बना रही है।

यह चुनाव रोजी रोटी के मुद्दों, बेरोज़गारी, पलायन, भ्रष्टाचार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे बुनियादी मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमता है। तेजस्वी यादव के नौकरी के वादे ने इन मुद्दों को और भी ज्यादा तूल दे दिया है, जिसका मतलब है कि 1.3 करोड़ नौकरियाँ दी जायेंगी। एनडीए का कहना है कि राज्य के पास इतनी बड़ी योजना के क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 1 करोड़ नौकरियां देने और महिलाओं को सशक्त बनाकर 1 करोड़ लखपति दीदी बनाने का वादा किया है।

गुरुवार को जिन क्षेत्रों में मतदान हुआ, वे ज्यादातर मध्य बिहार में आते हैं। 2020 में इस इलाके की 121 सीटों में से 63 पर महागठबंधन ने जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा और नीतीश कुमार की जदयू को मिलकर 55 सीटें मिली थीं।

डमी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रयोगशाला में परीक्षण करवाया गया, जहां से रिपोर्ट नेगेटिव प्राप्त हुई।

तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 के पद पर धोखाधड़ी पूर्वक चयनित होने का आपराधिक कृत्य करने तथा अपराध प्रमाणित पाये जाने पर आरोपित सचिन कुमार बघेल को गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा के विकास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

25 किलोमीटर लंबाई की मिसिंग लिंक सड़कों का कार्य स्वीकृत हो गया है और कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है तथा गणेशगंज नहरी तंत्र के जीर्णोद्धार की स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि चम्बल दायीं मुख्य नहर की शेष रही 38 किलोमीटर लम्बाई को पक्का करने के लिए 300 करोड़ रुपये स्वीकृत स्वीकृत हो चुके हैं।

ईआरसीपी को धरातल पर लाने के लिए 26 हजार करोड़ रुपये के कार्यादेश दिए जा चुके है। मंगरोल से पार्वती नदी तक बाणगंगा की रिसेक्शनिंग की डीपीआर बनाई चुकी है और यह कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। साथ ही, बारिश से होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए, अन्ता में नालों का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अंता विधानसभा क्षेत्र के मांगरोल में सुभाष चौक से सीसवाली चौराहे तक रोड शो किया और रथ में साथ में मौजूद भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को भारी मतों से जिताने की अपील की। इस दौरान, रोड शो में आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं माल्यार्पण कर स्वागत-अभिनंदन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सुभाष सर्किल पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया।

ढ ाई किलोमीटर लंबे रोड शो में मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए 51 द्वार बनाए गए और सभी जगह पर हजारों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं व आमजन ने पुष्पवर्षा, ढ ोल-नगाड़े बजाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। रोड शो में मुख्यमंत्री ने 'इस माटी का एक ही लाल, मोरपाल-मोरपाल' का नारा भी लगवाया।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद दुष्यंत सिंह सहित, जिलाध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गिरफ्तार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौलाना से एटीएस टीम पूछताछ कर रही है। मसूद के बड़े भाई मोहम्मद उसामा को जालोर जिले के सांचौर में झेरडियावास में दबिश देकर पकड़ा गया था। यह सांचौर की एक मस्जिद में मौलवी है। उसामा शादीशुदा है। इसके 4 बच्चे है, जिनमें 2 बेटे और 2 बेटियां है। वहीं, इसके भाई मसूद की तलाश में बाड़मेर जिले के गडरा रोड, रामसर पांधी का पार पंचायत पर स्थित इनके घर पर छापा मारा था। कार्रवाई की भनक लगने पर मसूद भाग गया। हालांकि तलाश के बाद एटीएस ने मसूद को पकड़ लिया। उससे भी मोबाइल व दस्तावेज कब्जे में लिए गए है।

Jaipur: E-101, Road No. 8, Vkia Area, Jaipur, Prem Motors: 8058791634, 8058794187, 8058794102, 8058794177 | **Chitrakoot Marg, Satya Colony, Tagore Nagar, Jaipur,** Auric Motors: 8690988784,8890988912, 8690988758 | **E-197(A), RIICO Industrial Area, Mansarovar, Jaipur,** KP Automotives: 9549651769, 9116190346 | **B 1 Govind Marg, Rajapark Opp. Pink Square Mall,** KP Automotive: 9549851770, 9116190344 | **A-209, Rajendra Prasad Nagar, 200ft Bypass, Ajmer Road, Jaipur,** Satnam MotoCorp: 7413900007, 7413900009, 7821823626, 8290654400, 7568249500, 9358868371 | **13 Jhotwara Industrial Area, Near Jhotwara Police Station, Jaipur,** KTL: 7412068475, 7412077170. | **Sector-35,Pratap Nager, Tonk Road, Jaipur,** Sanga Autonation Pvt Ltd.: 9057809180| **Padmawati Colony- II, opposite Metro Pillar No 25, Mansarover Metro Station Jaipur,** Vipul Motors Pvt. Ltd.: 9829333522, 9829351470, 9079191348. **Alwar: Near Alwar Public School, Jaipur Road, Alwar,** MG Motors: 7240012934, 7728892248, 7073130666 | **Opposite Matila police station Alwar bypass Road Bhiwadi,** Fortune Cars: 8875001550, 9214094335 | **Manhar Villa, Near Jail Circle, Vijay Nagar Road, Alwar,** Fortune Cars: 7230029310, 7230029304.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com **कोटा कार्यालय:**-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय:**-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 **उदयपुर कार्यालय:**-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 **अजमेर कार्यालय:**-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :**- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :**- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय:** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908